CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :30°C
न्यूनतम: 17°C

देहरादून, बुधवार 29 अक्टूबर 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 81 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com कार्तिक शुक्ल पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2082 6 जमादिउल उला 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

यूपी में 46 आईएएस अफसरों के तबादले, डा. रुपेश कुमार मंडल आयुक्त सहारनपुर बने पेज 2

सुजीत बने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैम्पियन खेल टाइम्स

जामिया मिल्लिया: विचार की चिंगारी से प्रगति की लो तक सम्पादकीय

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को कराची पोर्ट इस्तेमाल करने का दिया ऑफर पेज 12

बड़ा फैसला: 8वें वेतन आयोग को मंजूरी

50 लाख कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

- आयोग को 18 महीने में देनी होगी रिपोर्ट
- एक जनवरी से हो सकता है लागू

नई दिल्ली। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और भत्तों में संशोधन की सिफारिशों के लिए मंगलवार को आठवें वेतन आयोग के गठन के साथ-साथ उसके काम के दायरे और शर्तों को भी मंजूरी दे दी। आयोग को अठारह महीने में रिपोर्ट देनी होगी।

इसके बाद एक जनवरी 2026 से नया वेतन मान लागू हो सकता है। हालांकि, पुराने ट्रेंड को देखते हुए सिफारिशों को पूरी तरह इम्प्लीमेंट होने में 2028 तक का इंतजार करना पड़ सकता है। यानी, कर्मचारियों को 17-18 महीने का एरियर एकमुश्त या किस्तों में मिलेगा। इससे 50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। सरकार ने जनवरी 2025 में ही इस कमीशन के गठन का ऐलान किया था। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि उच्चत्तम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई आयोग की अध्यक्ष होंगी। भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष को आयोग का अस्थायी सदस्य बनाया गया है और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव पंकज जैन इसके सदस्य सचिव होंगे। बेसिक सैलरी में कितनी बढ़ोतरी होगी, ये फिटमेंट फैक्टर और डीए मर्जर पर निर्भर करता है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। 8वें में ये 2.46 हो सकता है। हर वेतन आयोग में डीए जीरो से शुरू होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि नई बेसिक सैलरी पहले से ही महंगाई को ध्यान में -शेष पृष्ठ दो पर

फॉस्फेटिक तथा पोटाश उर्वरक पर सब्सिडी दरों को मंत्रिमंडल की स्वीकृति

नई दिल्ली। सरकार ने किसानों के लिए रियायती दरों पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के वास्ते रबी सीजन फसल 2025-26 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरों को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने रबी सीजन 2025-26 एक अक्टूबर से 31 मार्च 2026 तक के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी दरें तय करने के लिए उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

डाक्टर्स का त्याग सर्वोपरि, अनदेखी माफ नहीं करेगा समाज

शाह टाइम्स ब्यूरो

डाक्टर्स का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी, कोविड में मृत प्राइवेट डाक्टर्स को सरकारी बीमा का लाभ मिले: सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा: यह मान लेना गलत प्राइवेट डाक्टर सिर्फ प्रॉफिट के लिए काम करते हैं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कोविड-19 के दौरान जान गंवाने वाले प्राइवेट डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को सरकारी बीमा योजना का लाभ देने के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि अगर न्यायपालिका डाक्टरों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके साथ खड़ी नहीं होगी, तो समाज हमें कभी माफ नहीं करेगा।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का भुगतान करें। उन्होंने कहा कि यह मान लेना गलत है कि प्राइवेट डाक्टर सिर्फ प्रॉफिट के लिए काम करते हैं। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामला प्रदीप अरोड़ा और अन्य लोगों की याचिका से जुड़ा है। इसमें बॉम्बे हाईकोर्ट के 9 मार्च 2021 के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि प्राइवेट अस्पतालों के डाक्टर या स्टाफ को इंश्योरेंस का लाभ तभी मिलेगा जब सरकार ने उनकी सेवाएं आधिकारिक रूप से मांगी हों। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह बताए कि प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा क्या ऐसी और भी योजनाएं हैं। अदालत ने कहा कि वह एक नियम तय करेगी, जिसके आधार पर बीमा कंपनियां आगे ऐसे मामलों में फैसला ले सकेंगी। यह मामला किरण भास्कर सुर्गडे की कहानी से जुड़ा है, जिन्होंने अपने पति को कोविड-19 महामारी में खो दिया था। उनके पति ठाणे में एक निजी क्लीनिक चलाते थे। बीमा कंपनी ने उनका दावा यह कहकर खारिज कर दिया कि उनका क्लीनिक मान्यता प्राप्त कोविड अस्पताल नहीं था। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज (पीएमजीएकेपी) मार्च 2020 में शुरू किया गया था। इस योजना के तहत कोविड-19 से ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के परिवार को 50 लाख रुपये का बीमा कवर दिया जाता है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज राफेल लड़ाकू विमान से भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उड़ान भरेंगी। राष्ट्रपति इससे पहले वायुसेना के सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में भी उड़ान भर चुकी हैं।

राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि श्रीमती मुर्मू बुधवार को हरियाणा जाएंगी और वहां अंबाला वायुसेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उडान भरेंगी। श्रीमती मुर्मू ने दो वर्ष पहले 8 अप्रैल 2023 को वायुसेना के तेजपुर हवाई बेस से सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भरी थी। राफेल भारतीय वायुसेना का प्रमुख लड़ाकू विमान है और इसने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विभिन्न अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रपति के सुबह अंबाला वायुसेना स्टेशन पहुंचने पर उन्हें सम्मान स्वरूप 'गार्ड आफ ऑनर' दिया जाएगा।

इंडियन एयरफोर्स को मिलेंगे छह नए रिफ्यूलिंग विमान

- फाइटर जेट्स में हवा में ही फ्यूल भरा जा सकेगा, इजरायल से आठ हजार करोड़ की डील संभव

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स में 6 नए मिड-एयर रिफ्यूलिंग (हवाई ईंधन भरने वाले) विमान शामिल करने के लिए इजरायल की कंपनी से 8 हजार करोड़ की डील अंतिम दौर में है। कंपनी इजरायल सरकार के स्वामित्व वाली इजरायल एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज (आईएआई) है।

इस डील के लिए रूस और यूरोप की कुछ कंपनियां भी दौड़ में थीं, लेकिन वे तकनीकी शर्तें और मेक इन इंडिया नियम पूरे नहीं कर पाईं। आईएआई ने आफसेट नीति के तहत लगभग 30 फीसदी मेक इन इंडिया सामग्री शामिल करने पर सहमति जताई है। आईएआई की डील के तहत पुराने बोइंग 767 कमर्शियल विमानों में बदलाव कर उन्हें टैंकर विमानों में बदला जाएगा। कंपनी ने ऑफसेट नीति के तहत लगभग 30 फीसदी मेक इन इंडिया सामग्री शामिल करने पर सहमति जताई है।

संक्षिप्त समाचार

संघ की गतिविधियों पर रोक लगाने की कर्नाटक सरकार की कोशिशों को झटका

बंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए उसके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल इस आदेश के तहत कर्नाटक सरकार ने निजी संगठनों को सरकारी परिसरों और सार्वजनिक जगहों, सड़कों आदि पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने से प्रशासन की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। कर्नाटक सरकार के इस आदेश को संघ की गतिविधियों को राज्य में बाधित करने के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि अब कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने इस आदेश पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ पुनशचौतन्य सेवा समस्थे नामक संगठन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

गुजरात के पेढवाड़ा गांव में घुसा आठ शेरों का झुंड

गिर सोमनाथ। गुजरात में गिर-सोमनाथ जिले के गांवों में एक बार फिर शेरों की आमद ने दहशत फैला दी है। कोडिनार तालुका के पेढवाड़ा गांव में सोमवार की रात एक साथ 8 शेरों का झुंड घुस आया। सबसे पहले इनमें से एक शेरनी ने सड़क पर बैठे मवेशियों पर हमला किया। शेरों ने कुछ घरों में भी घुसने की कोशिश की, जिससे लोग दहशत में आ गए। काफी देर तक गांव की सड़कों पर घूमने के बाद झुंड ने एक गाय का शिकार किया। शिकार खाने के बाद भी शेरों का झुंड गांव में ही डटा रहा। रात भर गांव में रुकने के बाद तड़के सुबह झुंड जंगल की ओर रवाना हो गया। घरों में लगे सीसीटीवी में कैद हुए तो कुछ लोगों ने घरों की छतों से इनके वीडियो बनाए।

प्रशांत किशोर को चुनाव आयोग का नोटिस

- महागठबंधन ने अपना घोषणापत्र किया जारी

पटना/नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को जनसुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर को 2 वोटर आईडी पर नोटिस भेजा है और 3 दिन में जवाब मांगा है।

पीके का नाम बिहार के साथ पश्चिम बंगाल में भी मिला है। महागठबंधन ने मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। सीएम फेस तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने सीएम का चेहरा घोषित कर दिया है, लेकिन एनडीए ने अब तक अपना सीएम फेस का ऐलान नहीं किया है। एनडीए 30 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा। उधर, राहुल और प्रियंका गांधी 29 अक्टूबर से बिहार में चुनावी अभियान की शुरुआत करेंगे। राहुल की सभा मुजफ्फरपुर और दरभंगा में होगी। प्रियंका बेगूसराय जिले के बछवाड़ा में रैली करेंगी।

बिहार सरकार दो दशक से घोंट रही है युवाओं का गला: राहुल गांधी

- कहा : भाजपा-जदयू सरकार में बिहार ने सिर्फ दुर्दशा देखी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा-जद-यू सरकार में बिहार ने सिर्फ दुर्दशा देखी है और पिछले दो दशक के दौरान नीतीश सरकार ने युवाओं की आंकांक्षाओं का सिर्फ गला घोंटा है।

उन्होंने मंगलवार को कहा कि बिहार प्रतिभाओं की खान है और यदि अवसर मिले तो वहां के युवा अपनी काबिलियत और मेहनत के बल पर हर जगह चमक सकते हैं, लेकिन बिहार में दो दशक से जो सरकार चल रही है उसने वहां के युवाओं को अवसरों की जगह सिर्फ बेरोज़गारी और निराशा दी है। उनका कहना था कि इस वक्त बिहार में बदलाव की बयार चल रही है और बिहार के लोगों का स्वाभिमान जागने लगा है। बदलाव की बयार के इसी हिसाब से इस बार महागठबंधन अपना न्याय संकल्प दोहरा रहा है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में बिहार के युवाओं के साथ हाल ही में हुई अपनी वार्ता का जिक्र करते हुए कुछ दिनों पहले बिहार के युवाओं से बहुत दिलचस्प बातचीत हुई जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार जैसे हर मुद्दे पर चर्चा हुई।

प्रियंका का दो दिवसीय वायनाड दौरा आज से

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार से अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि वह 29 और 30 अक्टूबर को वायनाड दौरे पर रहेंगी और इसके बाद बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करने जाएंगी। वह वायनाड में राजीव गांधी मेमोरियल सरकारी आयुर्वेद औषधालय के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करेंगी। इसके अलावा मोबाइल डिस्पेंसरी के लिए एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाएंगी और कोडेनचेरी ग्राम पंचायत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन समारोह में भी हिस्सा लेंगी।

दिल्ली में क्लाउड सीडिंग का दूसरा ट्रायल

शाह टाइम्स ब्यूरो

- IIT कानपुर की तकनीक से बादलों के ऊपर छिड़का केमिकल, ट्रायल के 4 घंटे के अंदर कभी भी हो सकती है बारिश

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए क्लाउड सीडिंग का दूसरा ट्रायल मंगलवार को हुआ। पहला टेस्ट 23 अक्टूबर को हुआ था। दिवाली के बाद से लगातार एयर क्वालिटी में तेजी से गिरावट आई है। राजधानी की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है।

इसके लिए कानपुर से स्पेशल विमान सेसना ने उड़ान भरी थी। विमान ने तकनीक से बादलों के ऊपर केमिकल छिड़का। आईआईटी कानपुर ने बताया कि क्लाउड सीडिंग सफल रही है। इसे 6 हजार फीट की ऊंचाई पर 6 फ्लेयर से किया गया। ट्रायल के 4 घंटे के अंदर कभी भी बारिश हो सकती है। क्लाउड सीडिंग खेकड़ा, बुराड़ी, मयूर विहार और कई अन्य इलाकों में की गई। उधर, दिल्ली में प्रदूषण को रोकने के लिए ऐसे कॉमर्शियल व्हीकल्स की एंट्री पर एक नवम्बर से रोक लगा दी है, जो बीएस-6 मानकों के अनुरूप नहीं हैं। इस बीच दिल्ली की एयर क्वालिटी में सुधार आया है। मंगलवार सुबह एक्यूआई 306 रिकॉर्ड किया गया। यह सोमवार को 315 से कम था।

छठ पूजा के आखिरी दिन उगते सूरज को अर्घ्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

दिल्ली में 1300 घाटों पर स्नान, ऑस्ट्रेलिया व अमेरिका समेत दुनियाभर में भी हुई पूजा

नई दिल्ली। छठ महापर्व का मंगलवार को आखिरी दिन था। 4 दिन का ये महापर्व 25 अक्टूबर को नहाय खाय से शुरू हुआ था। मंगलवार को उगते सूरज को 'ऊषा अर्घ्य' के साथ खत्म हो गया। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास खत्म हो गया।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने का मुहूर्त सुबह 6:27 बजे तक था। देश के साथ विदेश में भी छठ महापर्व मनाया गया। बिहार, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई) से इसकी तस्वीरें भी सामने आने लगी हैं। ठंड बढ़ने के बावजूद महिलाएं पानी में खड़ी नजर आ रही हैं। वहीं, दिल्ली में करीब 1300 घाटों पर छठ पूजा का आयोजन हुआ, जिनमें 17 प्रमुख घाट यमुना नदी के किनारे बनाए गए हैं। मुंबई और ठाणे में 83 स्थानों पर सामूहिक छठ पूजा का आयोजन हुआ। छठ महापर्व को लेकर विदेशों में भी उत्साह था। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन समेत दुनियाभर के कई देशों में भी भारतीय व्रतियों ने सोमवार को सूर्य को अर्घ्य दिया था। फिजी, सूरीनाम, मॉरिशस, त्रिनिनाद- टोबेगो में भी बड़ी संख्या में भारतीय आबादी रहती है, यहां भी छठ पूजा का आयोजन किया गया।

उत्तराखंड भर्ती घोटाला: सीबीआई ने दर्ज किया मुकदमा

देहरादून (ब्यूरो)। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में आखिरकार केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने मोर्चा संभाल लिया है। छात्रों के लगातार और उग्र विरोध के बाद, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आश्वासन पर राज्य सरकार द्वारा की गई सिफारिश के बाद, सीबीआई ने देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस कार्रवाई से राज्य भर के लाखों बेरोजगार युवाओं को बड़ी राहत मिली है। सीबीआई ने देहरादून की एसीबी शाखा में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। जांच की जिम्मेदारी सहायक पुलिस अधीक्षक राजीव चंदोला को सौंपी गई है।

Global HR Solutions
Kyrgyzstan (Bishkek)
जल्द जरूरत है !
जॉब्स उपलब्ध:
- वेल्डर (3G & 4G ARC)
- राज मिस्त्री
- कंस्ट्रक्शन लेबर
- सिलाई टेलर
वेतन: 700 USD प्रति माह (नेट)
टैक्स कम्पनी देगी
आवश्यक दस्तावेज़:
- रेफरेन
- योग्यता प्रमाणपत्र
- सर्विस सर्टिफिकेट
- वेल्डर टेस्ट रिपोर्ट
सम्पर्क करें :-
+91 8630026067

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद का सपा ऑफिस नहीं होगा खाली: हाईकोर्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय को लेकर चल रहे विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है, जिसमें जस्टिस जस्टिस अरिंदम सिन्हा और जस्टिस सत्यवीर सिंह की डिविजन बेंच ने जिला प्रशासन के कार्यालय खाली कराने के आदेश को रद्द कर दिया और यथास्थिति बनाए रखने का का आदेश जारी किया है। इस फैसले से सपा को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में भी यथास्थिति का आदेश दिया था और अब कार्रवाई पर पूरी तरह रोक लगा दी है, कोर्ट ने प्रशासन के दावों को खारिज कर दिया। शहर के सिविल लाइन्स स्थित चक्कर की मिलक में समाजवादी पार्टी का जिला कार्यालय 1994 से चल रहा है। यह भवन मुलायम सिंह यादव को आवंटित किया गया था।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ से अधिक होगा खर्च

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को कहा कि पिछले दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटन अवसंरचना के विकास में वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए। एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में 253.75 करोड़ रुपए के आधार पर, जबकि वित्त वर्ष 2024 में 268.42 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान कोई भी केंद्र पोषित योजना लागू नहीं की जाएगी। सरकार ने कहा कि विज्ञापन और प्रचार के लिए आवंटित 50.50 करोड़ रुपए में से 42.27 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

डॉक्टर रुपेश कुमार को मंडल आयुक्त सहारनपुर की जिम्मेदारी सौंपी

यूपी में आईएएस अफसरों के बंपर तबादले

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ 46 आईएएस को नई जिम्मेदारी सौंपी, रामपुर, सीतापुर, बस्ती, हाथरस समेत 10 जिलों के डीएम बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में तबादलों का सिलसिला जारी है। एक बार फिर बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। मंगलवार को 46 आईएएस को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। रामपुर, सीतापुर, बस्ती, हाथरस समेत 10 जिलों के जिलाधिकारी बदल दिए गए हैं। अजय कुमार द्विवेदी को रामपुर का डीएम बनाया गया है।

आईएएस बालकृष्ण त्रिपाठी को सचिव सामान्य प्रशासन विभाग उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी सौंप गई है। इसके साथ ही राजेश प्रकाश को मंडलायुक्त विध्यांचल बनाया गया है। इसके साथ ही धन लक्ष्मी के को महा. निदेशक मत्स्य विभाग की जिम्मेदारी सौंप गई है। इसी तरह संजय कुमार को वर्तमान पद के साथ सचिव उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। तबादलों के क्रम में अटल कुमार राय गृह विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। भानु चंद्र गोस्वामी को मेरठ का मंडल आयुक्त बनाया गया है। डॉक्टर ऋषिकेश भास्कर यशोदा को सचिव राजस्व विभाग, राहत आयुक्त और चकबंदी आयुक्त की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉक्टर रुपेश कुमार को मंडल आयुक्त सहारनपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह मयूर माहेश्वरी को प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम और प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के पद पर तैनात किया गया है विजय किरण आनंद को वर्तमान पद के साथ मुख्य कार्यपालक अधिक. ारी उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रभारी एनआरआई सेल एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी लीडर के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राहुल पांडे को विशेष सचिव राज्य कर विभाग की जिम्मेदारी दी गई है अतुल वत्स को हाथरस का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। अमनदीप डुली को अपर आयुक्त मनरेगा बनाया गया है इसी तरह हिमांशु नागपाल को नगर आयुक्त वाराणसी, प्रखर कुमार सिंह को मुख्य विकास अधिकारी वाराणसी, योगेंद्र कुमार को मुख्य विकास अधिकारी अलीगढ़ एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक अलीगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

57 पीसीएस अधिकारी हुए स्थायी तहसीलदार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) के 57 अधिकारियों का स्थायीकरण आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग, आईएएस अन्नपूर्णा गर्ग द्वारा हस्ताक्षरित है। मुख्य रूप से 2020 और 2022 बैच के तहसीलदार से पदोन्नत होकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) बने अधिकारियों को इसका लाभ मिला है। आधिका. रिक सूची में 2020 बैच के अभय राज पांडे एसडीएम आजमगढ़, हेमंत कुमार गुप्ता एसडीएम बलरामपुर, कमलेश कुमार एसडीएम रायबरेली, करणवीर सिंह एसडीएम हमीरपुर, लालता प्रसाद एसडीएम बुलंदशहर, अशोक कुमार सिंह एसडीएम मऊ, विजय यादव एसडीएम महाराजगंज, सुबोध मणि शर्मा एसडीएम प्रतापगढ़, भूपाल सिंह एसडीएम आजमगढ़ और केशव प्रसाद एसडीएम मैनपुरी के नाम शामिल हैं। वहीं 2022 बैच से मोनालिसा जौहरी एसडीएम बहराइच, अभय सिंह एसडीएम मुरादाबाद और तान्या सहायक नगर आयुक्त झांसी का भी स्थायीकरण हुआ है। हालांकि पूर्ण सूची अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। अधिकारियों के अनुसार यह कदम प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और युवा अधिकारियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

बीजेपी सरकार ने किया स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है।

यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि इस सरकार के नौ साल में अस्पतालों की दुर्दशा हो गई है। सरकारी अस्पतालों में जरूरी उपकरण, दवाएं और संसाधन नहीं हैं। डॉक्टरों की भारी कमी है। आम जनता मरीजों को सरकारी अस्पतालों में क्वालिटी का इलाज नहीं मिल पा रहा है। मरीजों को अस्पताल तक ले जाने के लिए एम्बुलेंस तक नहीं मिल रही है। अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भाजपा सरकार के सारे दावे झूठे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर हर दिन हृदय विदारक खबरें आ रही है। इस सरकार में कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार चरम पर है। दवाओं और अन्य जरूरी उपकरणों की सप्लाई में भारी घालमेल है।

वोटर लिस्ट पर रखेंगे निगरानी

लखनऊ। चुनाव आयोग द्वारा देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दूसरे फेस 4 नवम्बर से शुरू होने की घोषणा के साथ ही सपा ने वोटर लिस्ट निगरानी के लिए बड़ा कदम उठाया है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए प्रहरी नियुक्त करने का फैसला लिया है। ये पीडीए मतदाताओ के वोट की रक्षा करेंगे।

गुरु परंपरा ने रक्षा, सेवा, त्याग व बलिदान का संदेश दिया: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है।

सिख समुदाय की आस्था का प्रतीक 'चरण सुहावे गुरु चरण यात्रा' के पवित्र जोड़ा साहिब का लखनऊ में भव्य स्वागत हुआ। यह यात्रा सिख समुदाय के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह जी और माता साहिब कौर के पवित्र जोड़ा साहिब से जुड़ी है, जो सिख आस्था का अत्यंत पवित्र प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे। लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने गुरुवाणी सुनी और यात्रा सदस्यों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। गुरुद्वारा कमेटी ने योगी को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। योगी ने कहा कि हमारी परंपरा में यह कहा गया है, 'जिथे जाए बहे मेरा सतगुरु, सो थान सुहावा राम राजे।' अर्थात जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह रामराज्य की तरह पवित्र और पुण्यभूमि बन जाता है।

नफरत फैलाने वालों पर हो सख्त कार्रवाई: मायावती

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ मुस्लिम लड़कियों को लेकर बीजेपी के पूर्व विधायक के बयान को बताया निदंनीय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले की डुमरियागंज सीट से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह के विवादित बयान पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ जैसे संकीर्ण और घृणित बयान समाज में नफरत, वैमनस्य और अराजकता फैलाने वाले हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार को सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

सुश्री मायावती ने मंगलवार को एक्स पर लिखा कि यूपी और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और इस तरह के भड़काऊ नारों के नाम पर कानून को अपने हाथ में लेकर साम्प्रदायिक और जातीय द्वेष फैलाने वाले तत्वों की हरकतें अति-निदनीय हैं। ऐसे असामाजिक व आपराधिक कृत्य संवैधानिक सरकार के लिए खुली चुनौती और खतरा हैं। राज्य सरकारों से अपील की कि वे राज्य की करोड़ों जनता के हित में कानून का राज स्थापित करें और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने के लिए दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को संरक्षण देने के बजाय उनके खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई ही व्यापक जन व देशहित में है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ये कहा था पूर्व बीजेपी विधायक ने

गौरतलब है कि सिद्धार्थनगर के बीते 16 अक्टूबर को सिद्धार्थनगर जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र के धनखरपुर गांव में एक जनसभा का आयोजन किया गया था। जिसमें भाजपा के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने एक विवादित बयान दे डाला। उन्होंने कहा कि हमारे समाज की दो लड़कियां वो ले गए, तुम मुसलमानों की 10 लड़कियां लाओ।

दो पर 10 से कम मंजूर नहीं हैं और ये घोषित करते हैं जो यह लेकर आएगा, उसके खाने-पीने, नौकरी का इंतजाम हम करेंगे। लेकिन जो यह दो गई हैं, वह हमें पच नहीं रही हैं। मुसलमानों सुन लो, यह हमें पच नहीं रहा है और इसका बदला कुछ भारी होना ही होना है।बयान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सेंसेक्स 84628.16
निफ्टी 25936.20

सोना रु. 119164
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 143400
प्रति किलो

शिखर से फिसला शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी टूटे

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 150.68 अंक (0.18 प्रतिशत) टूटकर 84,628.16 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी आज 29.85 अंक यानी 0.11 प्रतिशत गिरकर 25,936.20 अंक पर रहा। दोनों प्रमुख सूचकांक सोमवार को अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए थे।

मझौली और छोटी कंपनियों पर दबाव कम रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.11 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त में रहा। एनएसई में जिन 3,237 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,730 में गिरावट और 1,385 में तेजी रही जबकि 122 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंतत: अपरिवर्तित रहे। रियलिटी, आईटी, एफएमसीजी, ऑटो, तेल एवं गैस, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में गिरावट ज्यादा देखी गई। धातु और सरकारी बैंकों के समूहों

में तेजी रही। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 21 के शेयरों में गिरावट और नौ में तेजी रही। ट्रेंट का शेयर सबसे अधिक 1.54 प्रतिशत की गिरावट रही। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.05 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 1.03 और बजाज फिनसर्व का 1.00 प्रतिशत टूट गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में 0.98 प्रतिशत, पावरग्रिड में 0.93, टीसीएस में 0.90, बजाज फाइनेंस में 0.85, एचसीएल टेक में 0.80, एनटीपीसी में 0.80, एक्सिस बैंक में 0.67, अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.62, आईटीसी में 0.57 और हिदुस्तान यूनीलिवर में 0.50 प्रतिशत की गिरावट रही। एशिया में जापान का निक्केई 0.58 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.33 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.22 फीसदी टूट गया।

आवासीय बाजार घटती बिक्री और नई आपूर्ति के बीच स्थिर: रिपोर्ट

कोलकाता। भारतीय आवासीय बाजार घटती बिक्री और नई आपूर्ति के बीच स्थिर होता दिख रहा है, जबकि वाणिज्यिक कार्यालय रियल एस्टेट क्षेत्र शीर्ष सात शहरों में लगातार बढ़ रहा है। एनारोक के नवीनतम शोध आंकड़ों से पता चलता है कि मासिक कार्यालय किराया 2024 के नौ महीनों के लगभग 85 रुपए प्रति वर्ग फुट की तुलना में वर्ष 2025 में लगभग 90 रुपए प्रति वर्ग फुट हो जाएगा, जो सालाना छह प्रतिशत की वृद्धि है। शीर्ष सात शहरों में नए कार्यालयों के निर्माण में वृद्धि के बावजूद, औसत रिक्तियों के स्तर में मामूली तीन प्रतिशत की वार्षिक गिरावट देखी गई, जो 2024 के नौ महीनों में 16.70 प्रतिशत से घटकर 2025 के नौ महीनों में 16.20 प्रतिशत हो गया। चेन्नई एकमात्र ऐसा शहर है जिसने शीर्ष कार्यालय शहरों में एकल- अंकीय कमी दर्ज की है। आयात शुल्क, भू-राजनीतिक तनाव और आईटी क्षेत्रों में छंटनी जैसी वैश्विक चुनौतियों का शीर्ष शहरों में कार्यालय स्थान की मांग पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

सोना 1913 और चांदी 1,631 रुपये हुए सस्ते

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार सोने की कीमत 1,913 रुपए घटकर 1,19,164 पर आ गई है। इससे पहले इसके दाम 1,21,077 रुपए प्रति 10 ग्राम थे। वहीं चांदी 1,631 रुपए गिरकर 1,43,400 प्रति किलोग्राम हो गई। कल इसकी कीमत 1,45,031 प्रति किलोग्राम थी।

सोने की कीमत पिछले 8 दिनों में 10,420 रुपए घटकर आज 1,19,164 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। 19 अक्टूबर को इसकी कीमत 1,29,584 रुपए के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं चांदी 1,69,230 रुपए प्रति किलो से गिरकर 1,43,400 रुपए पर आ गई है। ये 25,830 रुपए सस्ती हुई है। दवाली जैसे फेस्टिवल के बाद भारत में सोने-चांदी की खरीदारी का सिलसिला थम गया। इससे सोना-चांदी की डिमांड में कमी आई है। ग्लोबल टेंशन के कम होने से इसमें गिरावट आई है। हमेशा ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

उप्र में घरेलू यात्रियों में 15.7 और एयर कार्गो में 19.1 प्रतिशत का आया उछाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी और यात्री संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। अप्रैल से अगस्त के बीच प्रदेश के हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 14.6 प्रतिशत बढ़कर 60.02 लाख हो गई है। वहीं इस दौरान भारत के कुल हवाई यातायात में राज्य की हिस्सेदारी 3.52 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 2024 की तुलना में 34 बेसिस पॉइंट्स अधिक है।

अधिकृत सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि साफ है कि अब देश के हर 30 में से एक हवाई यात्री उत्तर प्रदेश से यात्रा कर रहा है। साल 2016.17 में जहां उत्तर प्रदेश के हवाई अड्डों से 59.97 लाख यात्री यात्रा करते थे, वहीं 2024.25 में यह संख्या बढ़कर 142.28 लाख तक पहुंच गई। इनमें 129.29 लाख घरेलू और 12.99 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल रहे। इस दौरान राज्य का कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट 10.1 प्रतिशत रहा, जो एविएशन सेक्टर में तेजी से बढ़ती मांग को दर्शाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान 2020-21 में यात्री संख्या 48.35 लाख तक गिर गई थी, लेकिन यूपी ने सबसे तेज रिकवरी दिखाई। महज दो वर्षों में यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई, जो राज्य की मजबूत हवाई नीति और बेहतर प्रबंधन का प्रमाण है। 2023.24 की तुलना में 2024.25 में हवाई यात्रियों की संख्या में 25.9 प्रतिशत का ग्रोथ दर्ज किया गया है, जबकि 2023.24 और 2024.25 में अप्रैल.अगस्त माह के बीच कंपैरिजन करें तो यह ग्रोथ 14.6 प्रतिशत रही। इस दौरान घरेलू यात्रियों में 15.7 प्रतिशत और इंटरनेशनल पैसेंजर्स की संख्या में 4.3 फीसदी ग्रोथ दर्ज की गई। राज्य के कई शहरों ने इस ग्रोथ में अहम योगदान दिया है।

महागठबंधन के लिए वोट मांगेगे अखिलेश यादव और डिंपल

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए वर्सेस इंडिया गठबंधन की चुनावी लड़ाई अब बेहद दिलचस्प होने जा रही हैं। जहां एक तरफ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार में कूद पड़े हैं, तो वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया भी बिहार चुनाव प्रचार को धार देने बिहार पहुंच रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बड़ा फैसला:...

रखकर बढ़ाई जाती है। इसके बाद डीए फिर से धीरे-धीरे बढ़ता है। आयोग 18 महीने में अपनी सिफारिशें देगा और जरूरी होने पर सरकार को अंतरिम रिपोर्ट भी दे सकता है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार करते समय देश की आर्थिक स्थिति और राजकोषीय सुझबूझ का ध्यान रखेगा, ताकि सरकारी खजाने में विकास और जनकल्याण के लिए संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता भी बनी रहे। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें पहली जनवरी 2026 से लागू किए जाने की उम्मीद है, क्योंकि हर दस साल में वेतन आयोग की सिफारिशें संशोधित की जाती हैं और पिछले वेतन आयोग की सिफारिशें एक जनवरी 2016 से लागू हुई थीं। आयोग को सरकार की ऐसी पेंशन योजना के लिए वित्त के बारे में भी सिफारिश करने को कहा गया है, जिसमें कर्मचारियों को कोई अंशदान नहीं करना पड़ता है। आयोग अपनी सिफारिश करते समय राज्यों की राजकोषीय स्थिति पर भी ध्यान देगा, क्योंकि उन्हें भी केंद्रीय आयोग की सिफारिशों के आधार पर अपने कर्मचारियों और अधिकारियों के वेतनमानों में सुधार करने होते हैं। आयोग केंद्रीय उपक्रमों और निजी क्षेत्र में लागू वर्तमान वेतनमानों, अन्य लाभों और कार्य की शर्तों को भी ध्यान में रखेगा। सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की सैद्धांतिक मंजूरी इसी वर्ष जनवरी में दी थी।

एसआईआर पर सवाल उठाने वाले लोकतंत्र के दुश्मन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 12 राज्यों में मतदाता सूची के एसआईआर की पहल लोकतंत्र को मज़बूत करने वाली नेक कवायद है और जो राजनीतिक दल इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, वे दरअसल लोकतंत्र के असली दुश्मन हैं। मौर्य ने मंगलवार को एक्स पर लिखा- वंशवादी दलों की पूरी राजनीति चुनावी फर्जीवाड़े पर टिकी है। इसलिए जब भी कोई सुधारात्मक कदम उठाया जाता है, वे सबसे ज्यादा हल्ला मचाते हैं। मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाना लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करता है और इससे केवल ईमानदार राजनीति को ही लाभ होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य में जंगलराज की यादें मिट रही हैं।

सरकार अग्निवीरों के साथ कर रही है धोखा: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ सरकार जवानों के साथ सही नहीं कर रही

कांग्रेस ने सरकार पर अग्निवीरों के साथ धोखा करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पहले सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया था, लेकिन अब गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर बताया है कि रिटायर अग्निवीरों को देश की टॉप दस प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसियों में रखा जाएगा।

कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रमुख कर्नल रोहित चौधरी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में अधिसूचना को अग्निवीरों के साथ धोखा बताया और कहा कि यह योजना देश की सुरक्षा और युवाओं के लिए घातक है इसलिए इस योजना को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार हमारे जवानों के साथ सही नहीं कर रही है। ये साफ तौर पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले ही 'जय जवान अभियान' चलाया था और अब 'जय जवान अभियान' का दूसरा भाग चल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार कह रहे हैं कि देश को कम प्रशिक्षित सैनिक दिए जा रहे हैं और मोदी सरकार सैनिकों की पेंशन काटकर अपने पूंजीपति मित्रों की तिजोरी भर रही है। कर्नल चौधरी ने कहा कि हम सभी वचनबद्ध हैं कि अग्निवीर योजना देश की सुरक्षा और युवाओं के लिए घातक है, ये खत्म होनी चाहिए। अब गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी की है, जिसमें बताया गया है कि रिटायर होने वाले अग्निवीरों को देश की टॉप 10 प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में रखा जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि मोदी सरकार ने सिर्फ 25 प्रतिशत अग्निवीरों को स्थाई किया है, तो बाकी वापस लौटकर क्या भाजपा दफ्तर या किसी कंपनी के बाहर दरबान की नौकरी करेंगे। क्या अग्निवीर अब अडानी डिफेंस के अंदर जाएंगे और वहां जाकर एक प्राइवेट आर्मी की तरह काम करेंगे। मोदी सरकार से हमारा सवाल है कि जब अग्निवीरों को पेंशन वाली नौकरी और केंद्र, राज्य की नौकरियों में शामिल करने का वादा किया गया था तो आज उन्हें प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में क्यों भेजा जा रहा है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी, जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना

शारदा कॉरिडोर से बदलेगी लोगों की तकदीरःसीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत/टनकपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा शारदा कोरिडोर विकास परियोजना माडल जिले के प्रवेश द्वार एवं दो सौ वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र की तस्वीर एवं लोगों की तकदीर ही नहीं बदलेगा बल्कि यह देश के विभिन्न भू भागों के श्रद्धालुओं की आस्था को अपनी ओर खींचने का भी कार्य करेगा। जिससे यहां पर्यटन, धार्मिक पर्यटन एवं ईको पर्यटन के द्वार भी खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने परियोजना में प्रस्तावित 38 प्रमुख कार्यों की समिक्षा कि कहा हर कार्य की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समय से पूरा करने में विशेष ध्यान देना चाहिए।

- शारदा कॉरिडोर बनने से मॉडल जिले का प्रवेश द्वार सज जाएगाः मुख्यमंत्री
- 3300 करोड़ रुपए का निवेश किया प्रस्तावित

शारदा कॉरिडोर विकास परियोजना का उद्देश्य लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का समग्र विकास करना है, जिससे यह क्षेत्र धार्मिक, सांस्कृतिक, पर्यटन एवं पर्यावरणीय दृष्टि से सशक्त और आकर्षक बन सके।

इन कार्यों में शारदा घाट का पुनर्विकास, सिटी ड्रेनेज प्लानख्र1, रणकोची माता मंदिर का पुनरुद्धार, बनबसा में हेलीपोर्ट का विकास, चूका से चल्थी माउंटेन बाइक ट्रेल निर्माण, बनबसा में अंतरराष्ट्रीय सीमा बाजार का विकास, श्रद्धा पथ नदी तट का सौंदर्यीकरण, शारदा रिवरफ्रंट के लिए मास्टर प्लान और एयरो स्पोर्ट्स सुविधाओं का सृजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने भूमि अधिग्रहण एवं हस्तांतरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी निर्माण कार्यों के लिए निर्धारित समयांतराल में निष्पादन सुनिश्चित करने पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि भविष्य में लोहाघाट स्थित विवेकानंद सर्किट का विकास एवं माँ वाराही धाम को स्पिरिचुअल जोन के रूप में विकसित करने की दिशा में भी कार्य किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त क्षेत्र को डेस्टिनेशन वेडिंग हब के रूप में विकसित करने तथा सेना, पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों के वीर शहीदों के सम्मान में "शौर्य स्थल" विकसित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य टनकपुर की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान को सहेजते हुए, पर्यटन, पर्यावरण एवं श्रद्धालुओं के अनुभव को और बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्थानीय रोजगार संवर्धन एवं जनजीवन स्तर सुधार का माध्यम बनेगी।

इस परियोजना में कुल लगभग 3300 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है तथा योजना के निर्माण हेतु त्वरित गति से कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। यह परियोजना टनकपुर शहर को नई पहचान देने में सहायक सिद्ध होगी।बैठक में जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, जिलाधिकारी उधम सिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया, अपर जिलाधिकारी चम्पावत कृष्णा नाथ गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी. एस. खाती, अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने टोंस नदी के घाट पर परिवार सहित सूर्य को अर्घ्य दिया

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। प्रदेशभर में लोक आस्था का पर्व छठ पूजा उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने भी सपरिवार प्रेमनगर स्थित टोंस नदी के घाट पर पहले अस्ताचलगामी और फिर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर उन्होंने सूर्यदेव एवं छठ माता से प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।

प्रदेश के सबसे बड़े 'दून हॉस्पिटल' की व्यवस्थाएं बदहालः माहरा

दो करोड़ खर्च कर लगाया गया न्यूमेटिक सिस्टम महीनों से ठप

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि देहरादून का सबसे बड़ा सरक.ारी अस्पताल 'दून हॉस्पिटल' आज सरकारी लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। जिस न्यूमेटिक सिस्टम पर दो करोड़ रुपये से अधिक की जनता की गाढ़ी कमाई खर्च की गई थी, वह महीनों से ठप पड़ा है।

यह सिस्टम अस्पताल में रक्त जांच जैसे जरूरी सैंपल को विभागों तक पहुंचाने के लिए लगाया गया था ताकि मरीजों को राहत मिले, मगर सरकार और अस्पताल प्रशासन की उदासीनता के कारण आज मरीज और तीमारदार दर-दर भटक रहे हैं। ऑपरेशन थिएटर से लेकर ब्लड बैंक तक, हर विभाग इस सिस्टम की खराबी से जूझ रहा है। नतीजा यह है कि जांच रिपोर्ट समय पर नहीं मिल पा रही, ऑपरेशन टल रहे हैं, गंभीर मरीज तकलीफ झेल रहे हैं। यह वही सरकार है जो हर मंच से डिजिटल उत्तराखंड और स्मार्ट हेल्थ सिस्टम की बातें करती है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि करोड़ों का उपकरण धूल खा रहा है और प्रशासन को कोई फर्क नहीं पड़ता। लाखों-करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सिस्टम को अब तक दुरुस्त नहीं किया गया यह सवाल उठाता है कि आखिर यह पैसा गया कहाँ? साफ है कि सरकार की प्राथमिकता जनता की सुविधा नहीं बल्कि ठेकेदारों की जेबें भरना बन चुकी है।

सर्जरी और पीडिया विभाग में रोजाना सैकड़ों मरीज परेशान हैं, कतारों में खड़े हैं, रिपोर्ट के इंतजार में घंटों बिताते हैं और सरकार की तरफ से कोई जवाबदेही नहीं। यह केवल सिस्टम की नाकामी नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की विफलता है। जनता यह पूछना चाहती है कि जब करोड़ों का सिस्टम ठप पड़े और कोई जवाब न दे, तो जिम्मेदार कौन है? यह वही सरकार है जो विज्ञापनों में विकास दिखाती है, लेकिन अस्पतालों में मरीजों को बुनियादी सुविधा तक नहीं दे पा रही। आखिर स्वास्थ्य व्यवस्था किसके लिए है? जनता के लिए या ठेकेदारों और भ्रष्टाचार के लिए।

रजत जयंती में राष्ट्रपति व पीएम की मौजूदगी उत्साहवर्धक : धामी

भाजपा परिवार ने रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्यमंत्री, प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेशाध्यक्ष की मौजूदगी में भाजपा परिवार ने भव्यतम रजत जयंती वर्ष कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप दिया है। इस अवसर पर सीएम पुष्कर धामी ने कहा कि इस गौरवशाली कार्यक्रमों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी की उपस्थिति उत्साहवर्धक है। जिनमें प्रदेशवासियों के साथ मिलकर हमें, अब तक की उपलब्धियों पर विमर्श के साथ आने वाले 25 वर्षों का रोडमैप भी तैयार करना है।

प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने इसे सौभाग्यशाली अवसर बताते हुए कहा कि राज्य निर्माण स्वर्गीय अटल जी ने किया और उसका विकास पीएम मोदी के नेतृत्व में करने का मौका इस रजत जयंती वर्ष में भाजपा सरकार को प्राप्त हुआ है। मंगलवार को एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री, प्रदेश प्रभारी, प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट के साथ प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, कल्पना सैनी, प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार, तरुण बंसल, दीप्ति रावत और पार्टी विधायक, प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला अध्यक्ष एवं प्रभारियों ने शिरकत की।

बैठक में 1 नवम्बर से 11 नवंबर तक होने वाले प्रदेश स्तरीय एवं जिला स्तरीय रजत जयंती कार्यक्रम तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में इन कार्यक्रम श्रृंखला का आगाज राष्ट्रपति और पीएम के मार्गदर्शन में समापन होने को उत्साहवर्धक बताया गया।

वर्चुअल बैठक में विधायक अनिल नौटियाल, सविता कपूर, दिलीप महंत, राम सिंह कैड़ा, उमेश शर्मा काऊ, शिव अरोड़ा, दीवान सिंह बिष्ट, सहदेव पुंडीर, बृजभूषण गैरोला, आशा नौटियाल समेत कई विधायक मौजूद रहे।

राज्य स्थापना का 25वां वर्ष उत्सव मनाने का अवसर भाजपा सरकार को मिलना सौभाग्यः सीएम

बैठक को सीएम आवास से वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत सौभाग्यशाली है कि स्वर्गीय अटल ने राज्य बनाया और स्थापना का 25वाँ वर्ष उत्सव मनाने का अवसर भी भाजपा सरकार को प्राप्त हुआ है। उन्होंने आवाह्न किया कि 1 से 11 नवंबर तक जितने भी कार्यक्रम होंगे, उसमें हर वर्ग, समाज, क्षेत्र और आयामों को जोड़ने का काम पार्टी कार्यकर्ताओं को करना है।

राज्य निर्माण व विकास में भाजपा की अहम भूमिकाः गौतम

इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने कहा, हम सब भाग्यशाली हैं कि अटल के बनाए राज्य को आज पीएम मोदी संवार रहे हैं। राज्य निर्माण और उसके विकास में भाजपा की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हमें इन 25 वर्षों में राज्य में हुए बदलाव का एहसास घर-घर पहुंचना है ताकि एक सकारात्मक ऊर्जा आने वाले लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए समाज में उत्पन्न हो।

रजत जयंती प्रदेश के लिए बेहद गौरवशाली अवसरः भट्ट

प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि रजत जयंती कार्यक्रमों के अवसर पर राष्ट्रपति व पीएम उत्साह बढ़ाने आ रहे हैं। लिहाजा हम सब की जिम्मेदारी है कि ऐसे सभी कार्यक्रम अधिक से अधिक जनसभागिता के हों। जो लोग बड़े कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में शिरकत नहीं कर पाएं उन्हें वर्चुअल या लाइव प्रसारणों से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री मुनस्यारी पहुंचे जनता व जवानों से किया संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

मुनस्यारी। विकासखंड मुनस्यारी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का मुनस्यारी हेलीपैड (राजकीय कन्या इंटर कॉलेज जीजीआईसी) पहुंचने पर जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगाई ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पुलिस बल द्वारा मुख्यमंत्री धामी को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री धामी ने मुनस्यारी क्षेत्र की माताओं, बहनों और स्थानीय नागरिकों से आत्मीय मुलाकात करते हुए क्षेत्रवासियों के स्नेह और समर्थन के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचे, और सीमांत क्षेत्रों के लोगों को बुनियादी सुविधाएं सुलभ हों।

इसके बाद मुख्यमंत्री धामी ने आईटीबीपी की 14वीं बटालियन, मुनस्यारी पोस्ट का भ्रमण किया। वहां जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जवानों से मुलाकात कर कहा कि आपकी और से सीमाओं की सुरक्षा में जो योगदान दिया जा रहा है वह सराहनीय है और कहा कि आपके त्याग, अनुशासन और समर्पण से ही देश सुरक्षित है।

उत्तराखंड रजत जयंतीः 1 से 9 नवंबर तक सजेगा सांस्कृतिक रंगों का मेला

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड राज्य 9 नवंबर को अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार ने 1 से 9 नवंबर तक रजत जयंती समारोह धूमधाम से मनाने की तैयारी कर ली है। राजधानी देहरादून सहित प्रदेशभर में सांस्कृतिक, पारंपरिक और जनसांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित होगी।

संस्कृति सचिव युगल किशोर पंत ने बताया कि समारोह का हर दिन एक अलग थीम पर आधारित होगा, जिसमें उत्तराखंड की लोकसंस्कृति, कला, संगीत और जनजीवन को प्रदर्शित किया जाएगा। समारोह के पहले दिन 1 नवंबर को लोक नृत्य, संगीत

महाविद्यालय पौड़ी के छात्रों की प्रस्तुति, जागर गायन और नागालैंड की सांस्कृतिक झलकियां दिखाई जाएंगी।

2 नवंबर को हिमाचल की 'नाटी' प्रस्तुति, उत्तराखंड सिनेमा पर पैनल चर्चा और नरेंद्र सिंह नेगी के लोकगीतों से शाम सजेगी।

3 से 6 नवंबर तक तिब्बती, मणिपुरी, असमिया और गढ़वाली-कुमाऊंनी लोकनृत्यों के साथ शास्त्रीय संगीत, रंगमंच और वादन कला की विविध झलकियां पेश होंगी। 5 नवंबर को मालिनी अवस्थी, 6 को प्रीतम भरतवाण और 7 नवंबर को पंडवाज बैंड दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेगा।

समापन दिवस 9 नवंबर को राज्य की सभी प्रमुख लोकसंस्कृतियों,

गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी और थारू जनजातिख्रकी विशेष प्रस्तुतियों के साथ भूटान बैंड 'मिस्टी टेरिस' अपनी प्रस्तुति देगा। सरकार का दावा है कि यह आयोजन उत्तराखंड की सांस्कृतिक आत्मा को पुनर्जीवित करने वाला उत्सव होगा। आयोजन को लेकर तैयारी जोरों पर है, वहीं राजधानी देहरादून इन नौ दिनों तक कला, संस्कृति और लोकधुनों से सराबोर रहने वाली है।

स्थापना दिवस पर 6 नवम्बर को हल्द्वानी में होगा पूर्व सैनिक सम्मेलनः जोशी

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर प्रदेश के कृषि, सैनिक कल्याण एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री जोशी ने आगामी आयोजनों की रूपरेखा बताते हुए कहा कि 6 नवम्बर को हल्द्वानी में पूर्व सैनिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। वहीं 7 नवम्बर को पंतनगर में कृषक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कृषि सचिव डा एसएन पाण्डेय, सैनिक कल्याण सचिव दीपेन्द्र चौधरी, पंतनगर विवि के कुलपति डा मनमोहन सिंह, डीएम नैनीताल, डीएम उधमसिंहनगर आदि मौजूद रहे।

जल संरक्षण व नदी पुनर्जीवन की योजनाएं स्वीकृत

- सचिव जलागम दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। सचिव जलागम एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी, दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की चौथी बैठक आयोजित की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जल संरक्षण और नदी पुनर्जीवन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कुल 3 कार्य योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई, जिनकी कुल लागत रुपये 382.26 लाख है। स्वीकृत परियोजनाओं में जनपद नैनीताल एवं उधमसिंह नगर के लिए भू-गर्भीय जलभृत रिचार्ज की रुपये 207.56 लाख की कार्ययोजना शामिल है। इस अवसर पर बैठक में विभिन्न जनपदों से मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, सिंचाई, लघु सिंचाई, कृषि, ग्राम विकास विभागों के प्रतिनिधि ऑनलाइन माध्यम से जुड़े व सारा की टीम उपस्थित रही।

इसके अतिरिक्त, वर्षा आधारित नदियों के पुनर्जीवन के तहत, चमोली जनपद की चंद्रभागा नदी के लिए रुपये 174.70 लाख की परियोजना को भी हरी झंडी मिली। बैठक में जल संरक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश और निर्णय लिए गए, जिन पर तत्काल प्रभाव से कार्य करने पर बल दिया गया। प्रदेश की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित सभी जिलों के कार्यक्रमों का डॉक्यूमेंटेशन यथाशीघ्र प्रशासन को भेजने के निर्देश दिए। जल स्रोतों और नदी पुनर्जीवन से जुड़े सभी रेखीय विभागों को आपस में समन्वित रूप से कार्य करने पर विशेष बल दिया।

सचिव ने कहा कि जनपदीय स्तर पर सारा समितियों की बैठकें कर प्रस्तावों को आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जल संरक्षण कार्यों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा ग्राम पंचायत स्तर पर धारा-नौला संरक्षण समितियों का शीघ्र गठन किया जाए, जो स्थानीय स्तर पर निगरानी का कार्य करेंगी।

कहकशां नसीम ने दिया प्रजेंटेशन

देहरादून। राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की चौथी बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी कहकशां नसीम ने एक करोड़ से अधिक लागत की कार्य योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, कहा कि जनपदों से आने वाली कार्ययोजनाओं में सभी रेखीय विभाग मिलकर एक जलागम क्षेत्र के ऊपर कार्य करें जिससे उस जलागम क्षेत्र का सतत पुनर्जीवीकरण हो सके। बैठक में लिए गए निर्णयों से स्पष्ट है कि सरकार जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन और नदी पुनर्जीवन के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए अंतर-विभागीय समन्वय और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्राथमिकता दी जा रही है।

गोल्डन महाशिर को बचाने में जुटा यूजेवीएन

देहरादून। यूजेवीएन की और से उत्तराखंड में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन के लिए निरंतर किए जा रहे प्रयासों के तहत यमुना नदी पर स्थित व्यासी जल विद्युत परियोजना क्षेत्र में गोल्डन महाशिर हैचरी का सफल संचालन किया जा रहा है। यह पहल राज्य के जलीय पारिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम मानी जा रही है। गोल्डन महाशिर, जिसे हिमालयन महाशिर के नाम से भी जाना जाता है, उत्तराखंड की प्रमुख नदियों, गंगा, यमुना और कोसी, में पाई जाती है। यह मछली अब लुप्तप्राय श्रेणी में शामिल है। यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप सिंघल ने जानकारी दी कि इस प्रजाति के संरक्षण के लिए राज्य सरकार और निगम द्वारा संयुक्त रूप से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। व्यासी परियोजना क्षेत्र में स्थापित यह हैचरी इन्हीं प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह हैचरी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शीतल जल मत्स्य अनुसंधान निदेशालय, भीमताल के तकनीकी निर्देशन में स्थापित की गई है। अब तक इस हैचरी में लगभग 9,000 गोल्डन महाशिर मछलियों का उत्पादन किया जा चुका है। अप्रैल माह में इनमें से 3,000 मछलियों को प्रथम रैंचिंग के अंतर्गत व्यासी जलाशय में छोड़ा गया था। रैंचिंग प्रक्रिया के दौरान यूजेवीएन के उपमहाप्रबंधक धर्मेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता शांति प्रसाद भट्ट सहित निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। रैंचिंग एक ऐसी वैज्ञानिक तकनीक है, जिसके माध्यम से हैचरी में तैयार मछलियों को प्राकृतिक जलाशयों में छोड़कर उनके प्राकृतिक संवर्धन को प्रोत्साहित किया जाता है। यह तकनीक न केवल मत्स्य उत्पादन बढ़ाने में सहायक है, बल्कि जल पारिस्थितिकीय तंत्र को सुदृढ़ और संतुलित बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दून-टनकपुर एक्सप्रेस अब सप्ताह में तीन दिन चलेगी

उत्तराखंड को बड़ी सौगात, रेल मंत्री ने सीएम धामी को भेजा स्वीकृति पत्र

- मुख्यमंत्री ने किया था रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से अनुरोध, मिली मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। देहरादून-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस को अब सप्ताह में तीन दिन संचालित किए जाने की स्वीकृति दी गई है।

पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों पर देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15019/15020) की आवृत्ति बढ़ाने के प्रस्ताव को रेल मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि देहरादून-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस को अब सप्ताह में तीन दिन संचालित किए जाने की स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह निर्णय उत्तराखंड वासियों के लिए एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी सौगात है।

मुख्यमंत्री ने कुछ माह पूर्व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर देहरादून-टनकपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस की सेवा आवृत्ति बढ़ाने का अनुरोध किया था। इस पर रेल मंत्रालय ने विचार करते हुए ट्रेन की संचालन अवधि साप्ताहिक से बढ़ाकर त्रि-साप्ताहिक (तीन दिन प्रति सप्ताह) करने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी का हृदय से धन्यवाद, जिन्होंने उत्तराखंड वासियों की मांग को स्वीकार करते हुए देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस की आवृत्ति बढ़ाने की स्वीकृति दी है। यह निर्णय सीमांत कुमाऊं क्षेत्र के नागरिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकों और व्यवसायियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा...

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड

यह कदम उत्तराखंड के पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों को देश के अन्य भागों से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा तथा राज्य के पर्यटन और व्यापार को नई गति देगा।

उन्होंने कहा कि इस निर्णय से कुमाऊं और गढ़वाल के बीच संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी।

मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार उत्तराखंड को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर सहयोग कर रही है।

विकास योजनाओं के लिए सीएम ने दी 28.38 करोड़ की स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न जनपदों में जनहित एवं सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अनेक योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। देहरादून की दक्षिण शाखा के अंतर्गत झाझरा जाने वाले लक्ष्मण चौक क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सीवर लाइनों के प्रतिस्थापन, बैराज मेहलगांव चौक तक पुनर्निर्माण कार्य को 495.77 लाख की योजना को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। देहरादून की पिथूवाला शाखा के अंतर्गत श्रद्धा एन्क्लेव में सीवर लाइन परिवर्तन एवं संपूर्ण एन्क्लेव और प्रियदर्शिनी एन्क्लेव में एस.टी.पी. एवं नेटवर्क निर्माण कार्य को 243.14 लाख, नैनीताल के विकासखण्ड हल्द्वानी स्थित गौलापार क्षेत्र में इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (स्टेडियम) की सुरक्षा को बाढ़ सुरक्षा कार्य के लिए 1455.09 लाख स्वीकृत किया गया। इसके प्रथम चरण हेतु 40 प्रतिशत धनराशि 582.00 लाख (पांच करोड़ बयासी लाख मात्र) की धनराशि जारी करने की स्वीकृति भी मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई।

देवप्रयाग तहसील दिवस में डीएम ने सुनीं 63 शिकायतें

अधिकांश मामलों का मौके पर हुआ निस्तारण, जनसुनवाई में पेयजल, सड़क और विद्युत प्रमुख मुद्दे रहे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। तहसील सभागार देवप्रयाग में जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 63 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें सर्वाधिक शिकायतें पेयजल संकट से जुड़ी रहीं। जिला. धिकारी ने अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया और शेष मामलों के लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने तहसीलदार को निर्देश दिया कि तहसील दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों को जनसमर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज किया जाए ताकि पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की प्राथमिकता है,

इसलिए अधिकारियों को संवे. दनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान राज्य आंदोलनकारी विनोद टोडरिया ने मुनेठ कर्णा देवी–बदर गांव मोटर मार्ग लंबे समय से आपदा के कारण बंद होने की समस्या रखी। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए लोनिवि कीर्तिनगर के ईई का स्पष्टीकरण तलब किया और उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए। ग्राम बमाणा, पोस्ट ऑफिस खरसाड़ी, देवप्रयाग से आई लक्ष्मी देवी ने अपने दो अनाथ नाती–पोतों के भरण–पोषण के लिए सहायता की मांग की। जिलाधिकारी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीपीओ टिहरी और बीडीओ देवप्रयाग को वस्तुस्थिति की जांच कर डीएम विवेकाधीन कोष से बच्चों को कवर करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सदस्य पुष्पा रावत ने न्याय पंचायत दोबारी में पांच दिन से पानी न आने और फूंके हुए एटीएस की समस्या उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन और पेयजल विभाग से संबंधित शिकायतों की शीघ्र समीक्षा बैठक बुलाने की बात कही। उन्होंने फूंके एटीएस को दिसंबर तक दुरुस्त करने और तब तक वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वार्ड 01 के पार्षद राहुल कोठियाल ने तहसील के समीप वन भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की। जिलाधिकारी ने एसडीएम और डीएफओ को संयुक्त सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही उन्होंने जीएमवीएन के बंगले को चालू कराने और देवप्रयाग डाकघर में आधार कार्ड सेवा को सुलभ करने के लिए उच्च स्तर पर पत्र भेजने के निर्देश दिए। जोग्याणा वनगढ़ के पूर्णानंद रतूड़ी ने शिकायत की कि लोनिवि कीर्तिनगर द्वारा जोग्याणा बैंड से चामल गांव तक सड़क निर्माण में उनके फलदार वृक्ष और खेत क्षतिग्रस्त हुए हैं, लेकिन मुआवजा नहीं दिया गया। इस पर जिलाधिकारी ने लोनिवि, वन और राजस्व विभाग को संयुक्त निरीक्षण कर प्रभावित व्यक्ति को क्षतिपूर्ति देने के निर्देश दिए। देवप्रयाग जन अधिकार मोर्चा के संस्थापक गणेश भट्ट ने बाहरी राज्यों के लोगों के सत्यापन की डिजिटल प्रति ग्राम प्रधानों को उपलब्ध कराने और भल्लेगांव बाजार में आधार कार्ड से संबंधित शिविर आयोजित करने की मांग रखी। इस पर जिलाधिकारी ने सीओ नरेंद्रनगर और ईडीएम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को शीघ्र और प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ममता देवी, डीडीओ मो. असलम, एसडीएम देवप्रयाग नीलू चावला, जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कुंजापुरी मेले के दूसरे दिन खेलों की धूम

काबीना मंत्री गणेश जोशी ने किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। सिद्धपीठ श्री कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले के 49वें संस्करण के दूसरे दिन खेल प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें खेल भावना और सांस्कृतिक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। मेले के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने वन मंत्री सुबोध उनियाल की उपस्थिति में खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इस दौरान दोनों मंत्रियों का मेला समिति की ओर से पारंपरिक शाल, पहाड़ी टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। काबीना मंत्री गणेश जोशी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सौहार्द, अनुशासन और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का जरिया हैं। उन्होंने कहा कि युवा खेलों को कैरियर के रूप में अपनाकर राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। जोशी ने उपस्थित जनसमूह को मां कुंजापुरी के पावन आशीर्वाद की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह मेला न केवल सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, बल्कि लोक परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर और श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल के छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने आकर्षक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। उत्तराखंड पीएससी बैंड और अल्मोड़ा की छोलिया नृत्य टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से वातावरण को लोक रंगों से भर दिया। खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान विद्यालयों की टीमों ने मुख्य अतिथि के सम्मुख मार्च पास कर आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन भी किया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र विक्रम सिंह पंवार, ब्लॉक प्रमुख दीक्षा राणा, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र भंडारी, पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष वीर सिंह रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य सिद्धार्थ राणा, मंडल अध्यक्ष साकेत बिजल्वाण, मेला सचिव आशीष चंद्र घिल्डियाल, महेश गुसाईं सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश की भाजपा सरकार 'दिव्यांग': रावत

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने सरकार पर किए तीखे हमले

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रुद्रप्रयाग। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश सरकार की ओर से मंत्री मंडल का विस्तार न किये जाने पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि या तो सरकार के पास योग्य लोग नहीं है, या कोई और कारण है। अधूरे मंत्रीमंडल से चार साल निकल गए और अभी भी भी दूर–दूर तक मंत्री विस्तार होने की कोई संभावना नहीं दिखाई दे रही है। इसलिए यह सरकार दिव्यांग सरकार है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश पिछले महीनों में भीषण आपदाएं आई हैं। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आपदा का एक नियम है कि जहां लोगों की मौत हुई हैं वहां एक समय बाद पुष्ट जानकारी के अनुसार लापता लोगों को मृत घोषित कर दिया जाता है और परिजनों को समुचित मुआवजा एवं उनकी क्षतिपूर्ति करने का काम किया जाता है, लेकिन इस कार्य में भी सरकार विलम्ब कर रही है। आज राज्य के अंदर हालत यह है कि जहां आपदा आई वहां लोगों का खेती, मकान, दूकान, व्यवसाय सहित कई बड़ा नुकसान हुआ है। उन्हें पुर्नवासित करने की सरकार द्वारा कोई योजना नहीं बनाई है। उन परिवारों को कैसे पुर्नवासित करें, जीवन यापन के प्रति उन्हें खड़ा करने के कोई प्रयास नहीं किए गए

हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के दौरान आपदा में होटल, दुकान, गाड़ी, घर, मकान, घोड़ा–खच्चर, गाड़ी आदि से जुड़े लोगों को छह महीने के भीतर सहायता दी गई। आपदा प्रभावित व्यक्ति को अपने पैर पर खड़ा किया, लेकिन वर्तमान सरकार अभी तक आपदाग्रस्त परिवारों की सहायता नहीं कर पाई है।

सरकार ने महज जो आपदा के मानक है उसी के अनुसार मुआवजा और अहेतुक राशि दी है। कहा कि आपदा पीड़ितों के ऋण माफ किए जाने चाहिए। यदि माफ नहीं होता है तो उन्हें राहत देने के लिए बीच का रास्ता निकालना होगा। सरकार आपदा पीड़ितों के साथ खिलवाड़ कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं में सरकार पात्र लोगों को सब्सडी देने में कोताही कर रही है। सब्सीडी के नाम पर कमीशन लेने का काम किया जा रहा है। कहा कि प्रदेश भर में सड़कों और अस्पतालों की हालत दयनीय है। अस्पताल में डाक्टर नहीं है। शिक्षा की हालत सुधारने के प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर पद खाली पड़े हैं। आज 90 फीसदी प्रधानाचार्य के पद खाली पड़े हैं। हमारी सरकार के दौर में सौ फीसदी प्रधानाचार्य और प्रधानाध्यापक के पद भरे थे। जब प्रधानाचार्य ही नहीं है तो शिक्षा का हाल क्या होगा। स्वास्थ्य सेवाओं का हाल चौखुटिया जैसे हर जगह बने है। स्वास्थ्य सेवाओं में राज्य का एक एजेंडा बनाया जाना चाहिए। हमारी सरकार ने प्रदेश में सर्जिकल कैंप चलाए थे। स्वास्थ्य के क्षेत्र में धरातल पर काम करने की जरूरत है। प्रदेश भर में कानून व्यवस्था बदहाल है। कहा कि आने वाले समय के लिए कांग्रेस ने मुद्दे गढ़ लिए हैं, संगठन संघर्ष के साथ आगे बढ़ रहा है।

ब्राह्मण शब्द के सवाल पर हरीश रावत ने कहा कि जिसेसे यह बात आई है, उसे एक शब्द पकड़कर तूल दिया गया। आज देश और प्रदेश में एक असहशीलता का वातावरण है। विद्वेश बढ़ रहा है। संर्कीणताएं बढ़ रही हैं। तीन तत्व को लेकर मैंने बात कही थी। एक सनातन है, दूसरा उसका व्याख्याता ब्राह्मण और तीसरा कांग्रेस। यह तीनों एक तरीके की पहचान है, लेकिन किसी ने इन तीनों में से महज एक ही शब्द पकड़ कर अपनी बात रखी। कहा कि जब भी यह तीनों ने एक दूसरे को ताकत दी है भारत और समाज में विकास हुआ है और जब ये साथ नहीं हुए तो भारत पीछे हुआ है। यह तीनों एक दूसरे के पूरक है। सनातन मूल है। केदारनाथ सोना प्रकरण को लेकर हरीश रावत ने कहा कि इसने हमारी आध्यात्मिकता पर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा किया है। इसको लेकर कांग्रेस सदा आवाज उठाएगी। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुंवर सजवाण, आनंद सिंह रावत, प्रदीप थपलियाल, नपं अगस्त्यमुनि अध्यक्ष राजेंद्र गोस्वामी, गणेश तिवारी, नरेन्द्र सिंह बिष्ट, लक्ष्मण रावत, दीपक भंडारी, कमल रावत आदि मौजूद थे।

गौचर मेले को भव्य स्वरूप दिया जाएः डीएम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

चमोली। आगामी 73वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले की भव्य तैयारी को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी सभागार कक्ष में मेला अध्यक्ष/जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में द्वितीय बैठक आयोजित की गई। बैठक के

दौरान मेलाधिकारी/उपजिलाधिकारी कर्णप्रयाग सोहन सिंह रांगण ने मेले की तैयारियों की विस्तृत जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की। उन्होंने बताया विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी मेले को अधिक आकर्षक और सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु दुकानों के आवंटन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पार्किंग, सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न समितियों के माध्यम से योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने अधिकारियों को सभी तैयारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले दर्शकों और व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसके लिए पेयजल, शौचालय, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने दुकानों के आवंटन में पूर्ण पारदर्शिता अपनाने पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि किसी भी व्यापारी को अधिकतम दो दुकानें ही आवंटित की जाएँ। साथ ही प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण, महिलाओं की सुरक्षा और उनके लिए शौचालय की व्यवस्था, तथा मेले के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में जनप्रति. निधियों, व्यापार संघ पदाधिका. रियों और सामाजिक संगठनों ने मेले के आयोजन को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। स्थानीय व्यापारियों ने रियायती दर पर दुकान उपलब्ध कराने की मांग रखी। नवनियुक्त सभासदों ने कैरियर काउंसलिंग स्टॉल लगाने, बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर प्लास्टिक उपयोग पर नियंत्रण की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी दुकान आवंटन में प्राथमिकता देने की मांग उठाई। जिलाधिकारी ने सभी सुझावों पर सकारात्मक विचार सुनिश्चित करते हुए मेलाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष गौचर संदीप नेगी, मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी, जिला विकास अधिकारी केके पंत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, नगरपालिका गौचर के सभासद तथा स्थानीय व्यापारी उपस्थित रहे।

छात्रों को किया जागरूक

रुद्रप्रयाग। पुलिस विभाग के तत्वाधान में विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज बेलनी में जागरूकता पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों से दोपहिया वाहन चलाने में हेलमेट के प्रयोग करने के साथ ही यातायात नियमों के पालन करने की अपील की गई। साथ ही साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने की अपील भी की गम्र। पुलिस अधीक्षक अक्षय कोंडे ने जनपद के सभी थाना, शाखा व यातायात प्रभारियों को जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। उपनिरीक्षक यातायात कमल कुमार ने विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज बेलनी में जाकर यातायात नियमों का पालन करने व सड़क सुरक्षा के प्रावधानों की जानकारी दी। तथा उपस्थित छात्र–छात्राओ को यातायात के नियमों का पालन करने, दुपहिया वाहन चलाने में अनिवार्य रूप से हेलमेट का प्रयोग करने, नाबालिग वाहन का संचालन न करने, निर्धारित गति सीमा के अंदर ही गाड़ी चलाने की जानकारी दी। साथ ही सड़क दुर्घटना पीड़ित की मदद किए जाने के लिए गुड समेरिटर स्कीम की जानकारी भी दी। इसके अलावा साइबर अपराध जैसे–डिजिटल अरेस्ट, क्यूआर कोड स्कैम, ओटीपी स्कैम, अन्जान लिंक, फिशिंग आदि से बचने के उपाय के बारे में बताया।

रुद्रप्रयाग में धूमधाम से मनाया जाएगा इगास पर्व

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन में इस वर्ष जनपद में पारंपरिक लोक पर्व इगास (बग्वाल) पर्व बड़े उत्साह और सांस्कृतिक धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। पर्व आयोजन की विशेष तैयारियाँ जिला प्रशासन की देखरेख में की जा रही हैं। इगास पर्व का मुख्य आयोजन एक नवम्बर की सायं 6 बजे गुलाबराय मैदान में सामूहिक रूप से किया जाएगा। इस अवसर पर जनपद के सभी विभागों के अधिकारी–कर्मचारी, महिला मंगल दलों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं तथा स्थानीय नवयुवक दलों के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में सम्मिलित होंगे। मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत ने बताया कि इगास पर्व को सामूहिक रूप से मनाने का उद्देश्य स्थानीय लोक संस्कृति को बढ़ावा देना और पारंपरिक पर्वों के प्रति नई पीढ़ी में जागरूकता लाना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान सामूहिक भैलो का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरा मैदान इगास की रोशनी और उल्लास से जगमगाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय लोक कलाकारों, महिला मंगल दलों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, जागर गीत, झुमैलो नृत्य, और पारंपरिक ढोल–दमाऊं की थाप पर लोकनृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी।

आपदा के 7 साल बाद टिकोची के छात्रों को मिला नया स्कूल भवन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

उत्तरकाशी। विकास खंड मोरी के आराकोट–बंगाण क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव टिकोची में स्थित राईका टिकोची को सात साल बाद अपना नया भवन मिल गया है। पुरोला क्षेत्र के विधायक दुर्गेश्वर लाल ने विधिवत पूजा–अर्चना और हवन यज्ञ कर नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया है। इस दौरान विधायक ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता सुधार और सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विद्यालयों को बेहतर संसाधनों से सुसज्जित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि टिकोची जैसे दुर्गम क्षेत्रों में विद्यार्थियों को बेहतर भवन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। नव निर्मित भवन में 12 कमरे, एक विशाल हॉल, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और शौचालय की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

बता दें कि वर्ष 2019 की विनाशकारी आपदा में विद्यालय भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके बाद से विद्यालय टीन शेड में संचालित हो रहा था। अब नवीन भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह इंटर कालेज टिकोची, चिंवा, जागटा, किराणु, दुचाणु, बलावट, मौडा, डगोली, कलीच, माकुड़ी, झोटाडी और गोकुल सहित लगभग 13 गांवों का प्रमुख शैक्षणिक केंद्र है। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। विधायक ने विद्यालय के चारद. ीवारी एवं सुरक्षा दीवार निर्माण हेतु शासन से बजट स्वीकृति का प्रयास करने व विधायक निधि से विद्यालय में छात्र छात्राओं के बैठने के लिए फर्नीचर की घोषणा। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी पंकज कुमार, प्रधानाचार्य वालम सिंह तोमर, युद्धवीर सिंह रावत, विनोद सिंह रावत, राकेश उत्तराखंडी, मनमोहन चौहान, रमेश नौटियाल, सतीश चौहान, महेंद्र सिंह चौहान (सेवा. निवृत्त प्रधानाचार्य), प्रेम सिंह चौहान, हरिमोहन सिंह चौहान, मोहन सिंह चौहान, उमेन्द्र आष्टा, राजेंद्र नौटियाल, संजय रावत, तथा क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य, शिक्षक, अभिभावक एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राज्य आंदोलनकारियों की बैठक संपन्न

भटवाड़ी। राज्य आंदोलनकारियों ने मंगलवार को बैठक आयोजित की गई दो सूत्री मांगों पर चर्चा की गई है। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 6 नवंबर को देहरादून शहीद स्थल पर होने वाले धरना प्रदर्शन में सभी राज्य आंदोलनकारी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का निर्णय लिया गया है। दूसरी ओर एक समान पेंशन की मांग रखी है। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी के स्थान पर उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी का दर्जा दिए जाने की मांग पर चर्चा हुई और बैठक में निर्णय लिया गया कि 3 नवंबर को भटवाड़ी में एक रैली निकाली जाएगी, जिसमें इन मांगों को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा और सरकार से मांग की जाएगी कि उनकी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, जिसको लेकर राज्य आंदोलनकारियों के द्वारा तहस. ीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। बैठक में राज्य आंदोलनकारियों के ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत, सचिव मुकेश रतूड़ी, मोहन सिंह राणा, सुबेंद्र सिंह राणा, चंद्र सिंह पंवार, हिकमत लाल, लोकेश रावत आदि उपस्थित रहे।

2027 में हैट्रिक मारेगी भाजपाः घुनियाल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नई टिहरी। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं जड़ी–बूटी सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष बलवीर घुनियाल ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अभी से 2027 में भाजपा की तीसरी बार प्रचंड जीत सुनिश्चित करने के लिए जुट जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार न केवल अनुसूचित जाति बल्कि सर्व समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद बलवीर घुनियाल पहली बार जिला मुख्यालय टिहरी पहुंचे, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत और एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कोली ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और जिले में चल रही संगठनात्मक गति.

विधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन में प्रत्येक वर्ग को सम्मान और समान भागीदारी प्रदान की जा रही है, जो पार्टी की मजबूती का आधार है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष घुनियाल ने कहा कि भाजपा एक ऐसा संगठन है जहाँ समर्पित और ईमानदारी से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की सदैव कद्र होती है। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी को पद या सम्मान के लिए मांग करनी नहीं पड़ती, संगठन स्वयं मेहनती कार्यकर्ताओं को पहचानता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अनुसूचित जाति वर्ग भाजपा की रीढ़ की तरह पार्टी को मजबूती प्रदान कर रहा है, और इसी आधार पर भाजपा 2027 में फिर से उत्तराखंड में सरकार बनाएगी। घुनियाल ने बताया कि जड़ी–बूटी विभाग भी ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर स्वरोजगार से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें। कार्यक्रम के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद रतूड़ी, जिला महामंत्री जयेंद्र सेमवाल, बलवंत रावत, एससी मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री रविशंकर, पूर्व प्रमुख सुनीता देवी, सुनीता भुजवाण, प्रेम टम्टा, ओमप्रक. ाश भुजवाण, दिनेश भजनियाल, आलोक कुमार, मोहित शाह, हर्ष लाल शाह, जयपाल शाह, पंकज बरवाण, डा. प्रमोद उनियाल, मंडल अध्यक्ष विजय कठैत, रमेश रतूड़ी, परमवीर पंवार और प्रभाकर भट्ट सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हेमकुंड और औली रोपवे को लेकर डीएम ने ली समीक्षा बैठक

शाह टाइम्स संवाद्दाता

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मंगलवार को हेमकुंड साहिब की प्रस्तावित रोपवे परियोजना और औली रोपवे के सुधारीकरण की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने रोपवे कार्यों को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। जिस पर उन्होंने पर्यटन विभाग को निर्माण कार्यों के लिए प्रस्तावित भूमि के चयन और हस्तांतरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक के दौरान पर्यटन अधिकारी व रोपवे निर्माण व सुधारीकरण से जुड़ी ऐजेंसी के अधिकारियों को समंवय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने हेमकुंड साहिब रोपवे के निर्माण और औली रोपवे के सुधारीकरण को लेकर सर्वेक्षण कर निजी भूमि, राजस्व भूमि और वन भूमि का चिन्हिकरण कर अधिग्रहण अथवा हस्तांतरण की प्रक्रिया को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। ताकि परियोजनाओं का निर्माण समय पर सुगमता से किया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया कि हेमकुंड साहिब रोपवे निर्माण कार्य हेतु कमेटी का गठन किया गया है। योजना में जहां पांडुकेश्वर, पुलना और भ्यूंडार गांव प्रभावित श्रेणी में हैं। वहीं योजना के निर्माण में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान की भूमि का भी उपयोग किया जाएगा। वहीं औली रोपवे निर्माण को लेकर भी ब्रिडकुल की ओर से डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई है। इस मौके पर आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी और पर्यटन विभाग की ओर से नरेंद्र बैरवाल आदि मौजूद थे। जबकि उप जिलाधिकारी जोशीमठ चंद्रशेखर वशिष्ठ और अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

गड्ढामुक्त हुए जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग

जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में 31 अक्टूबर तक पूर्ण होंगे शेष कार्य

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देशन में राष्ट्रीय राजमार्ग खण्ड में मानसून के उपरांत चिन्हित पैंच मरम्मत कार्य तेजी से संपन्न किए गए। लोनिवि राष्ट्रीय राजमार्ग खण्ड के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडे ने बताया कि इस खण्ड के अंतर्गत कुल 80 किलोमीटर पैंच मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें जनपद के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 7 में 5 किलोमीटर, राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 107 (पुराना 109) में 28 किलोमीटर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 107 पर 10 किलोमीटर क्षेत्र को गड्ढामुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि लगातार वर्षा और जलभराव के कारण कुछ स्थानों पर पुनः गड्ढे उत्पन्न हो गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विजयनगर गधेरा,

पुराना देवल, गंगानगर तथा काकड़ागाड़ वाइन शॉप के निकटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं। पुराना देवल में पैंच मरम्मत मंगलवार को की जा चुकी है तथा शेष स्थलों पर पैंच मरम्मत का कार्य 31 अक्टूबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। काकड़ागाड़ स्लाइडिंग तथा तरसाली स्लाइडिंग का अनुरक्षण कार्य अनुरक्षण निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ की ओर से किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 107 के किमी 18.700 से 21.850 तक अनुबंध गठित है, जिसमें विजयनगर गधेरा के पास कलवर्ट निर्माण प्रस्तावित है। जलभराव के कारण इन क्षेत्रों में पैंच अस्थायी रूप से टिक नहीं पा रहे हैं, जिन्हें पानी सूखने के उपरांत पुनः कराया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 107 के किमी 22 गंगानगर क्षेत्र में पूर्व अलाइनमेंट में दीवार निर्माण प्रस्तावित है। वर्तमान में यातायात किराए की भूमि पर सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। अन्य स्थानों पर जहां धंसाव हुआ है, वहां अस्थायी रूप से उपचार कर यातायात सुचारु रखा गया है। स्थायी उपचार को लेकर प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से राष्ट्रीय राजमार्गों को पूर्ण रूप से गड्ढामुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

छात्र–छात्राओं ने सीखे जापानी लजीज व्यंजन बनाने के गुर

शाह टाइम्स संवाद्दाता

कोटद्वार। इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज कालेज कोटद्वार में परंपरागत जापानी व्यंजन बनाने की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें होटल मैनेजमेंट कोर्स के छात्रों को पांच सितारा होटल में बनाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के लजीज जापानी व्यंजन बनाने के गुर सिखाए गए। बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के सभागार में आयोजित कार्यशाला का कालेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कालेज में आईटी, मैनेजमेंट कोर्स के अलावा होटल मैनेजमेंट के दो कोर्स एक वर्षीय सीएचएम और तीन वर्षीय डिग्री कोर्स बीएचएम संचालित किया जाता है। कालेज में होटल मैनेजमेंट कोर्स के छात्र छात्राओं को देश–विदेश के पांच सितारा होटल में नौकरी के लिए तैयार किया जाता है। उसी के तहत विभिन्न देशों के व्यंजन तैयार करना भी सिखाया जाता है। कार्यशाला में गुरुग्राम के पांच सितारा होटल में कार्यरत जापानी किचन संभाल रहे सीनियर शैफ देवेंद्र रावत ने छात्र छात्राओं को जापानी व्यंजन पैन केक ऑकोनोमाइकी, एलीटैंपुरा रोल, ऐसपेगेरस रोल, कप्पा माकी, पार्टी रोल, वैज क्वालीफलावर रोल, स्पाइसी अवाकाडो रोल बनाने के गुर सिखाए। इस अवसर पर कालेज के निदेशक प्रबंधन ले. कर्नल बीएस गुसाईं सेनि, प्राचार्य डा. अश्वनी शर्मा, पीआरओ नरेश थपलियाल, होटल मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष असिस्टेंट प्रोफेसर वीरेंद्र आर्य, गरुदीप सिंह, अंकित कुक. रेती, वेद प्रकाश, अखिल कुमार, राहुल गुसाईं, वंदना नेगी आदि मौजूद रहे।

आढ़त बाजार: तीन नवंबर से प्रभावित भू-स्वामियों की रजिस्ट्री प्रक्रिया होगी शुरू

एमडीडीए की बड़ी पहल: भू-स्वामियों के आवंटन व भुगतान की राह आसान

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की ओर से आढ़त बाजार पुनर्विकास परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मंगलवार को प्राधिकरण सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सचिव मोहन सिंह बर्निया ने की, जिसमें विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

बैठक में सबसे पहले लेखपाल नजीर अहमद ने आढ़त बाजार के निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति से सचिव को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण स्तर पर अधिकांश कार्य पहले ही पूरे किए जा चुके हैं और शेष कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जा रहा है। सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि आढ़त बाजार पुनर्विकास परियोजना शहर के पुराने व्यापारिक ढांचे को नया जीवन देने की दिशा में एक ठोस कदम है। हमारा प्रयास है कि सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरे हों, ताकि व्यापारियों व आमजन को शीघ्र ही इसका लाभ मिल सके।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जिन भू-स्वामियों की पत्रावलियाँ किसी न्यायिक प्रक्रिया या वाद-विवाद में लंबित नहीं हैं, और जिनका स्वामित्व विधिवत सिद्ध हो चुका है, उन्हें शीघ्र ही भू-खण्ड आवंटन एवं धनराशि वितरण की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

सचिव मोहन सिंह बर्निया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 3 नवंबर से रजिस्ट्री कार्य प्रारंभ किया जाए। इसके तहत पात्र भू-स्वामियों की रजिस्ट्री समयबद्ध रूप से पूरी की जाएगी, जिससे परियोजना के अगले चरणों को गति मिल सके। बैठक में संयुक्त सचिव गौरव चटवाल, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, टीम-ए के सहायक अभियंता राजेन्द्र बहुगुणा, टीम-बी के सहायक अभियंता निशांत कुक. रेती अपनी टीम के सदस्यों के साथ उपस्थित रहे।

स्वयं ध्वस्तीकरण का शपथ पत्र अनिवार्य

बैठक में निर्णय हुआ कि रजिस्ट्री से पूर्व प्रत्येक भू-स्वामी से एक शपथ पत्र (एफिडेविट) लिया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख होगा कि रजिस्ट्री की तिथि से 15 दिनों के भीतर वे अपने प्रभावित निर्माणों को स्वयं ध्वस्त करेंगे। यदि निर्धारित अवधि में ऐसा नहीं किया जाता, तो एमडीडीए, पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेंगे। इस प्रक्रिया में भू-स्वामी को किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

परंपरा के संग आधुनिकता का संगम बनेगा आढ़त बाजार: बर्निया

सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि परियोजना का उद्देश्य केवल भौतिक ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि पुराने व्यापारिक क्षेत्र को नई ऊर्जा और पहचान देना है। हम देहरादून के केंद्र में एक ऐसा आधुनिक बाजार विकसित कर रहे हैं जो स्थानीय पहचान को बनाए रखते हुए सुविधाजनक, स्वच्छ और सुव्यवस्थित हो। एमडीडीए के अनुसार, इस परियोजना को पारदर्शिता, जनसुविधा और समयबद्ध क्रियान्वयन की भावना से आगे बढ़ाया जा रहा है ताकि शहर का यह ऐतिहासिक क्षेत्र नई पहचान के साथ पुनर्जीवित हो सके।

एमडीडीए का लक्ष्य, परियोजना राज्य की सर्वश्रेष्ठ शहरी पुनर्विकास मॉडल के रूप में स्थापित हो- तिवारी

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने इस पहल को देहरादून के विकास का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने कहा आढ़त बाजार पुनर्विकास परियोजना शहर के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ व्यापारिक ढांचे को नई दिशा देगी। यह एमडीडीए की प्राथमिकता है कि विकास कार्यों में किसी भी नागरिक को असुविधा न हो और सभी प्रक्रियाएं न्यायसंगत ढंग से पूरी हों। उन्होंने यह भी कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य है कि यह परियोजना राज्य की सर्वश्रेष्ठ शहरी पुनर्विकास मॉडल के रूप में स्थापित हो।

पटेल की 150वीं जयंती पर सभी थाना क्षेत्रों में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता।

देहरादून। पुलिस मुख्यालय द्वारा दिये गये निर्देशों के बाद एसएसपी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सभी अधीनस्थों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश दिए गए थे जिसके बाद जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय एकता, साइबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से थाना क्षेत्रों के समीपवर्ती विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एंव आमजन को पुलिस कार्यप्रणाली, एफआईआर पंजीकरण की प्रक्रिया, साइबर अपराधों से बचाव, महिला सुरक्षा एवं हेल्पलाइन नंबरों आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान किये जाने हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 112 (आपातकालीन सहायता), 1090 (महिला हेल्पलाइन), 1930 (साइबर अपराध सहायता केंद्र), 1078 (बाल सहायता हेल्पलाइन), 181 (महिला सशक्तिकरण हेल्पलाइन) की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओ के साथ शैक्षणिक संवाद एवं प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया जिसमें छात्र-छात्राओ द्वारा साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी एवं सोशल मीडिया सुरक्षा से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनका कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस कर्मियों द्वारा उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया, साथ ही कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पुलिस पोर्टलो की अन्य डिजिटल सेवाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

एक नजर

शिविर में 278 लोगों का पंजीकरण

चकराता। समाज कल्याण विभाग द्वारा ब्लॉक चकराता के कोटी कनासर क्षेत्र में आयोजित बहुउद्देशीय शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रमुख भूमिका निभाते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में कुल 278 लोगों का पंजीकरण किया गया, जिनमें से 142 व्यक्तियों की बीपी एवं शुगर जांच, 15 की पैथोलॉजी जांच (खून व बलगम), 13 लोगों की मानसिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, 59 की नेत्र जांच तथा 113 मरीजों की हड्डी रोग विशेषज्ञ द्वारा जांच की गई। इसके अतिरिक्त 56 आयुष्मान कार्ड बनाए गए और 10 बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। विकलांगजन कल्याण के तहत 33 पात्र व्यक्तियों को दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता के चिकित्सा अधीक्षक विक्रम सिंह तोमर द्वारा वितरित किया गया। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. अरविंद राणा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. महेंद्र सिंह राय, जनरल फिजिशियन डा. कार्तिकेय चौहान, ईएनटी विशेषज्ञ डा. पल्लवी, फार्मासिस्ट संदीप सिंह (कोटी कनासर), ब्लॉक समन्वयक महावीर सिंह राणा, आरकेएसके काउंसलर बलबीर सिंह रावत, पंकज राणा, क्षेत्र की एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आशा फैसिलिटेटर रहे।

नशे के खिलाफ नवप्रभात पहुंचे सीजेएम कंपाउंड

विकासनगर। ड्रग्स के खिलाफ चल रहे आंदोलन में मंगलवार को पूर्व मंत्री सीजेएम कोर्ट कंपाउंड पहुंचकर अधिवक्ताओं से अपील की इस आंदोलन को सही मुकाम पर पहुंचने का कार्य आप सभी मिलकर करें। जिससे कि इस क्षेत्र में फैल रहे इस व्यापार पर अंकुश लगाया जा सके। क्योंकि पुलिस प्रशासन ड्रग्स के बड़े माफिया को पकड़ नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा शीघ्र ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर जाकर लोगों से बातचीत की जाएगी जिससे कि इस चैन को तोड़ा जा सके। इस मौके पर बार काउंसिल उत्तराखंड के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र मित्तल, बार एसोसिएशन विकासनगर के अध्यक्ष मनोज शर्मा, डिंपल सिंह, श्रवण ओझा, सरुराज खान, अधिवक्ता मनोज शर्मा, प्रदेश सचिव विकास शर्मा, पीसीसी मेंबर संजय जैन, ब्लॉक अध्यक्ष अभिनव ठाकुर, हरबर्टपुर अध्यक्ष आशीष पुंडीर, एडवोकेट अमित वालिया, नीरज रोहिल्ला, राकेश राठौर, हर्ष गुणांक, सुनील, विजय ठाकुर, सरदार बलजीत सिंह, सोनू सलमानी आदि उपस्थित रहे।

छठ पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

विकासनगर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज बाबूगढ़ विकासनगर में भगिनी निवेदिता जयंती तथा छठ पर्व का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट, छत्रपाल सिंह, रेखा रानी, गीता देवी तथा छात्र छात्राओं के द्वारा मां सरस्वती व भगिनी निवेदिता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर किया गया। विद्यालय की छात्राओं इशिका मदान, साबिया तथा आचार्या बिनू राघव ने भगिनी निवेदिता के जीवन पर प्रकाश डाला तथा बताया कि वे भारतीय कला के पुनरुद्धार को राष्ट्रीय पुन: निर्माण का अभिन्न हिस्सा मानने वाली एक विचारक थीं। विद्यालय के प्रधानाचार्य कलीराम भट्ट ने सभी को आस्था, पवित्रता तथा सूर्य उपासना के महा पर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ पर्व पर लोग भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत का पालन करने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

दो लाख दस हजार रुपये की पकड़ी हेरोईन

सहसपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून महोदय द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान के तहत सभी कोतवाली सहसपुर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत मंगलवार को चैकिंग के दौरान सभावाला क्षेत्र से एक व्यक्ति समीर पुत्र जाहिद हसन निवासी ग्राम माजरी थाना सहसपुर को 7.03 ग्राम अवैध स्मैक (हेरोईन) के साथ गिरफ्तार किया गया है। जिसके द्वारा पुछताछ पर बताया की वह स्मैक हेरोईन फूल हसन पुत्र नजरूद्दीन निवासी माजरी सभावाला थाना सहसपुर नाम के आदमी से खरीदकर लाया था। आरोपी के विरुद्ध थाना सहसपुर पर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में पहले से ही तीन मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस टीम में एसआई विजय थपलियाल, अ.उ.नि. प्रमोद काला, सिपाही सन्दीप कुमार, सचिन कुमार शामिल रहे। वहीं दूसरी ओर सहसपुर पुलिस ने एक व्यक्ति इस्तियाक पुत्र शहीद हसन निवासी रामपुर कला थाना सहसपुर को 6.35 ग्राम हेरोईन के साथ गिरफ्तार किया।

मोरी घास काटते पेड़ से गिरा व्यक्ति

उत्तरकाशी। तहसील मोरी अन्तर्गत ग्राम जखोल के एक व्यक्ति पेड़ से गिर गया जिससे गंभीर हालत में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के हेलीकॉप्टर से देहरादून पहुंचाया गया है। घटना मंगलवार सुबह 8 की है जब रणदेव सिंह पुत्र चतर सिंह, उम्र 33 वर्ष, निवासी-ग्राम जखोल, जखोल से करीब तीन किलोमीटर पैदल दूरी पर स्थान गानकुपड़ा नामे तोक में पेड़ में घास लगाते समय अचानक गिरने से गम्भीर घायल हुआ है। ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक दुग्धेश्वर लाल को घटना की जानकारी दी। विधायक ने तत्काल जिलाधिकारी उत्तरकाशी से वार्ता कर मरीज की हालत को देखते हुए तत्काल आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत हैलीकॉप्टर मांग । इधर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण उत्तरकाशी ने हैलीकॉप्टर के माध्यम से 12:43 बजे पर सहस्त्रधारा हैलीपैड में पहुॅचाया गया, सहस्त्रधारा हैलीपैंड से एम्बुलेंस के माध्यम से घायल व्यक्ति को दून अस्पताल में पहुॅचाया गया।

भाजपा का यमुनोत्री विस में जनसंपर्क अभियान का आगाज

जनता के आशीर्वाद से यमुनोत्री देश की श्रेष्ठ विस क्षेत्रों मे होगी शुमार: चौहान

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। भाजपा ने विस चुनाव 2027 की तैयारियों को यमुनोत्री क्षेत्र में जन संपर्क अभियान की शुरुआत कर दी है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने जमदग्नि आश्रम थान और मां रेणुका सरनौल से आशीर्वाद लेकर विधानसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। इस दौरान मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने सरनौल में मां रेणुका मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। सरूताल, सुतूडी बुग्याल से इस क्षेत्र में पर्यटन उद्योग को नये पंख लगें हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष ग्रामीणों का एक शिष्टमंडल उनके साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिला था। सब के निवेदन पर सरकार ने गत वर्ष सरूताल, सूतूडी बुग्याल को ट्रैक ऑफ द ईयर घोषित किया था। परिणाम स्वरूप सरूताल के विकास के लिए करीब 65 लाख की धनराशि स्वीकृत हुए जिसमें निविदाएं भी आमंत्रित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष विधानसभा के चुनाव है यदि जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद देती है तो निश्चित तौर पर यमुनोत्री विधानसभा को देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभा के रूप में बनेगी। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि यमुनोत्री को पृथक जनपद बनाकर एक आदर्श विधानसभा बनाना है। उन्होंने कहा कि यमुनोत्री विधानसभा सभा में भाजपा सरकार द्वारा विकास के दर्जनों कार्य किया है।

उनके द्वारा अभी तक सरनौल सड़क, शिक्षा के क्षेत्र में हाईस्कूल का उच्चीरण, या अन्य मामलों मे हर संभव बिना पद में रहते प्रयास कर किया है। उन्होंने कहा यदि जनता का आशीर्वाद प्राप्त होता है तो निश्चित तौर पर इम्यूनिटी विधानसभा में विकास की गंगा बहेगी। इससे पूर्व श्री चौहान ने गंगटाडी में राजा रघुनाथ मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनका ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया है। वहीं सरनौल गांव में ढोल बाजे के साथ ग्रामीणों ने फूल मालाओं से गर्म जोश के साथ स्वागत किया। इस दौरान ग्राम प्रधान बलेंद सिंह रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य आचार्य मनोज सेमवाल, ज्योतिष आचार्य शक्ति प्रसाद सेमवाल, बलवीर सिंह राणा, जयेंद्र सिंह राणा आदि ने मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान समेत भाजपा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत किया है। भाजपा महा मंत्री परशुराम जगूडी, मंडल अध्यक्ष कालिंदी प्रवीण असवाल, जय प्रकाश, अतोल रावत, भरत सिंह रावत, जशोदा राणा, कृष्णा राणा, चिन्यालीसौड़ नगर मंडल अध्यक्ष मनीष कुकरेती, डा. विजय बडोनी समेत पार्टी पदाधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे है। मंच का संचालन जय प्रकाश रावत एवं तरवीण राणा किया है।

विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर नागरिक का योगदान जरूरी: रेखा आर्या

देहरादून। भारत को विकसित देश बनाने के लिए हर नागरिक के स्तर से प्रयास जरूरी है। यह हम सब का सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए। यह बात महिला सशक्तिकरण बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को देहरादून के एक होटल में आयोजित सम्मान समारोह में कही। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले अचीवर्स को सम्मानित किया गया। रेखा आर्या ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने के लिए हम सभी को अपने-अपने क्षेत्रों में पूरी निष्ठा और कर्मठता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि केवल व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं, बल्कि संस्थागत एवं सामूहिक उपलब्धियां भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी। इस दिशा में महिलाओं और युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। रेखा आर्या ने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण और बाल विकास के लिए नई योजनाएं चला रही है।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने अपने आवास पर किया पूर्व सांसद बृजभूषण का स्वागत

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखण्ड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को देहरादून स्थित अपने आवास पर पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का स्वागत किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोशी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और उनके साथ विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने सम्मान स्वरूप श्रीगणेश की मूर्ति भेंट की। कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि बृजभूषण सिंह का अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने प्रदेश के विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर निरंतर मार्गदर्शन देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री जोशी की धर्मपत्नी निर्मला जोशी, भाजपा के प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, मंडल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, प्रदीप रावत, विष्णु गुप्ता, ज्योति कोटिया, निरंजन डोभाल, डा. बबीता सहोत्रा, कमली भट्ट, सुरेन्द्र राणा, समीर डोभाल, सिकंदर सिंह सहित मंडल महामंत्रियों और पार्षदों ने भी पूर्व सांसद का स्वागत किया।

जुगरान ने आंदोलनरत बागवानों से समस्या की जानकारी ली

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा नेता रवीन्द्र जुगरान ने बागवान न्याय यात्रा के बागवानों से एकता विहार धरना-प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर आंदोलनरत बागवानों से उनकी समस्या की जानकारी ली व उन्हें आश्वस्त किया की उनकी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर समाधान करायेंगे।

रवीन्द्र जुगरान को बागवानों ने बताया कि एप्पल मिशन योजना के अंतर्गत उद्यान विभाग को बागवानो की लगभग 04 वर्षो की अनुदान/प्रोत्साहन राशी का भुगतान करना है जिसकी राशि लगभग 58 करोड़ देय है और इसीलिए उत्तराखण्ड पर्वतीय क्षेत्र के बागवान इस राशि के भुगतान के लिए आंदोलित हैं। रवीन्द्र जुगरान ने बागवानों को आश्वस्त किया कि उद्यानिकी बागवानी तो उत्तराखण्ड की लाइफलाइन है और एप्पल मिशन योजना उद्यानिकी व बागवानी को प्रोत्साहित करने के लिए ही प्रारंभ की गयी थी, जिससे पर्वतीय क्षेत्र के बागवानों को आत्मनिर्भर व सम्पन्न बनाया जाए ।पर्यावरण के साथ संतुलन साध कर विकास की गति को बढ़ाया जाए।

सीओ ने किया निरीक्षण

लैंसडाउन। क्षेत्राधिकारी कोटद्वार निहानिका सेमवाल द्वारा मंगलवार को कोतवाली लैंसडाउन का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीओ द्वारा सर्वप्रथम थाना परिसर का विस्तृत भ्रमण करते हुए समस्त व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान थाना कार्यालय, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात, बैरक, मेस, कम्प्यूटर कक्ष, सीसीटीएनएस प्रणाली एवं सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का परीक्षण किया गया। सीओ ने सभी अभिलेखों, अभ्यावेदन, वर्दी अनुशासन तथा साफ-सफाई की स्थिति की भी समीक्षा की गई साथ ही थाना पर लंबित मुकदमाती वाहनों के शीघ्र निस्तारण, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण एवं उपकरणों के सक्रिय रख-रखाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

डीएम ने अनाथ बच्चों के पालन-पोषण के लिए दिए तत्काल निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। तहसील सभागार देवप्रयाग में जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम बमाणा, पोस्ट ऑफिस खरसाड़ी, देवप्रयाग से आई लक्ष्मी देवी ने जिलाधिकारी को बताया कि उनके दो नाती-पोते हैं, जिनके माता-पिता का देहांत हो चुका है। लक्ष्मी देवी ने कहा कि उनकी उम्र अब 65 वर्ष हो चुकी है और सीमित संसाधनों के कारण उन अनाथ बच्चों के भरण-पोषण में कठिनाइयाँ आ रही हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से बच्चों की देखभाल और पालन-पोषण के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने इस संवेदनशील प्रकरण को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) टिहरी और खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) देवप्रयाग को मौके की वस्तुस्थिति की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को डीएम विवेकाधीन कोष के अंतर्गत सहायता राशि प्रदान की जाएगी, ताकि उनके जीवन-यापन और शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण कर बच्चों को लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए।

छठ: मंगल कामना का मांगा आशीर्वाद

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। चार दिवसीय आस्था का प्रतीक छठ महापर्व की शुरूआत शनिवार को नहाय खाय से शुरू हुई, आज अंतिम दिन मंगलवार को श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को प्रणाम कर जल चढ़ाया और पूजा-अर्चनाकर मंगल कामना का आशीर्वाद मांगा। सूर्योपासना का यह अनुपम लोकपर्व मुख्य रूप से पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों के साथ ही अब पछवादून के विकासनगर में भी धूमधाम से मनाया जाता है। पर्व पर विशेषकर सूर्य देव की उपासना की जाती है। छठ या षष्ठी पूजा कार्तिक शुक्ल पक्ष को मनाया जाने वाला एक हिन्दू पर्व है। पर्व पर छठ व्रतियां निर्जला उपवास रखती है। आज अन्तिम दिन सैकड़ों वर्तधारी महिलाओं ने हाथों में ठेकुआ, सजे हुए फलों के साथ कालसूप लेकर सुबह उगते सूर्य को प्रणाम कर अर्ध्य चढ़ाया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। अर्ध्य देने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बताया कि चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व को छठ पूजा, डाला छठ, छठी माई, छठ माई, सूर्य षष्ठी पूजा आदि अनेको नामों से जाना जाता है। छठ पूजा के लिये विकासनगर क्षेत्र भीमावाला स्थित गंगभेवा बावड़ी को विशेष तैयारी के साथ सजाया गया है। जहा। क्षेत्र की सैकड़ों वर्तधारियों ने तडके सुबह लगभग तीन बजे से पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्ध्य दिया। अभिषेक गुप्ता, मीरा, रागिनी गुप्ता, अमन गुप्ता, सुरूति गुप्ता, उत्तम शर्मा, विकास, आकाश गुप्ता, राधिका आदि ने बताया कि छठ पर्व पवित्रता और आस्था का प्रतीक है। यह पर्व लोकगीतों से लोक जीवन में मिठास घोलता है।

महिला के पर्स चोरी होने का दून पुलिस ने किया खुलासा, एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सोमवार को रानी पोखरी थाने पर अभियोग पंजीकृत करते हुए एक व्यक्ति ने जानकारी दी थी वह अपने पुत्र की शादी की खरीदारी के लिए देहरादून के पलटन बाजार में आया था की इसी दौरान ऑटो चालक ने नोटों से भरा उसका बैग चोरी कर लिया था मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस ने ऑटो चालक की तलाश कर उसे अपनी गिरफ्त में लेते हुए चोरी किया गया बैग बरामद कर लिया।

बीरेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री पंचम लाल निवासी ग्राम घमण्डपुर, थाना रानीपोखरी, द्वारा थाना रानीपोखरी पर मुकदमा दर्ज कराया कि वह बेटे की शादी की खरीदारी हेतु वे पलटन बाजार देहरादून गए थे। खरीदारी के उपरांत अपने घर लौटने के लिए उनके द्वारा रैपीडो एप के माध्यम से ऑटो को बुक किया गया। ऑटो से घर पहुँचने के उपरांत रैपीडो ऑटो चालक ऋतिक शर्मा द्वारा उनके खरीदारी के सामान को ऑटो से नीचे उतारकर घर के अंदर तक रखवाया। इस दौरान ऑटो चालक द्वारा सामान की ऑटो में देखभाल करने की बात कही गयी, जिस पर वादी और उनकी पत्नी सामान को अंदर रखने लगे। पीड़ित ने बताया कि इस दौरान मौका पाकर ऑटो चालक द्वारा ऑटो में रखे वादी की पत्नी के पर्स से 15000 निकाल लिए, पीड़ित द्वारा ऑटो चालक से पर्स में रखे पैसों के संबंध में जानकारी की गई तो उसके द्वारा जल्दी में होने तथा किराये का पैसा बाद में लेने की बात कही गयी तथा ऑटो सहित मौके से फरार हो गया। ऑटो चालक द्वारा नोटों से भरा उसका बैग चोरी कर लिए जाने की जानकारी के बाद पीढ़ी द्वारा पुलिस को सूचना दिए जाने के तत्काल बाद पुलिसकर्मी ने उसकी खोजबीन करते हुए उसे अपनी हिरासत में ले लिया। थाने लाकर ऑटो चालक पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम रितिक शर्मा के संजय निवासी खत्री मोहल्ला सहारनपुर चौक कोतवाली नगर देहरादून बताएं। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाईस थानाध्यक्ष रानीपोखरी वीके चौधरी ने जानकारी देते हुए बताएं पकड़े गए ऑटो चालक को संबंधित न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे पुलिस हिरासत में जेल भेज दिया गया।

महरावना में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

विभाग ने टीकाराम जोशी के भवन पर मारा छापा, छापे में देवदार चिरान प्रकाष्ठ के 75 नग किए बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। चकराता वन प्रभाग की टीम ने ग्राम महरावना में अवैध रूप से पेड़ों के पातन और लकड़ी के भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। प्रभागीय वनाधिकारी, चकराता के निर्देश पर यह छापा उप प्रभागीय वनाधिकारी कालसी राजीव नयन नौटियाल के नेतृत्व में किया गया। वन विभाग की टीम ने महरावना के संरक्षित वन क्षेत्र में दबिश देकर 20 नग अवैध देवदार चिरान प्रकाष्ठ बरामद किए, जबकि मौके पर देवदार, कैल और बांज प्रजाति के 8 पेड़ों के ठूंठ (मुण्डे) पाए गए। जांच के दौरान महरावना निवासी सचिन जोशी पुत्र तिलकराम जोशी, बबलू पुत्र नामालूम, राहुल और अंकित के नाम सामने आए हैं। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर टीम ने टीकाराम जोशी के भवन पर भी छापा मारा, जहाँ देवदार की लकड़ी का अवैध भंडारण और बिना अनुमति के संचालित आरा मशीन (काष्ठ उद्योग) पाया गया। छापे में देवदार चिरान प्रकाष्ठ के 75 नग, कुल 6.586 घन मीटर लकड़ी बरामद की गई। संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर प्रस्तुत नहीं किए गए। बरामद लकड़ी को जब्त कर रेंज कार्यालय डाकपत्थर में जमा कराया गया है, जहाँ इसकी जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि अवैध पातन सिविल भूमि से किया गया था। अभियुक्तों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, 1927 (उत्तरांचल संशोधन 2001) की धारा 26(च), 33, 41 एवं 42 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, सरकारी संपत्ति की चोरी के आरोप में पुलिस को भी कार्रवाई हेतु पत्र भेजा गया है। वन विभाग की टीम फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। टीम द्वारा संरक्षित वन क्षेत्र में आगे भी कम्बिंग अभियान चलाया जाएगा, ताकि इस प्रकरण से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी विधिक कार्रवाई की जा सके। इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी, चकराता ने स्थानीय जनता से अपील की है कि वन एवं वन्यजीव संरक्षण में विभाग का सहयोग करें। यदि कहीं भी अवैध पातन या शिकार जैसी गतिविधि दिखाई दे, तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें। कार्रवाई में सम्मिलित अधिकारी एवं कर्मचारी उप प्रभागीय वनाधिकारी राजीव नयन नौटियाल, वन क्षेत्राधिकारी विजय सिंह नेगी (रीवर रेंज), वन दरोगा जिसन लाल भारती, कमल नयन जखमोला, अतर सिंह, वन बीट अधिकारी नीरज भंडारी, मुकेश कुमार, हरक बहादुर थापा, तथा कनासर रेंज के रेंजर एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

डीएम और एसएसपी ने राष्ट्रपति के प्रस्तावित पतंजलि विवि के दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में 2 नवम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संभावित दौरे को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने प्रशासनिक अमले के साथ विवि पहुंचकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम और एसएसपी ने हैलीपेड के पास लगे लाइटिंग पोल्स पर फ्लैग्स लगाने, हैली लैंडिंग हेतु सुरक्षात्मक दृष्टि से सभी आवश्यक कार्य समय से पूर्ण करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु सभी व्यवस्थाएं चौक करते तथा बैक-अप प्लान का भी गहनता से परीक्षण करने के निर्देश अधिशासी अभियन्ता विद्युत को दिये। उन्होंने सेफ हाउस, वीवीआईपी के रूकने हेतु स्थान, कार्यक्रम स्थल, यात्रा मार्ग, अस्थाई चिकित्सालय, एनआईसी कक्ष सहित विभिन्न स्थलों का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की सुरक्षा के दृष्टिगत विभिन्न व्यक्तियों का सत्यापन किया जाये। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सुरक्षात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी फिंचाराम चौहान, जॉइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र शेट, एसपी देहात शेखर सुयाल, एसपी क्राइम जितेंद्र मेहरा, एसपी सिटी पंकज गैरोला, ईई यूपीसीएल दीपक सैनी, सीएमओ डा.आरके सिंह, रजिस्ट्रार निर्विकार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

शिवालिक अतिथि गृह में नवीनीकृत फव्वारे का लोकार्पण किया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भेल उपनगरी के सेक्टर-3 स्थित शिवालिक अतिथि गृह में फव्वारे के नवीनीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। फव्वारे में एलईडी लाइट्स के साथ भगवान शिव की संगमरमर निर्मित बेहद सुंदर प्रतिमा भी लगाई गई है। नवीनीकरण कार्य में भेल नगर प्रशासन विभाग ने स्थानीय संसाधनों एवं तकनीक का प्रयोग किया है। मंगलवार को बीएचईएल के महाप्रबंधक एवं प्रमुख रंजन कुमार ने, नवीनीकृत फव्वारे का लोकार्पण किया। इस अवसर पर रंजन कुमार ने कहा कि यह फव्वारा न केवल सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि विकास, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति संस्थान की जिम्मेदारी का भी परिचायक है। उन्होंने कहा कि बेहद खूबसूरती से डिजाइन किए गए फव्वारे का उद्घाटन करते हुए उन्हें काफी प्रसन्नता हो रही है। रंजन ने बताया कि फव्वारा बीएचईएल उपनगरी में सद्भाव, सकारात्मकता और सामूहिक ऊर्जा के प्रवाह का प्रतीक भी है। महाप्रबंधक (मानव संसाधन) संतोष कुमार गुप्ता ने कहा कि फव्वारे के नवीनीकरण से शिवालिक अतिथि गृह की सुंदरता में काफी बढ़ोतरी हुई है। नगर प्रशासक एवं संपदा अधिकारी संजय पंवार ने कहा कि पूर्व की भांति भविष्य में भी बीएचईएल उपनगरी में इस प्रकार के सौंदर्यीकरण के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर समस्त महाप्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारी, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा नगर प्रशासन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

घर में घुसकर महिला से गाली गलौज व धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र की शिवलोक कॉलोनी में एक व्यक्ति की अनुपस्थिति में उसकी पत्नी के साथ गालीगलौज और लाठी डंडों से हमला कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित शिकायत पर छह नामजद अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता चन्द्रशेखर निवासी एच-3सी, शिवलोक कॉलोनी ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि बताया कि उनके पड़ोसी देवेन्द्र सेमवाल, मुक्ता सेमवाल, लव सेमवाल और कुश सेमवाल के खिलाफ वर्ष 2020 में दर्ज मुकदमे की सुनवाई न्यायालय में चल रही है।

चन्द्रशेखर का आरोप है उस मुकदमे में कोर्ट द्वारा जारी वारंट की तामील कराने जब पुलिस उनके पड़ोसियों के घर पहुंची, तो वे नाराज हो गए।मंगलवार को उन्होंने अपनी सफाई कर्मी चंपा देवी उसके पुत्र बब्बू व अनिल, बहू मुन्नी, मुन्नालाल, कुसुम सहित 4 से 5 युवक हाथों में लाठी-डंडे और पत्थर लेकर घर में घुस आए और पत्नी पर हमला कर जान से मारने की धमकी दी है। रानीपुर कोतवाली प्रभारी शान्ति कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अंडरपास नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने वालों पर कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। व्यापारी नेता सुनील सेठी और श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने पुलिस प्रशासन से अंडर पास नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े कर मार्ग अवरुद्ध करने वाले वाहनों पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने बताया कि भूपतवाला, दूधाधारी, शांतिकुंज, फ्लाईओवर, सिंहद्वार फ्लाईओवर, ज्वालापुर फ्लाईओवर के नीचे राहगीरों की सुविधा के लिए बने अंडर पास पर नो पार्किंग जोन होने के बावजूद बड़े बड़े वाहन पार्क किए जा रहे है। जिससे आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कुछ जगहों पर कार, स्कूटर रिपेयरिंग, डेंटिंग पेंटिंग सहित खाद्य पदार्थों की दुकानें भी संचालित हो रही है। जिससे यातायात में अवरोध हो रहा है। अंडर पास में पार्क किए वाहनों को हटाने के लिए कहने पर बाहरी राज्यों के वाहन चालक झगड़ा करते हैं। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि रात्रि में तमाम फ्लाई ओवरों के नीचे नशे का सेवन कर वाहन चालक हरिद्वार की मर्यादा को भी खंडित कर रहे हैं। विरोध करने पर स्थानीय निवासियों से झगड़ा करते है। पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि ऐसा ही हाल उत्तरी हरिद्वार की कई कालोनियों का है। जिनमें सुबह स्कूल बसों सहित एंबुलेंस को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को चाहिए। सुनील मनोचा, महेश कालोनी, राजू जोशी, मुकेश अग्रवाल, सोनू चौधरी, रमन सिंह, राहुल शर्मा, देवेंद्र सिंह, सचिन अग्रवाल, आशीष शर्मा, अनुज कुमार, प्रमोद कुमार आदि ने भी कार्रवाई की मांग की। अवरूद्ध कर रहे लोगों पर पुलिस प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करनी

रानीपुर विधायक ने सड़कों एवं नालियों के पुनर्निर्माण का कार्य कराया शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने शिवालिकनगर नगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डो की सड़कों एवं नालियों के पुनर्निर्माण का कार्य पूजन कर शुरू कराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों द्वारा विधायक आदेश चौहान का स्वागत किया गया। रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। सरकार की विभिन्न योजनाओं से पूरे विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य प्रगति पर है। रानीपुर विधानसभा में विकास की नई गाथा लिखी है। राज्य सरकार द्वारा अधिकारियों को सख्त निर्देश है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का कोई समझौता ना किया जाये। सरकार की विभिन्न योजनाओं से पूरे विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य प्रगति पर है। जनता को मूलभूत सुविधाओं का और भी बेहतर लाभ दिलाने का भाजपा सरकार का वायदा लगातार धरातल पर नजर आ रहा है। विधायक आदेश चौहान का धन्यवाद करते हुए स्थानीय सभासदगणों ने कहा कि रानीपुर विधायक ने क्षेत्र के विकास कार्यों में एक नया कीर्तिमान बनाया है। विकास कार्यो के दृष्टिकोण से नई बसी कॉलोनियों में हो कई करोड़ रुपए की लागत से पिछले कुछ समय में ही विभिन्न विकास कार्य हुए है। उनकी कार्यप्रणाली अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए भी एक प्रेरणा है। इसी के साथ रानीपुर विधायक ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा ग्राम प्रधान प्रमोद पाल, जिला महामंत्री महिला मोर्चा एवं नगरपालिका शिवालिकनगर सभासद शीतल पुंडीर, विरेंद्र अवस्थी, पंकज चौहान, बृजलेश देवी, अमरदीप सिंह रोबिन, डॉक्टर राजकुमार यादव, राधेश्याम कुशवाहा,रमेश पाठक,सभासद प्रतिनिधि गौरव पुंडीर,चन्द्रभान सिंह, अनिल राणा, मंडल भाजपा उपाध्यक्ष संदीप राठी, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विजय चौहान,चमन चौहान, अनुज शर्मा,तारा नेगी,पवनदीप,दीपक नेगी कुलवंत चड्ढा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष सहित कई संतों से लिया आशीर्वाद

गोंडा में आयोजित की जा रही कथा में शामिल होने का निमंत्रण दिया

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड प्रवास पर आए भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने मंगलवार को हरिद्वार के कई प्रमुख संतों से भेंट कर आशीर्वाद लिया और गोंडा में आयोजित की जा रही कथा में शामिल होने का निमंत्रण दिया। हरिद्वार पहुंचे पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने सन्यास रोड़ स्थित सूरत गिरी बंगला घाट पर गंगा पूजन और दक्ष महादेव मंदिर में दुग्धाभिषेक भी किया। पूजा अर्चना के बाद ब्रजभूषण शरण सिंह ने निरंजनी अखाड़े पहुंचकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी से भेंट की और उन्हें उत्तर प्रदेश के गोंडा में आयोजित की जा रही सनातन ज्ञान विज्ञान छात्र उत्थान राष्ट्रीय कथा में शामिल होने का निमंत्रण दिया और आशीर्वाद लिया। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने ब्रजभूषण शरण सिंह को मां मनसा देवी की चुनरी ओढ़ाकर और मूर्ति भेंटकर आशीर्वाद देते हुए कहा कि राजनीति के साथ समाजसेवा में भी योगदान कर रहे पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह का संतों के प्रति सेवा भाव प्रशंसनीय है। पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह ने कहा कि सनातन धर्म की परंपराओं और संस्कृति का संरक्षण संवर्द्धन करते हुए राष्ट्र की एकता अखंडता को बनाए रखने में संत महापुरूषों की हमेशा अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि श्रीमहंत रविंद्रपुरी अखाड़ा परिषद अध्यक्ष के रूप में धर्म संस्कृति के उत्थान में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। श्रीमहंत रविंद्रपुरी के सानिध्य में दिव्य और भव्य रूप से संपन्न हुए प्रयागराज महाकुंभ से पूरे विश्व में सनातन की प्रतिष्ठा और बढ़ी है। इस दौरान आचार्य महामंडलेश्वर ब्रह्मऋषि स्वामी चन्द्रमणी महाराज, महंत्रि त्रिपाठी, नीलेश कुमार, महेश बहुगौड़ा मौजूद रहे। ब्रजभूषण शरण सिंह ने श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी को भी कथा का निमंत्रण पत्र दिया और उनसे आशीर्वाद लिया। इस दौरान महंत सूर्यमोहन गिरी सहित अखाड़े के कई संत मौजूद रहे। श्रीपंच निर्वाणी अणी अखाड़े के महंत रामदास और उनकी शिष्या साध्वी राजमाता ने भी फूलमाला पहनाकर पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह को आशीर्वाद दिया। इसके बाद ब्रजभूषण शरण सिंह चेतन ज्योति आश्रम पहुंचे और स्वामी ऋषिश्वरानंद व अन्य संतों को कथा का निमंत्रण दिया। स्वामी ऋषिश्वरानंद ने कथा का निमंत्रण स्वीकार करते हुए शॉल ओढ़ाकर ब्रजभूषण शरण सिंह का स्वागत किया। इस दौरान महामंडलेश्वर स्वामी आदियोगी पुरी, बाबा हठयोगी, महंत भूपेंद्र गिरी, महंत विष्णुदास, महंत गोविंददास, महंत दुर्गादास, स्वामी ज्ञानानंद, स्वामी सुतिक्ष्ण मुनि, स्वामी रविदेव शास्त्री, स्वामी कृष्णानंद, स्वामी शिवम महंत सहित कई संत महंत मौजूद रहे।

साइबर ठगों ने दंपति के खातों से उड़ाए दो लाख, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में दीपावली के अवसर पर एक परिवार के साथ साइबर फ्रॉड होने का मामला सामने आया है। अज्ञात साइबर ठगों ने दंपति के कुल तीन अलग-अलग बैंक खातों से लगभग 2 लाख 9 हजार 948 रुपए उड़ा दी है। पीड़ित ने कोतवाली तहरीर देकर साईबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार रवि विहार कॉलोनी सीतापुर निवासी राजेश कुमार वर्मा ने पुलिस लिखित तहरीर देकर बताया कि 20 अक्टूबर की दोपहर उनके मोबाइल पर अचानक कई ओटीपी और एसएमएस आने लगे, जबकि उन्होंने किसी भी प्रकार का ऑनलाइन लेन-देन नहीं किया था। बाद में पता चला कि यूनियन बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब नेशनल बैंक की उनकी शाखाओं से कुल 69,948 की रकम साईबर ठगों ने उड़ा दी। राजेश वर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी नीतू रानी के दो बैंक खातों पंजाब नेशनल बैंक और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से भी कुल 1,40,000 की उड़ा दी है। साइबर ठगों ने दंपति के खातों से कुल 2,09,948 रुपए की साफ कर दी है। ज्वालापुर कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

आवास विकास कालोनी में चिकित्सा शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा पार्षद राजेश शर्मा के सहयोग से आवास विकास कॉलोनी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राफिक एरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस की चिकित्सा टीम ने रोगियों की जांच कर परामर्श दिया और निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, हड्डी जांच, स्त्री रोग और नेत्र रोग आदि की जांच की गई। नेत्र रोग के मरीजों के लिए ऑपरेशन की सुविधा भी प्रदान की गई। इसके अलावा, आयुष्मान कार्ड धारकों को भी शिविर में सुविधा उपलब्ध कराई गई। पार्षद राजेश शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से खान-पान पर विशेष ध्यान देने और भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए आगे भी इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में आवास विकास कालोनी के सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। डा. नारायण चौधरी, दीप सिंह, समीर अली, वैभव, शिवकुमार, पूजा, तनु चौधरी, आरती चौधरी, सरोज कुमारी आदि ने चिकित्सा शिविर में सहयोग प्रदान किया। स्थानीय निवासियों ने पार्षद राजेश शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के चिकित्सा शिविर के आयोजन से गरीब और जरूरतमंद लोगों को काफी लाभ मिलता है। लोगों ने कहा कि इस तरह के चिकित्सा शिविर निरंतर आयोजित किए जाने चाहिए। जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके।

राज्य निर्माण की रजत जयंती पर जनपद में आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबन्धन सभागार में 25वे राज्य स्थापना रजत जयंती समारोह कार्यक्रम एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिकारियों को जनपद में भव्य कार्यक्रम आयोजित करने, 2 से 9 नवम्बर तक विशेष स्वच्छता अभियान संचालित करने, स्वास्थ्य कैम्प, सिंगल यूज पॉलीथीन के विरूद्ध कार्यवाही तथा स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जन सहभागिता सुनिश्चित की जाये। सभी अधिशासी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में हैल्प डेस्क स्थापित कर जनता की समस्याओं तथा कार्यों का व्यक्तिगत रूचि लेते हुए निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि इस अवसर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्तराखण्ड की कला और संस्कृति का संगम देखने को मिले तथा राष्ट्रभक्ति पर आधारित सांस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित किये जाये। उन्होंने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का समयबद्धता से निर्वहन करने के निर्देश भी दिये।

मुख्य विकास अधिकारी डा. ललित नारायण मिश्र ने बताया कि 25वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जनपद हरिद्वार में विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि 2 नवम्बर से 9 नवम्बर तक रजत जयंती सप्ताह मनाया जाएगा। जिसमें 2 नवम्बर को योग महोत्सव एवं स्वच्छता सप्ताह चलाया जायेगा। 3 नवम्बर को स्वदेशी से आत्मनिर्भरता विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसमें बड़े स्तर पर स्कूल एवं कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। 4 नवम्बर झिलमिल झील, वर्ल्ड वाचिंग, मेरे बुजुर्ग मेरे तीर्थ कार्यक्रम तथा रुड़की में कयाकिंग का आयोजन किया जाएगा। स्कूल में उद्योग विभाग द्वारा उद्योग कैंप, स्किल इंडिया, रोजगार मेला कैंप आयोजित किए जाएंगे। 5 नवम्बर को युवा महोत्सव जनपद स्तर पर कराया जायेगा। वन्दना कटारिया स्टेडियम में हॉकी मैच का आयोजन किया जाएगा। सीसीआर से चीला तक साईकिल रैली आयोजित की जाएगी तथा फिट इंडिया कैंप, क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन प्रत्येक ब्लॉक में किया जाएगा। 6 नवम्बर को राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के अंतर्गत संत सम्मेलन का आयोजन तथा विकासखंडों एवं निकायों में गीतापाठ, गीता एवं मानस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 7 नवम्बर को किसान सम्मेलन, कृषि गोष्ठी, क्रेडिट कैंप तथा हरिद्वार सहित समस्त विकासखंडों में गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। 8 नवम्बर को कवि सम्मेलन, गायन एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 9 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस का मुख्य कार्यक्रम ऋषिकुल में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिये के जिन विभागों की योजनाओं, परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाना है उसकी सूची समय रहते तैयार कर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सरदार बल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती कार्यक्रम को लेकर भी समीक्षा बैठक की। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के क्रम में पद यात्रा तिथि एवं आयोजन स्थल एवं आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बैठक की गई। जिसमें हरिद्वार में 31 अक्तूबर को 8 किमी से 10 किमी तक पदयात्रा, लक्सर - खानपुर में 8 नवम्बर को 8 किमी से 10 किमी तक पदयात्रा, भगवानपुर - रुड़की में 13 नवम्बर को 8 किमी से 10 किमी तक पदयात्रा आयोजित की जाएगी। साथ ही नशा मुक्ति अभियान की शपथ का भी आयोजन किया जायेगा। उन्होंने जनता से सरदार पटेल की जयन्ती के अवसर पर हैशटैग सरदार 150 तथा एक भारत आत्मनिर्भर भारत सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्टॉल लगाकर स्थानीय उत्पादों के विक्रय करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम को भी शामिल किया करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, नगर आयुक्त रुड़की राकेश चन्द तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, सीएमओ डा.आरके सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरुंग, जिला शिक्षा अधिकारी आशुतोष भंडारी, डीओ पीआरडी प्रमोद चंद्र पांडे, एपीडी नलनीत घिल्डियाल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा विक्रयपत्र दिनांक 20/01/2016 बही नं०1, जिल्द सं० 2557 के पृष्ठ 381 से 398 पर क्रमांक 443, उपनिबन्धक कार्यालय हरिद्वार प्रथम में पंजीकृत है। जो वास्तव में कहीं गुम हो गया है। जिसका प्रयोग अवैध होगा। श्रीमती मिनाक्षी चौहान पत्नी श्री अनिल चौहान, निवासी ग्राम फतेहउल्लापुर उर्फ तेलपुरा, डाण्डा तहसील भगवानपुर व जिला हरिद्वार।

सूचना (संबंध विच्छेद)

मैंने अपने पुत्र नितिन चौधरी व उसकी पत्नी साक्षी को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में इन दोनों से किसी भी कृत्य व लेने-देने की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। श्रीमती आदेश पत्नी स्व० श्री नरेन्द्र सिंह, निवासी मकान नम्बर-24, हरि नगर, कॉलोनी, अपो. सी.एन.जी. पैट्रोल पम्प, निपर डैनसो चौक, हरिद्वार (उत्तराखंड)।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हुआ लोक आस्था का छठ महापर्व

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही पिछले तीन दिनों से मनाया जा रहा लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान छठ व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया।

लोक आस्था के महापर्व छठ के चौथे एवं अंतिम दिन तड़के ही घाटों पर छठ व्रतियों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया। अर्घ्य प्रदान करने के लिए व्रती महिलाओं ने घंटों जल में खड़े होकर भगवान सूर्य नारायण के उदय होने का इंतजार किया और जैसे ही सूर्य नारायण प्रकट हुए सभी व्रतियों ने अर्घ्य देकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और जीवन में ऊर्जा की कामना की।

गौरतलब है कि 25 अक्तूबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ चार दिवसीय छठ पर्व मंगलवार 28 अक्तूबर को संपन्न हो गया। सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाओं ने घर लौटकर श्रद्धापूर्वक व्रत का पारण किया। वरिष्ठ समाजसेवी रंजीता झा ने कहा कि 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद यह क्षण भक्ति और संतोष से भरा होता है। परंपरा के अनुसार महिलाएं व्रत का पारण कच्चे दूध का शरबत, ठेकुआ या गुड़ चावल की खीर खाकर करती हैं। वहीं कुछ महिलाएं पूजा स्थल पर दीप जलाकर छठी मईया का आभार प्रकट करती हैं और फिर परिवार सहित प्रसाद ग्रहण करती हैं। पारण के दौरान ठेकुआ, कसरी, खीर, फलाहार और तुलसी जल का विशेष महत्व होता है। सबसे पहले व्रती तुलसी के पत्ते से जल ग्रहण करते हैं और फिर छठी मईया को प्रणाम कर प्रसाद खाकर व्रत तोड़ती हैं।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए धर्मनगरी के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। छठ गीतों की मधुर धुन को सुनकर लोग प्रफुल्लित दिखाई दिए। पूर्वांचल उत्थान संस्था, पूर्वांचल महासभा, पूर्वांचल उत्थान सेवा समिति, पूर्वांचल भोजपुरी महासभा, छठ पूजा समिति हरिपुर कलां, बिहारी महासभा, पूर्वांचल जनजागृति संस्था के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत, नगर विधायक मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, ज्वालापुर विधायक ई रवि बहादुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, केस दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। न्यायालय से लौट रहे दो युवकों को एक कार सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार विकास निवासी 31/ए, विवेक विहार हरिद्वार ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया कि 14 अक्टूबर को वह अपने दोस्त अर्पित त्यागी के साथ अपनी बुलेट मोटरसाइकिल से रोशनाबाद न्यायालय से तारीख देकर हैमिल्टन कंपनी की ओर जा रहे थे। उनकी बाइक को पीछे से सफेद रंग की महिंद्रा कार पीले रंग की नंबर प्लेट ने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए जोरदार टक्कर मारी।पीड़ित का आरोप है कि टक्कर के बाद कार सवार ने बाइक को करीब 50 मीटर तक घसीटा, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सिडकुल थानाध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :
सिटी कार्यालय दैनिक
शाह टाइम्स हरिद्वार
कमरा न. 103, द्वितीय तल, भगवती कॉम्पलेक्स, रानीपुर मोड, हरिद्वार
डी. एस. वर्मा
प्रभारी हरिद्वार/ब्यूरो चीफ
मो.: 9411100741

चालकों ने किए रोडवेज बसों के पहिए जाम

- सुबह से एक भी बस का नहीं हुआ संचालन, यात्री हुए परेशान
- चालकों को तय रूट में भेजने के लिखित आदेश के बाद माने रोडवेज कर्मी

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। उत्तराखंड परिवहन निगम के उच्च अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए लोहाघाट डिपो के बस चालकों , परिचालकों व कर्मचारी ने उत्तराखंड परिवहन निगम प्रांतीय संयुक्त मोर्चे के बैनर तले आज मंगलवार को हड़ताल कर दी है। जिस कारण लोहाघाट से परिवहन निगम की बसों का संचालन ठप पड़ गया । जिसके चलते दीपावली पर्व मना कर अपने कार्यक्षेत्र को लौट रहे यात्रियों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ी।

मंगलवार सुबह एक भी बस का संचालन डिपो से नहीं हो पाया है। यात्रियों की समस्या के समाधान के लिए रोडवेज का एक भी जिम्मेदार अधिकारी फिलहाल बस स्टेशन पर मौजूद नहीं रहा।रोडवेज चालकों व परिचालकों ने कहा डिपो के चालक हरीश जोशी एवं गिरीश सिंह जो जिला मुख्यालय चंपावत से नैनीताल को बस का संचालन का कार्य कर रहे हैं विगत कुछ समय से नैनीताल के वरिष्ठ स्टेशन प्रभारी के द्वारा लोहाघाट के चालकों को बेवजह परेशान किया जा रहा है। चालकों ने कहा नैनीताल के स्टेशन प्रभारी की शिकायत पर एजीएम लोहाघाट के द्वारा एक पक्ष की बात को सुनते हुए चालकों के मार्ग को बंद करने के आदेश लिखित रूप में बिना स्पष्टीकरण व बिना जांच के दिए है। जिसके चलते समस्त डिपो के चालकों परिचालकों व कर्मचारियों में मंडलीय महा प्रबंधक व सहायक महाप्रबंधक के खिलाफ भारी आक्रोश है। चालकों ने कहा उत्पीड़न के खिलाफ उनका यह आंदोलन है । अगर उत्पीड़न बंद नहीं किया गया तो हड़ताल लगातार जारी रहेगी । जिसकी पूरी जिम्मेदारी मंडलीय महाप्रबंधक व क्षेत्रीय उप महाप्रबंधक लोहाघाट की होगी।

चालकों ने कहा वह पूरी ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी करते हैं तथा दीपावली त्यौहार में भी उनके द्वारा लगातार ड्यूटी की गई ।पर चालकों को इनाम देना छोड़ उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। चालकों ने कहा अधिकारियों की लापरवाही के चलते आज डिपो की हालत खस्ता हो चुकी है। जिसका खामियाजा उन्हें व यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। वही बसो का संचालन बंद होने से यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।मामले का जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मंडलीय प्रबंधक टनकपुर को तुरंत मामले के समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद एजीएम लोहाघाट धीरेंद्र वर्मा के द्वारा चालकों व परिचालकों से वार्ता की गई तथा दोनों चालकों को उनके तय मार्ग में ड्यूटी करने के निर्देश लिखित में दिए गए इसके बाद सभी चालक व परिचालक हड़ताल से वापस लौटे। रोडवेज कर्मियों की हड़ताल के चलते लगभग 5 घंटे रोडवेज बसों का संचालन पूरी तरह बंद रहा। रोडवेज कर्मियों ने कहा अभी उनकी कई समस्याएं है जिनके लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा ।रोडवेज कर्मचारियों का उत्पीड़न किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाता। चालक परिचालकों के हड़ताल से वापस लौटने के बाद यात्रियों व रोडवेज प्रबंधन ने राहत की सांस ली नाराजगी जताने में हरीश जोशी, गिरीश सिंह ,सुभाष मुरारी ,ललित जोशी ,कैलाश मुरारी ,अमर सिंह ,सुरेश आर्य ,अशोक सिंह ,मनोज सिंह ,जगदीश जोशी ,जीवानंद ,महिपाल सिंह ,गोपाल भट्ट, पुष्कर भट्ट ,ललित भट्ट ,तरुण रावल ,मदन कुंवर ,मधुसूदन जोशी, किशन सिंह ,नारायण सिंह धोनी ,सतीश, दीपक सा, मनोज कुमार ,ललित कुमार ,नरेश कुमार ,गोविंद जोशी आदि मौजूद रहे।

बंद घर में शिक्षका की जलकर हुई मौत

- नौकर पर गहरा शक, पुलिस मौके पर पहुंची

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। कौशल्या एनक्लेव फेस–2 में रहने वाली सरकारी शिक्षिका सुषमा पंत की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। सुबह घर से धुआं उठता देख जब पड़ोसी पहुंचे तो उन्होंने सुषमा पंत का शव कमरे के अंदर पड़ा देखा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि मृतका सुषमा पंत प्रतिष्ठित शिक्षिका थीं। उनके पिता जनता इंटर कॉलेज रुद्रपुर में प्रधानाचार्य रह चुके हैं, जबकि भाई–भाभी कुमाऊं विश्व. विद्यालय में प्राध्यापक हैं। पति की कुछ वर्ष पूर्व मृत्यु के बाद वह अकेली रहती थीं। घर के कामकाज के लिए उन्होंने आजमगढ़ निवासी एक व्यक्ति को नौकर रखा था। सूत्रों के अनुसार, यह व्यक्ति पिछले कुछ समय से आक्रामक व्यवहार कर रहा था और उसकी नजर शिक्षिका की संपत्ति व पैसों पर थी। बताया जा रहा है कि वह तनख्वाह को लेकर आए दिन विवाद करता था और मृतका को धमकाता भी था। पड़ोसियों का कहना है कि सुषमा रोज की तरह सुबह पूजा–पाठ कर रही थीं, तभी कुछ देर बाद घर से धुआं उठने लगा। जब लोग अंदर पहुंचे तो वह मृत पड़ी थीं और नौकर फरार था। पुलिस को प्राथमिक जांच में घर से कुछ दस्तावेज और पैसों के लेनदेन के सुराग मिले हैं।

लोगों का कहना है कि सुषमा पंत ने कुछ दिन पहले एक समिति अध्यक्ष से उक्त व्यक्ति की हरकतों को लेकर मदद भी मांगी थी, पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। फॉरेंसिक टीम ने संदिग्ध नौकर की पहचान 58 वर्षीय व्यक्ति के रूप में की है, जो मूलतः आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ हफ्तों से वह सुषमा के निजी खर्च और संपत्ति के मामलों में दखल देने लगा था।

कार्यालय सहायक अभियन्ता–तृतीय (बीजापुर)
सिंचाई खण्ड विकासनगर कौलागढ, देहरादून

ई–मेलः–sd3bijapur@gmail.com

पत्रांक :– 603 /स0अ0तृ0/सिं0ख0वि0/निविदा दिनांकः– 27/10/2025

निविदा सूचना संख्या –03/स0अ0–तृतीय/2025–26, दिनांक 27.10.2025

मा0 राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा इस उपखण्ड के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो हेतु सीलबन्द निविदाए सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड में निम्नानुसार वांछित पंजीकृत श्रेणी के ठेकेदारों से दिनांक 17.11.2025 के अपरान्ह में 3:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आंमत्रित की जाती हैं, जो उसी दिन अधोहस्ताक्षरकर्त्ता द्वारा अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख खोली जायेगी, इस दिवस पर किन्ही कारणों से अवकाश घोषित होने पर निविदायें अगले कार्य दिवस पर खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र निर्धारित मूल्य अदा करने पर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से दिनांक 28.10.2025 से दिनांक 16.11.2025 तक किसी भी कार्य दिवस में सायं 4:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 स0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य+ 18% G.S.T	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की न्यूनतम श्रेणी
1	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर में कोटडा संतुर में सिंचाई विभाग की नहर के हैड एवं नहर की मरम्मत का कार्य। (रीच नहर के हैड से 220.00 मी0 तक)	6000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर
2	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर के गल्जवाडी में राजु क्षेत्रीय आदि के घर के पास सुरक्षात्मक कार्य। (रीचः–राजु क्षेत्रीय आदि के घर के पास)	6000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर
3	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम पंचायत राजावाला में सिंचाई गूल का निर्माण कार्य। लम्बाई लगभग 150 मी0 वर्षः– 2025–26 (रीच 0.00 से 140.00 मी0 तक)	6000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर
4	S.P.M Canal Kulawa No.-04 Covering work in District Dehradun block Sahaspur under District Plan. (Reach 50.00 mt to 100.00 mt)	4000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर
5	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम पंचायत राजावाला में कुलावा नं0–9 सी में लगभग 150.00मी0 में कुलावे का निर्माण कार्य। वर्षः– 2025–26 (रीच 0.00 से 130.00 मी0 तक)	6000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर
6	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम पंचायत भगवानपुर, राजावाला व तेलपुरा में मुख्य नहर पर मरम्मत कार्य। वर्षः– 2025–26 (रीच 4.60 कि0मी0 से 4.70कि0मी0 तक)	6000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर
7	जिला योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के विकासखण्ड सहसपुर के ग्राम पंचायत राजावाला में कुलावा नं0–08 बी में लगभग 150मी0 कुलावे का निर्माण कार्य। वर्षः– 2025–26, (रीच 0.00 मी0 से 125.00 मी0 तक)	6000.00	500.00 + G.S.T.18%	3 माह	'ई' एवं उच्चतर

निविदा देने सें पूर्व ठेकेदार को कार्यस्थल व अनुबन्ध की शर्तो आदि को देखकर समस्त परिस्थितियों से अवगत हो जाना चाहियें।

शर्ते :–

1. समस्त निविदायें या किसी एक निविदा को बिना किसी कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है। इस सम्बन्ध मे किसी प्रकार के प्रार्थना पत्र पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
2. निविदा प्रपत्र क्रय करने से पूर्व कार्य स्थल का भली–भांति निरीक्षण कर लिया जाये एवं निविदायें क्रय करते समय पुष्टि की जाये की कार्यस्थल का निरीक्षण कर लिया गया है।
3. वांछित धरोहर धनराशि डाकघर बचत बैंक की सावधि जमा पासबुक/राष्ट्रीय बचतपत्र अथवा किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 के रूप में **अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, विकासनगर, देहरादून** के नाम बंधक हो, निविदा के साथ संलग्न करनी होगी।
4. अनुबन्ध करते समय ठेकेदारों को अनुमानित लागत 10 प्रतिशत जमानत राशि नियमानुसार जमा करनी होगी (जिसमें धरोहर धनराशि सम्मिलित कर ली जायेगी) अन्यथा निविदा निरस्त कर धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
5. निविदा के साथ ठेकेदार को रू0 100/– का नॉन जूडिशियल स्टाम्प पेपर एवं रू0 1/– का रसीदी टिकट लगाना आवश्यक है। अनुबन्ध करते समय ठेकेदारों को रू0 100/– का नॉन जूडिशियल स्टॉम्प पेपर अलग से देना आवश्यक है।
6. विभाग द्वारा निर्माण कार्य के भुगतान पर नियमानुसार वस्तु एवं सेवाकर, आयकर, रॉयल्टी एवं अन्य करों की कटौती ठेकेदारों के बीजक से की जायेगी।
7. निविदा प्रपत्र डाक द्वारा मंगवाने पर रू0 100/– का अतिरिक्त शुल्क देय होगा परन्तु डाक द्वारा समय पर निविदा प्राप्त न होने पर उत्तरदायित्व विभाग का नहीं होगा।
8. डाक द्वारा अपरान्ह 3:00 बजे तक प्राप्त निविदा पर ही विचार किया जायेगा। 3:00 बजे के पश्चात प्राप्त निविदा पर विचारनहीं किया जायेगा।
9. सशर्त निविदा मान्य नही होगी, कार्य की अन्य शर्ते एव विषिष्टतायें तकनीकी निविदा के साथ संलग्न होगी।
10. निविदा बिक्री एवं खुलने की तिथि को, यदि शासन द्वारा अपरिहार्य परिस्थितियों में अवकाश घोषित किया जाता है, तो अगले कार्य दिवस को निविदायें बिक्री की जायेंगी एवं खोली जायेंगी।
11. निविदा खुलने के बाद निविदा 90 दिन तक वैध मानी जायेगी। यदि ठेकेदार निविदा स्वीकृत होने की दशा में कार्य करनें में असमर्थता प्रकट करता है अथवा निर्धारित समय के अन्दर समस्त औपचारिकताए पूर्ण कर अनुबन्ध/कार्य करने हेतु उपस्थित नहीं होता है, तो उसकी धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगीं।
12. निविदा की दरें प्रत्येक मद हेतु अंकों तथा शब्दों में पृथक–पृथक लिखी होनी चाहिये। यदि अंक व शब्दों की दरों में अन्तर होतो शब्दो में लिखी दरें ही मान्य होंगी। निविदा में लिखित दर आदि पर कटिंग/ओवर राइटिंग होने पर ठेकेदार को पुनः स्पष्टलिखकर अपने हस्ताक्षर करने होंगे।
13. पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा स्वयं कार्य स्थल पर कार्य कराया जायेगा तथा वे किसी अन्य फर्म/व्यक्ति को कार्य सबलेट नहीं करेंगे।
14. निविदादाताओं द्वारा प्रस्तुत की गयी धरोहर धनराशि का एफ0डी0आर0/राष्ट्रीय बचतपत्र, पंजीकृत प्रमाणपत्र आदि की जांच करायी जायेगी। यदि कोई भी दस्तावेज फर्जी पाये जायेंगे, तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।
15. कार्यो की जांच क्वालिटी कंट्रोल संस्था से भी करायी जायेगी, तत्पश्चात ही कार्यो का भुगतान किया जायेगा। यदि क्वालिटी कंट्रोल संस्था/उच्चाधिकारियों द्वारा कोई कमी कार्यहित में इंगित की जाती है, तो नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
16. निविदा की दरों पर 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 अतिरिक्त देय होगा, जो कि भुगतान के समय ठेकेदार को भुगतान किया जायेगातथा ठेकेदार को स्वयं जी0एस0टी0 संबंधित विभाग में जमा करना होगा।

सहायक अभियन्ता–तृतीय
सिंचाई खण्ड, विकासनगर

मांस को लेकर हुए विवाद पर विहिप और भारतीय बजरंग दल के लोग एसडीएम व सीओ से मिले

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। रामनगर के ग्राम छोई एवं बैलपडाब क्षेत्र में बीते 23 अक्टूबर को दो अलग–अलग पिकअप वाहनों में मांस पकड़े जाने के बाद हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने घटना पर नाराजगी बताई थी और मामलों को लेकर वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ ही चालक के साथ भी मारपीट की गई थी। इस मामले में कालाढूंगी पुलिस एवं रामनगर पुलिस द्वारा अलग–अलग जानलेवा हमले का मुकदमे दर्ज करने की कार्रवाई की गई थी।

मुकदमे दर्ज करने के विरोध में मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद गौ रक्षा विभाग के प्रांत मंत्री यशपाल राजहंस के नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद व भारतीय बजरंग दल हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज कर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की तो वहीं भारतीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष विवेक मिश्रा के नेतृत्व में विश्व हिन्दू परिषद व भारतीय बजरंग दल हिंदूवादी संगठन के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भी सीओ सुमित पांडे के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। दोनों ही संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा कि इस मामले में पुलिस ने जिन कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए हैं वह कार्यकर्ता उस दिन मौके पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि जिन कार्यकर्ताओं ने घटना को लेकर अपनी लिखित शिकायत ज्ञापन के माध्यम से की थी। उन्हें कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अपराधी बनाकर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस पर दबाव में आकर कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए गए तो उग्र आंदोलन करने के साथ ही रामनगर के बाजार को अनिश्चितकाल के लिए बंद किया जाएगा।

वहीं सीओ सुमित पांडे ने निष्पक्ष जांच करने की बात कही है। इस दौरान भारतीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष विवेक मिश्रा, विश्व हिन्दू परिषद प्रान्त मंत्री गौरक्षा विभाग यशपाल राजहंस, तेज प्रकाश,वरुण, हिर्देश शर्मा, भूपेंद्र मेहरा, राजीव शर्मा, पूरन पटवाल, विजय फत्याल, फूल कुमार, धर्मेंद्र हालसी,राजू यादव, राजू रावत,विशाल यादव, सुनील वर्मा, विपिन शर्मा, कमल, केशव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धान नहीं तोले जाने पर किसानों ने लगाया भगत सिंह चौक पर जाम

बाजपुर। राइस मिलरों द्वारा किसानों का धान ना तौले जाने पर आक्रोशित किसानों ने शहीद भगत सिंह चौक पर धान से भरी ट्रैक्टर ट्राली लगाकर सांकेतिक जाम लगा दिया। एसडीएम डा.अमृता शर्मा, तहसीलदार देवेंद्र बिष्ट, मडी समिति सचिव कैलाश चंद्र शर्मा, कोतवाल प्रवीण सिंह कोश्यारी ने धरना स्थल पर पहुंच कर किसानों से वार्ता की। एसडीएम द्वारा आरएफसी की आरएमओ लता मिश्रा को फोन कर वार्ता की गई, जिस पर लता मिश्रा ने बाजपुर पहुंचकर किसानों के साथ वार्ता कर उनकी समस्या का निस्तारण करने के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। जिस पर किसानों ने एसडीएम की बात मानकर जाम खोला गया। भाकियू के प्रदेश अध्यक्ष करम सिंह पड्डा ने किसानों की 200 ट्रैक्टर ट्राली धान भरी मंडी में खड़ी हैं, जिससे किसानों का धान नहीं तौला जा रहा है। राइस मिलरों द्वारा किसानों को परेशान कर उनके धान को औने–पौने दामों पर खरीदने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। किसान नेता अजीत प्रताप रंधावा ने कहा जीरो टॉलरेंस की सरकार एवं अधिकारी किसानों को लूटने में लगे हैं।

यशपाल आर्य ने किया मंदिर के हाल का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। नेता प्रतिपक्ष और क्षेत्रीय विधायक यशपाल आर्य द्वारा बाजपुर विधानसभा के अंतर्गत बाजपुर नगर के वार्ड नंबर 11 में 11 लाख की लागत से रोड ग्राम सभा रेंटा में मंदिर के हाल के लिए 5 लाख की सौंदर्यीकरण निर्माण का शिलान्यास और 250 मीटर मार्ग की घोषणा और ग्राम सभा केला बनवारी में गुरुद्वारे के के सौंदर्य करण के लिए 15 लाख रुपये की घोषणा और बाजपुर विधानसभा के अंतर्गत नगर निगम काशीपुर वार्ड नंबर 7 में 30 लाख रुपये लागत का मार्ग निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। क्षेत्र में क्षेत्र वासियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष सत्यवान गर्ग, पूर्व ब्लाक प्रमुख काशीपुर गुरदयाल सिंह, राकेश लखेडा, मन्नू यादव, दीपक कांडपाल, कश्मीर सिंह, चंद्रभान, नौसाद अली, वरिंदर बिष्ट, हुसैन तौकीर, महेंद्र अग्रवाल, पिंटू राणा, जसपाल सिंह बिल्लू, सियाराम, सुखवंत सिंह, पूरन बिष्ट, दिलीप सिंह, ओम प्रकाश, कुलदीप सिंह, अमर सिंह, फुरकान अहमद, इंदर सिंह ढिल्लन, प्रदीप सिंह, बृजेश यादव, तरसेम सिंह, लीलाधर सैनी, सुखवंत सिंह, जमन सिंह, बाबू सिंह, वीरेंद्र बिष्ट आदि लोग उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम **दीक्षिका (DIKSHIKA)** (पुराना नाम) से बदलकर **दीक्षिका शर्मा (DIKSHIKA SHARMA)** (नया नाम) कर लिया है। भविष्य में मुझे दीक्षिका शर्मा अर्धांगिनी साक्षात् भारद्वाज के नाम से जाना व पहचाना जाए।

शपथकर्ता: दीक्षिका शर्मा अर्धांगिनी साक्षात् भारद्वाज, पता: हाउस नं. 6A, लेन नं॰ 6, दून एन्क्लेव एक्सटेंशन, नियर बंसल हाउस, पो॰ माजरा, देहरादून, पिन कोड–248171.

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू०डि०) नई टिहरी, जिला टिहरी गढ़वाल।

मूल वाद सं०–29 सन्–2025

वादिनी– श्रीमती रोशनी देवी पत्नी जीत सिंह आयु 39 वर्ष निवासी ग्राम क्यूलागी पट्टी जुवा पो॰ओ॰ थौलधार जिला टिहरी गढ़वाल।

बनाम

प्रतिवादीगण– राजेन्द्र सिंह पुत्र स्व० राय सिंह निवासी ग्राम क्यूलागी पट्टी जुवा पो० थौलधार जिला टिहरी गढ़वाल आदि।

नोटिस बनाम– समस्त रिस्तेदारान आम व खास जीत सिंह के।

चूंकि वादिनी ने अपने पति जीत सिंह पुत्र स्व० राय सिंह निवासी ग्राम क्यूलागी, पट्टी जुवा पो॰ओ॰ थौलधार जिला टिहरी गढ़वाल ने अपने पति की विगत 7 वर्ष से अधिक समय से जीवित या मृत्यु की सूचना न होने से इस न्यायालय में एक वाद अपने पति की दीवानी मृत्यु घोषित करवाने का पेश किया है जो दर्ज रजिस्टर्ड होकर वास्ते सुनवाई हेतु दिनांक 17 माह 11 सन–2025 को नियत है। यदि आपको प्रार्थिनी/वादिनी के वाद में कोई आपति उज्र ऐतराज हो तो आप दिनांक 17 माह 11 सन–2025 को 10:30 बजे सुबह इस न्यायालय में उपस्थित आकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें किसी के उपस्थित न आने पर वादिनी के वाद में अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 15 माह 10 सन–2025 को मोहर अदालत व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

आज्ञा से
प्रबंधक/रीडर
न्यायिक मजिस्ट्रेट
नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल

पेयजल सुविधा के विस्तार के साथ जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन को भी दिया जाए महत्वः डीएम

- मॉडल जिले को नया रूप व स्वरूप देने के लिए सभी विभाग मिलकर करें कार्य

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत । मॉडल जिले में पेयजल सुविधा के विस्तार के साथ जल संरक्षण एवं जल संवर्धन का कार्य साथ–साथ नहीं किया गया तो इससे भावी पीढ़ी एक एक बूंद पानी के लिए तरस जाएगी। इसके लिए यह आवश्यक है कि ग्रामीणों कि सहभागिता कर संबंधित विभाग अन्य जल स्रोतों व जलागम क्षेत्रों में पानी के पोषक पौधों का रोपण कर उनका संरक्षण करें। इससे जल स्रोतों का जलस्तर बनाए रखा जा सकता है।

यह बात जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मुख्यमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप चंपावत को हिमालयी राज्यों का मॉडल जिला बनाने हेतु अधिकारियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने मुख्यमंत्री जी की घोषणाओ की आम लोगों को जानकारी देने के साथ जिले को हरा भरा बनाए रखना है । जिले में 500 किलोमीटर लंबी सड़क प्रस्तावित है जिले के नगरीय क्षेत्रों को पॉलिथीन से मुक्त करने के साथ एवं नगरों व गांवो को साफ सुथरा बनाए रखना हमारी कार्य संस्कृति में शामिल होना चाहिए। लोहाघाट नगर समेत अन्य स्थानों में दुर्लभ प्रजाति के देवदार के वृक्षों को डिफेंस के बराबर महत्व देने की आवश्यकता है । लोहाघाट नगर में स्थित देवदार के प्रत्येक पेड़ में उन्होंने नंबरिंग करने के भी बनविभाग को आदेश दिए । जिलाधिकारी ने लोहाघाट में ड्राफ्ट मास्टर प्लान के निर्माण के साथ नगर के लोगों से रायसुमारी किए जाने पर जोर दिया। जिले के सभी विद्यालयों की भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराई जाए नगरीय क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए इंदिरा अम्मा जैसे भोजनालयों को पुनर्जीवित किया जाए । स्वाला डेंजर जोन से वैकल्पिक सड़क मार्ग को भी प्रस्तावित किया जाए। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग में चंपावत एवं लोहाघाट में बाईपास के निर्माण के लिए भूमि का अधिग्रहण कर प्रभावित लोगों को उसका मुआवजा दिया जाए । जिलाधिकारी ने कहा सभी विभागों को मिलकर ऐसा आकर्षण पैदा करना है जिससे पलायन कर चुके लोगों को उनकी माटी से जोड़ा जा सके । सभी नए भवनों में बरसाती जल के संग्रह की व्यवस्था की जाए। उन्होंने जानकारी दी कि पीएम फसल बीमा योजना में गेहूं धान के अलावा मडुबे को भी शामिल किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि वह मॉडल जिले में अपने दायित्व के निस्तारण में तेजी लाकर हर कार्य में अपनी पहचान अवश्य छोड़ें।

सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन

- निर्जला व्रत रख कर अपने बच्चों की दीर्घायु की कामना की
- लोकगीतों से गूंजे छठ घाट

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सेविले चरण तोहरख हे छठी मइया सुनि लेहू अरज हमार.. ..निर्धन जानेला, ई धनवान जानेला हम करेली छठ बरतियां से उनखे लागी....जैसे लोकगीत मंगलवार को छठ पर्व पर गूंजे। उगते सूर्य की पूजा अर्चना के साथ चार दिवसीय छठ पर्व का समापन हो गया। व्रती महिलाओं ने सुबह घरों पर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और प्रसाद खाकर अपने व्रत को पूरा किया। इस दौरान लोगों ने आतिशबाजी भी की। लोक आस्था के महापर्व छठ मंगलवार को सूर्य को अर्घ्य देने के साथ समापन हो गया। 4 दिनों तक चले इस महापर्व मे छठव्रतियों ने निर्जला व्रत रख कर अपने बच्चों की दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की। हल्द्वानी महानगर के छठ घाटों पर माथे पर देउरा लिए लोग सुबह से दिखाई देने लगे थे। सुबह की ठंड के बीच श्रद्धालुओं का आस्था लोक गीत और जगमगाती दियों ने लोगों में जोश में भर दिया। क्या बच्चे, क्या बूढ़े सभी ने छठ घाटों पर जाकर छठ मैया से आशीर्वाद मांगा और भगवान भास्कर को अर्घ्य भी दिया। 36 घंटो तक निर्जला व्रत रखी छठव्रती भगवान भास्कर के उदय होने की प्रतीक्षा में बड़ी ही श्रद्धा और ठंडे जल में उतर कर मंगल कामना कर रही थी। अंतिम दिवस उदयाचल सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के लिए भोर से ही छठ व्रती महिलाएं छठ घाट पहुंच चुकी थी जैसे ही सूर्य की प्रखर लालिमा आसमान में फैली छठव्रती महिलाओं ने उनका उत्साह के साथ आतिशी स्वागत किया। पटाखे फुलझड़ियां और महामाया कुंड में झिलमिलाते असंख्य के दीपों की आभा से मंदिर परिसर की छटा देखते ही बन रही थी। लोगों की भीड़ ने सूर्य देव को प्रणाम कर कुशलमंगल की कामना की। मान्यता है कि छठी माई से जो भी मंगल कामना की जाती है वो मां पूरी करती हैं। इस बार महिलाओं ने परिजनों की खुशहाली और देश प्रदेश में समृद्धि की कामना की।

प्रकाश पर्व पर कीर्तन दरबार 5 को

- आज से शहरभर में निकलेगी प्रभात फेरी
- 4 नवंबर को शाम 7 से रात 10 बजे तक सजाए जाएंगे धार्मिक दीवान
- 5 नवंबर को रामलीला मैदान में होगा कीर्तन समागम का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का 556वाँ प्रकाश पर्व पूरी श्रद्धा के साथ आगामी 5 नवंबर को विशाल कीर्तन दरबार के साथ बनाया जाएगा। मंगलवार को गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों ने पत्रकार वार्ता करते हुए बताया कि इस गुरु पर्व को समर्पित 29 अक्टूबर से 3 नवंबर प्रातः शहर के विभिन्न गुरुद्वारों के लिए प्रभात फेरिया गुरबाणी गायन करते हुए प्रस्थान करेंगी। 4 नवंबर को शाम 7 से रात 10 बजे तक धार्मिक दीवान सजाए जाएंगे और 5 नवंबर को रामल. ीला ग्राउंड स्थित विशाल पंडाल लगाकर प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व काफी भव्यता और पवित्रता के साथ कीर्तन समागम का आयोजन कराया जाएगा, जिसमें पंथ के महान कथावाचक कीर्तनीय, ग्रंथी सिंह, कथा विचार और गुरबाणी विचार करेंगे। इसके बाद विशाल लंगर का भी आयोजन होगा जिसमें समूह साथ संगत और श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा के साथ लंगर को ग्रहण करेंगे। वार्ता के दौरान अमरजीत सिंह बिंद्रा, वीरेंद्र सिंह चड्ढा, जसपाल सिंह को. हली, रणजीत सिंह नागपाल, हरजीत सिंह सच्चर, हरविंदर सिंह कुकरेजा, हरजीत सिंह चड्ढा, अमरजीत सिंह सेठी, जसपाल सिंह मालदार, चरणजीत सिंह बिंद्रा, सनी आनंद आदि मौजूद रहे।

कोतवाली के सामने रेस्टोरेंट में चोरों की सेंधमारी

मोतीमहल रेस्टोरेंट की छत पर बने दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर घुसे चोर

- 45 सौ रुपये की नगदी, आईफोन, तांबे की गगरी ले उड़े चोर
- कैमरे में कैद हुए चोर, पुलिस तलाश में जुटी

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शातिर चोरों ने कोतवाली के बिल्कुल सामने स्थित मोती महल रेस्टोरेंट में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने रेस्टोरेंट का गल्ला खाली कर दिया और अन्य कीमती सामान भी चोरी कर ले गए। पुलिस ने रेस्टोरेंट की स्वामिनी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रेस्टोरेंट की स्वामिनी रविंद्र कौर पत्नी मंजीत सिंह ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीते बीती 26 अक्टूबर की रात को वह रोजना की तरह रेस्टोरेंट बंद कर घर चली गईं थीं। अगले दिन सुबह जब वह रेस्टोरेंट पहुंचीं, तो शटर पर ताले लगे हुए थे। शटर खोलते ही उन्हें रेस्टोरेंट के अंदर का हाल देखकर आश्चर्य हुआ। अंदर का सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। जब उन्होंने अपना गल्ला चेक किया, तो पाया कि वह टूटा हुआ था और उसमें रखे लगभग 4500 रुपए गायब थे। इसके अलावा, चोर एक आईफोन और तांबे की गगरी भी ले गए है। बताया जा रहा शातिर चोर रेस्टोरेंट की छत पर लगे दरवा. जे की कुंडी तोड़कर अंदर दाखिल हुए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो उसमे चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए दो शातिर चोर कैद हुए है। पुलिस चोरो की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। कोतवाल अमर चंद्र शर्मा ने बताया कि रेस्टोरेंट स्वामिनी की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जनता के सहयोग से देश को स्वच्छ बनाना संभव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) नैनीताल द्वारा मंगलवार को हल्द्वानी में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हल्द्वानी के अकादमी आरके टेंट हाउस रोड में आयोजित हुआ, जहां महापौर गजराज सिंह बिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर महापौर बिष्ट ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से जुड़ें और अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दें। उन्होंने कहा, यदि हर बच्चा और नागरिक यह संकल्प ले कि अपने आसपास की सफाई हमारी आदत और जिम्मेदारी है, तो स्वच्छता स्थायी रूप से कायम रह सकती है। आज के कार्यक्रम के बाद हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि कम से कम अपने घर, गली या एक निश्चित स्थान को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी हम खुद उठाएं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक पांडे, तत्वयोगा केंद्र की निदेशक तनीषा और डीएसए के प्रबंधक नितिन पांडे भी उपस्थित रहे। केंद्रीय संचार ब्यूरो की नोडल अधिकारी श्रद्धा गुरुरानी तिवारी ने बताया हमारी संस्कृति में स्वच्छता को सेवा माना गया है। यह सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और देश के प्रति हमारा कर्तव्य है। भारत सरकार का उद्देश्य इस

अभियान के माध्यम से सामूहिक जागरूकता, सहभागिता और स्वयंसेवी भावना को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रीतम ने पहला, कनिका द्वितीय, मिताक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सही जबाव देने वाले प्रतिभागियों को महापौर गजराज सिंह बिष्ट द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस मौके पर कार्यक्रम में प्रशांत मेहता, प्रखर शर्मा, हेमा सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सीडीओ ने रजत जयंती समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ को रजत जयंती समारोह के रूप में धूमधाम से मनाने के लिए जनपद में कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को हल्द्वानी नगर में भव्य पदयात्रा का आयोजन भी किया जाएगा। रजत जयंती समारोह की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को सीडीओ अनामिका ने नगर निगम सभागार, हल्द्वानी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में रजत जयंती समारोह के सफल आयोजन और राष्ट्रीय एकता दिवस पर होने वाली पदयात्रा की योजनाओं पर चर्चा की गई। सीडीओ ने पदयात्रा के मार्ग और आयोजन की जानकारी ली। यह पदयात्रा एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी से शुरू होकर तिकोनिया, ठंडी सड़क और हाइडिल गेट होते हुए फिर से कॉलेज परिसर में समाप्त होगी। इस दौरान युवा भारत नैनीताल विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल और निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा, सूचना विभाग द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किए जाएंगे। सीडीओ ने अधिकारियों से कहा कि इस पदयात्रा में अधिकतम जन सहभागिता सुनिश्चित की जाए और लोगों से अपील की जाए कि वे इस आयोजन में शामिल होकर राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करें। बैठक में नगर आयुक्त हल्द्वानी परितोष वर्मा, जिला विकास अधिकारी गोपाल गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

ओपन यूनिवर्सिटी ने बनाया रिकॉर्ड

- स्वयं प्लेटफॉर्म पर संचालित किए सर्वाधिक एमओओसी
- जुलाई 2025 सत्र में 42,000 से अधिक शिक्षार्थियों का नामांकन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के स्वयं प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक भारी मात्रा में खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओआ. सी) संचालित करने का रिकार्ड बनाया है। मंगलवार को पत्रकार वार्ता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि जुलाई 2025 सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 12 एमओओसी में कुल 42,454 शिक्षार्थियों ने नामांकन किया, जो किसी भी एक सत्र में अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। अब तक विश्वविद्यालय के एमओओसी में 2,06,536 शिक्षार्थी नामांकित हो चुके है, जिनमें 60 से अधिक देशों के विद्यार्थी सम्मिलित हैं। ये पाठ्यक्रम साइबर सुरक्षा, डिजिटल फॉरेंसिक, वेब प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, शिक्षा और जीवन कौशल जैसे समसामयिक एवं रोजगारोन्मुख विषयों पर आधारित है, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल हमारे शिक्षकों, विषय विशेषज्ञों और तकनीकी टीम की मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह हमारे शिक्षार्थियों के विश्वास और समर्पण का भी प्रतीक है। प्रो. लो. हनी ने बताया कि विश्वविद्यालय अपने डिजिटल अवसंरचना के उन्नयन पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रहा है। एशियाई विकास बैंक परियोजना के अंतर्गत शैक्षिक मल्टीमीडिया उत्पादन केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, स्थानीय स्तर पर ई-कंटेंट निर्माण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था तथा तकनीकी मानव संसाधन के सशक्तिकरण की दिशा में सतत कार्य किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय परीक्षा संस्था के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी, विश्वविद्यालय के मान्यता बोर्ड के सदस्य प्रो. एचसी पोखरियाल, विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डेय, निदेशक अकाद. मिक प्रो. पीडी पंत, कंप्यूटर साइंस के निदेशक प्रो. जितेंद्र पाण्डेय, पत्रकारिता एवं मीडिया के निदेशक प्रो. राकेश चंद्र रयाल मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जवाहर नगर टनकपुर रोड क्षेत्र में मंगलवार को बिजली विभाग की टीम जब स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची तो वहां पर विभाग के कर्मचारियों को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन लोग नहीं माने। स्थानीय लोगों ने मीटर उनके हाथों से हटा दिया और स्पष्ट कहा कि वे किसी भी कीमत पर बिना उनकी सहमति के स्मार्ट मीटर नहीं लगने देंगे। लोगों का आरोप है कि उनसे बिना भरोसे और जानकारी के ज़बरन स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें बिल बढ़ने और तकनीकी गड़बड़ियों की आशंका है। जिसके बाद टीम को वापस लौटना पड़ा। जानकारी के मुताबिक जब विभाग की टीम स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पहुंची, तो स्थानीय लोग एकत्र होकर विरोध करने लगे। स्थानीय निवासियों का कहना था कि विभाग बिना पूर्व जानकारी दिए पुराने मीटर को तोड़कर नए स्मार्ट मीटर लगाने की कोशिश कर रहा था। उनका आरोप था कि विभाग ने न तो मीटर बदलने का स्पष्ट कारण बताया और न ही इसके लिए कोई समझाइश दी। लोगों ने विभाग से एक-दो दिन का समय मांगा ताकि वे मीटर से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकें, और इसके बाद ही बदलाव को स्वीकार किया जाए। घटना के समय जब विभागीय कर्मचारी कुछ स्थानों पर मीटर बदलने की कोशिश कर रहे थे, तो विरोध प्रदर्शन और उग्र हो गया। लोग कर्मचारी से मीटर छीनने की कोशिश करने लगे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मौके पर बुलाया गया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के बावजूद विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा था। आखिरकार, बढ़ते विरोध के कारण विभाग की टीम को बिना कोई कार्य किए ही वापस लौटना पड़ा। विद्युत विभाग का कहना है कि लोगों के बीच कुछ गलतफहमियाँ हैं, जिन्हें दूर करने के लिए बातचीत की जाएगी। विभाग ने यह भी बताया कि फिलहाल टनकपुर रोड क्षेत्र में आज स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य रोक दिया गया है।

यूओयू में राष्ट्रीय संगोष्ठी 30-31 को

- पुस्तक मेले का मेयर करेंगे शुभारंभ
- कुमाउनी-गढ़वाली सहित सीमांत भाषाओं पर होगी गहन चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय में 30-31 अक्टूबर से उत्तराखंड की भाषाओं पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्व. विद्यालय उत्तराखंड भाषा संस्थान एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में उत्तराखंड की प्रमुख भाषाओं कुमाऊंनी एवं गढ़वाली पर तो चर्चा होगी ही, साथ ही इनकी सीमान्त भाषाओं पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा होगी। उत्तराखंड की भाषाओं में राजी, थारू, रं, बुक्सा, नेपाली, रावल्टी, बंगाणी, एवं जौनसारी आदि भाषाओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की जाएगी। पुस्तक मेले का शुभारंभ महापौर गजराज बिष्ट करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। स्थापना दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार में भाषा मंत्री सुबोध उनियाल जी होंगे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में एनटीए के अध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार जोशी एवं लालकुआं विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट होंगे। कार्यक्रम में प्रो. वीरा जगन्नाथन, प्रो. लक्ष्मण सिंह बिष्ट बटरोही, प्रो. उमा भट्ट, डा. प्रयाग जोशी, प्रो. देव सिंह पोखरिया, प्रो. जगत सिंह बिष्ट, प्रो. चंद्रकला रावत, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव, प्रो. शिद्धेश्वर सिंह, प्रो. प्रभा पंत, प्रो. प्रीति आर्या, हयात सिंह रावत, डा.नन्द किशोर हटवाल, रमाकांत बेंजवाल, गणेश खुगशाल गणि, मुकेश नौटियाल, डा. आभा गर्खाल, डा. दिनेश शर्मा, डा. जगद. ीश पंत, महावीर रवालटा, सुभाष रावत, भजनलाल शर्मा, प्रो. पीडी पंत, प्रो. एचपी शुक्ल एवं प्रो. जेके जोशी की उपस्थिति रहेगी।

बैंक उपभोक्ताओं के लिए विशेष शिविर 29 अक्टूबर को

- 10 साल से अधिक पुराने निष्क्रिय खातों पर मिलेगा भुगतान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। जिला लीड बैंक अधिकारी अमित बाजपेयी ने बताया कि बैंक उपभोक्ताओं की सुविधा और जागरूकता के उद्देश्य से 29 अक्टूबर को रघुवर बैंक्वेट हॉल, डीएवी स्कूल के पास, कमलुवागांजा, हल्द्वानी में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस), स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी, जिले की सभी बैंकें, बीमा कंपनियां, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), म्यूचुअल फंड, और पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। शिविर के माध्यम से 10 वर्ष या उससे अधिक समय से दावा न किए गए जमा खातों के खाताधारकों को जागरूक किया जाएगा तथा पात्र लाभार्थियों को मौके पर भुगतान भी किया जाएगा।

एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की शानदार जीत

- देवांश बने मैन ऑफ-द मैच
- स्व. पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल अंडर-14 टूर्नामेंट

हल्द्वानी। हल्द्वानी कोल्ट्स क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में क्लब मैदान पर खेले जा रहे अंडर-14 स्व. पूरन चंद्र बल्यूटिया मेमोरियल बहुदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे मैच में एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हल्द्वानी-11 को 639 रनों से मात देकर पूरे दो अंक हासिल किए। हल्द्वानी-11 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए एकलव्य अकादमी ने अपनी पहली पारी 382 रनों पर घोषित की। टीम के देवांश ने 203 रनों की शानदार दोहरी शतकीय पारी खेली, जबकि गजेंद्र ने 57 और उत्कर्ष ने 40 रन जोड़े। जवाब में हल्द्वानी-11 की टीम पहली पारी में मात्र 53 रन बनाकर ढेर हो गई। दूसरी पारी में एकलव्य क्रिकेट अकादमी ने गजेंद्र 103, दिव्यांश 107 और नक्श 50 रनों की पारी की मदद से 347 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। 667 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए हल्द्वानी-11 की टीम दूसरी पारी में भी केवल 37 रन पर सिमट गई। मैन ऑफ-द मैच का पुरस्कार एकलव्य क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी देवांश को दिया गया। इससे पूर्व मैच का शुभारंभ वरिष्ठ क्रिकेटर संजय चौधरी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस मौके पर नीरज बल्यूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, पंकज गुरुरानी, प्रशांत भंडारी, योगेश चौहान, विक्रम बोरा, विजय आर्या, प्रकाश भगत आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। बैलपड़ाव न्याय पंचायत में विधायक बंशीधर भगत ने चुनावी बिगुल फूंकते हुए भाजपा कार्यकर्ताओ के साथ बैठक कर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजन किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग बैलपड़ाव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण, कोटाबाग राजकीय अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट, बाल रोग एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर की तैनाती, कालाढूंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर एवं तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल करवाने पर बैलपड़ाव, कोटाबाग एवं कालाढूंगी क्षेत्र की जनता ने विधायक भगत को विकास पुरुष की संज्ञा देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक भगत ने सम्मेलन में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ विस्तृत मंथन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, मतदाता संपर्क अभियान चलाने और हर घर तक भाजपा की नीतियों को पहुंचाने का आह्वान किया। भगत ने सम्मेलन के अंत में समस्त कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि भाजपा न केवल कालाढूंगी बल्कि पूरे उत्तराखंड में फिर से प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएगी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष कमलेश पांडे, महामंत्री दीवान सिंह बिष्ट, विनोद बधानी, विधायक प्रतिनिधि मयंक तिवारी, सांसद प्रतिनिधि भगवान तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता कमल नयन जोशी, सुरेंद्र बोरा, प्रधान गंगा बिष्ट, डा. रानी कंबोज, कुलवीर कंबोज, दमयंती फुलारा, कपिल सती, अनिल कंबोज, धर्मानंद सती, हेम पाठक, देवेंद्र बिष्ट, तारा पाण्डे, हरीश, पुष्कर चौहान, चंद्रशेखर बुधलाकोटी, लीलाधर सती, भगवान कंबोज, मनिंदर कंबोज, भरत बुधलाकोटी, शंभू दत्त आदि मौजूद रहे।

कृषकों को वैज्ञानिक तकनीकों की दी जानकारी

- तिलहनी फसलों में सल्फर के उपयोग पर दिया जोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। कृषि विज्ञान केंद्र ज्योलिकोट के वैज्ञानिक डा. कंचन नैनवाल एवं डा. दीपाली तिवारी ने ग्राम फत्ताबंनगर में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत लाही सरसों की अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियां पंत तोरिया-508 एवं पंत पीली सरसा. -1 का बीज एवं अन्य निवेशों का वितरण किया। इस अवसर पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डा. कंचन नैनवाल ने किसानों को लाही सरसों की वैज्ञानिक खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कृषकों से तिलहनी फसलों में सल्फर के प्रयोग करने का आहवान किया और बताया कि सल्फर से न केवल तेल की गुणवत्ता बढ़ती है, बल्कि भूमि की उर्वरता में सुधार होता है और रोगों का प्रकोप भी कम होता है। डा. दीपाली तिवारी ने कार्यक्रम में प्याज की उन्नत उत्पादन तकनीकियों के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर ग्राम के जैविक प्रशिक्षक अनिल पांडे, प्रगतिशील कृषक मोहन लोशाली, दीपा, लक्ष्मी चोपड़ा, गिरीश लौशाली सहित कई किसान मौजूद रहे।

भोजनालय की आड़ में शराब बेचने वाला गिरफ्तार

- काउंटर के नीचे बरामद हुई अंग्रेजी व देसी शराब

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भोजनायल की आड़ में शराब की तस्करी व शराब परोसने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान मंडी पुलिस ने पांडे भोजनालय से बड़ी मात्रा में देसी और अंग्रेजी शराब बरामद की। पुलिस ने भोजनालय के मालिक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार बीते 26 अक्टूबर की रात्रि मंडी चौकी प्रभारी प्रेम विश्वकर्मा और कांस्टेबल अमर सिंह गोरापड़ाव क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। जब उन्हें धौलाखेड़ा स्थित पांडे भोजनालय में शराब बिकने की सूचना मिली, तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति गल्ले पर बैठा हुआ भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी टूट गया और उसकी निशानदेही पर काउंटर के नीचे से भारी मात्रा में देसी और अंग्रेजी शराब बरामद की गई। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम उज्वल राठौर पुत्र बहादुर सिंह राठौर निवासी गोरापड़ाव बताया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह भोजनालय से ही शराब की बिक्री कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुक. दमा दर्ज कर उसे न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नबंर-1 पर बरकरार मंधाना

आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना ने 828 अंकों के साथ अपना दबदबा और मजबूत कर लिया

दुबई, वार्ता। भारत की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपना दबदबा और मजबूत कर लिया है। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 828 अंकों के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 109 और बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद 34 रनों की पारी की बदौलत महिला वनडे क्रिकेट में नंबर 1 बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद शतक की बदौलत छह पायदान चढ़कर दूसरे (731) स्थान पर पहुंच गईं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट 90 और 31 रनों की पारी की बदौलत दो पायदान की छलांग के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गईं। यह भारतीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक शानदार प्रदर्शन है, जिन्हें विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में उनके प्रदर्शन के लिए सितम्बर 2025 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया था। इस बीच, इंग्लैंड की एमी जोन्स चार पायदान चढ़कर नौवें (656) स्थान पर पहुंचकर शीर्ष 10 में शामिल हो गईं, जबकि एनाबेल सदरलैंड ने शीर्ष 40 में सबसे बड़ी छलांग लगाते हुए 16 पायदान चढ़कर 16वें (613) स्थान पर पहुंच गईं। चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों में नहीं खेल पाएंगी प्रतीका रावल, 564 की रेटिंग के साथ शीर्ष 30 (27वें स्थान) पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग (747) में शीर्ष पर बनी हुई हैं, हालांकि लेग स्पिनर अलाना किंग के रूप में एक नई प्रतिद्वंद्वी दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट लिए हैं। किंग अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग 698 के साथ पांच स्थान ऊपर पहुंच गई हैं, और टीम की साथी एश्ले गार्डनर को एक स्थान नीचे तीसरे (689) पर खिसकना पड़ा है। पाकिस्तान की नशरा संधू ने बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा (610) के साथ शीर्ष 10 में प्रवेश किया, जबकि तेज गेंदबाज मारिज़ैन काप और एनाबेल सदरलैंड भी एक स्थान की छलांग लगाकर क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर पहुंच गईं। लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स की एक और प्रतिपादक, लिसे स्मिथ इस हफ्ते सबसे ज्यादा आगे बढ़ीं और 24 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें (444) स्थान पर पहुंच गईं। ऑलराउंडर रैंकिंग में, गार्डनर ने शीर्ष स्थान (रेटिंग 503) पर अपनी पकड़ बनाए रखी, जबकि कैप 422 रेटिंग के साथ वेस्टइंडीज की हेली को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।

18 नवम्बर से शुरू होगा अबू धाबी टी-10

नई दिल्ली, वार्ता। अबू धाबी टी-10 18 नवम्बर से शुरू होकर 30 नवम्बर, 2025 तक चलेगा। इस तेज-तर्रार क्रिकेट टूर्नामेंट में लगभग दो हफ्ते तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिसमें खेल के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे।

सीजन के शुरुआती मैच में क्वेटा क्वालीफायर का सामना नॉर्दर्न वॉरियर्स से होगा, जिसके बाद गत विजेता डेक्कन ग्लेडिएटर्स और दिल्ली बुल्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जहां प्रत्येक टीम लीग चरण के दौरान प्रत्येक टीम से भिड़ेगी।

ग्रुप मैचों के बाद, अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंच जाएंगी। प्लेऑफ चरण 29 नवम्बर, 2025 को क्वालिफायर 1 के साथ शुरू होगा, जिसमें लीग चरण की शीर्ष दो टीमें हिस्सा लेंगी।

इस मैच का विजेता फाइनल के लिए जगह बनाएगा, जबकि हारने वाली टीम को क्वालिफायर 2 में एक और मौका मिलेगा। उसी दिन, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में भिड़ेंगी। इस मैच का विजेता क्वालिफायर 2 में जाएगा, जबकि हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी। क्वालिफायर 2, जो 30 नवम्बर, 2025 को निर्धारित है।

खेल विशेष

अगर आप देश के लिए खेलना चाहते हो, तो इसमें गलत क्या है: शमी

कोलकाता, वार्ता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी में गुजरात के खिलाफ धाकड़ प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर से भारतीय टीम का दरवाज़ा खटखटाया है। शमी ने गुजरात के खिलाफ बंगाल की शानदार जीत में अहम भूमिका निभाते हुए पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में पांच विकेट लिए हैं। अब शमी के इस सीजन में दो रणजी मैचों में 15 विकेट हो गए हैं। बंगाल ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी का यह मुकाबला 141 रन से जीता। मैच के बाद जब शमी से एक बार फिर भारतीय टीम में उनके चयन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि यह मेरा कमबैक मैच था। मैं अच्छी लय में हूं और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहा हूं। फिर जैसे ही शमी से भारतीय टीम के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने हंसते हुए कहा, ष्यह सवाल तो आना ही था। शमी ने कहा कि अगर आप अपने देश की सेवा करना चाह रहे हों तो इसमें क्या ग़लती है। जब इंजरी के बाद वापसी की सोचते हैं तो खुद को प्रूव करने की कोशिश करते हैं। उसके लिए आपको अच्छा प्रदर्शन करना पड़ता है और अच्छी लय में होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वैसे ही (चयन के बारे में दिए गए बयान को लेकर) मैं हमेशा कंट्रोवर्सी में रहता हूं। मुझे विलेन बना दिया गया है। (हंसते हुए) आज के जमाने में सोशल मीडिया ऐसी है कि बात का मतलब कहां से कहां पहुंच जाता है। लेकिन अच्छा प्रदर्शन करना ही मेरा काम है। जहां मौका मिलेगा, अच्छा करने की कोशिश करूंगा। बाकी ऊपर वाले की मर्ज़ी है। बंगाल मेरा घर है। जितने मैच खेल सकूंगा, वो मेरे लिए एक अच्छी याद की तरह होंगे। यह मेरा किसी भी तरह से कोई कमबैक मैच नहीं था। अगर आप यह पिछले साल बोलते तो मुझे समझ में आता।

रणजी ट्रॉफी के तीसरे राउंड में मुंबई के लिए खेलेंगे जायसवाल

- **यशस्वी जायसवाल ने अपनी उपलब्धता मुंबई चयन समिति के अध्यक्ष संजय पाटिल को बता दी**

मुंबई, वार्ता। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल 1 नवम्बर से शुरू हो रहे अगले दौर के रणजी ट्रॉफी 2025-26 मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। मुंबई की टीम इस दौर में जयपुर में राजस्थान के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबला खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद जायसवाल ने द. अफ्रीका के खिलाफ 14 नवम्बर से कोलकाता में शुरू होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज से पहले खुद को मैच फिट रखने की इच्छा जताई है। यह बीसीसीआई के उस निर्देश के अनुरूप है जिसमें सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को उपलब्ध होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, जायसवाल ने अपनी उपलब्धता मुंबई चयन समिति के अध्यक्ष संजय पाटिल को बता दी है। पाटिल और उनकी चयन समिति मंगलवार को समाप्त हो रहे वर्तमान दौर के बाद राजस्थान के खिलाफ मैच के लिए टीम का चयन करेंगे।

अगर जायसवाल खेलते हैं तो यह मई में टीम के प्रति पुनः प्रतिबद्धता जताने के बाद मुंबई के लिए उनकी वापसी होगी। उन्होंने पहले गोवा के लिए एनओसी मांगा था। उन्होंने आखिरी बार मुंबई के लिए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ बीकेसी ग्राउंड पर खेले गए ग्रुप मैच में हिस्सा लिया था। ये वही मैच था जिसमें रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चर्चित रणजी वापसी की थी।

भारत के वर्चस्व की पहली टी-20 परीक्षा कैनबरा में

- **कैनबरा में 1 साल के शानदार प्रदर्शन से बने आत्मविश्वास के साम्राज्य की रक्षा करने के लिए पहुंच रहा है भारत**

कैनबरा, वार्ता। क्रिकेट, जो सबसे अप्रत्याशित निश्चितताओं में से एक है, एक बार फिर संयम और समय की परीक्षा के रूप में सामने आ रहा है। टी-20 वर्चस्व के शिखर पर सवार भारत, कैनबरा में केवल एक मैच खेलने के लिए नहीं, बल्कि एक साल के शानदार प्रदर्शन से बने आत्मविश्वास के साम्राज्य की रक्षा करने के लिए पहुंच रहा है।

आंकड़े कहानी को और पुष्ट करते हैं: एशिया कप में अजेय, टी-20 विश्व चैंपियन का ताज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने पिछले छह में से पांच मुकाबलों में अजेय। लेकिन असली कहानी तब शुरू होती है जब कैनबरा के ठंडे आसमान के नीचे गेंद स्विंग करती है और मनुका ओवल के प्रशंसक उस पुरानी ऑस्ट्रेलियाई धुन को गुनगुनाने लगते हैं - ष्हम घर पर कभी नहीं हारते। सूर्यकुमार यादव एक ऐसी टीम का नेतृत्व करते हैं जो भारत के नए क्रिकेटिंग मूड का प्रतिबिब लगती है। अधीर, अभिव्यंजक और अराजकता से बेखौफ। अभिषेक शर्मा, बगावत से भरी कलाई वाले बालक, तिलक वर्मा अपनी शांत अवज्ञा के साथ, और शुभमन गिल, सफ़ेद कपड़ों के कवि से पावर-हिटर बने - ये सभी भारतीय बल्लेबाजी के बदलते चेहरे का प्रतिनिधित्व करते हैं। और फिर आते हैं जसप्रीत बुमराह, भारत के शांत वज्र। उनके स्पेल ने तेज गेंदबाज़ी की भाषा को नए सिरे से लिखा है। न्यूनतम, सटीक, क्रूर रूप से सुंदर। अगर वह दूधिया रोशनी में लय हासिल कर लेते हैं, तो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी खुद को एक लंबी शाम के चिंतन में डूबा हुआ पा सकते हैं। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया परिचितता और असहजता के एक अजीबोगरीब मिश्रण के साथ आ रहा है। मिचेल मार्श, जो ताकत और बोझ दोनों ढोते हैं, जानते हैं कि उनके खिलाड़ियों में ताकत है - ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड - लेकिन शायद रहस्य नहीं। और एडम जम्पा की चतुराई के बिना, उनकी स्पिन की अलमारी उनकी अपेक्षा से कहीं ज्यादा खाली दिखती है। पिच दोनों पक्षों को परेशान करेगी।

एक ऐसी सतह जो शुरुआत में उछाल, बीच में धैर्य और इंतज़ार करने वालों के लिए इनाम देती है। मौसम अपनी शरारतें कर सकता है, बारिश रणनीति को सहज ज्ञान में बदलने की धमकी दे रही है। टॉस, हमेशा की तरह, अनदेखा बारहवां खिलाड़ी बन सकता है।

होप, पॉवेल और गेंदबाजों ने विंडीज को 16 रनों से दिलाई जीत

- **बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में शाई होप ने 46 और पॉवेल 44 ने शानदार पारी खेली**

चटगांव, वार्ता। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 16 रनों की शानदार जीत के साथ शुरुआत की। कप्तान शाई होप (46) और रोवमैन पॉवेल (44) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मेहमान टीम ने 3 विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और फिर बांग्लादेश को 19.4 ओवर में 149 रनों पर ऑल आउट करके इस स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए, विडीज के बल्लेबाजों ने सतर्क शुरुआत की और पहले दो ओवरों में केवल छह रन ही बना पाए। एलिक अथानाज़े को दो बार जीवनदान मिला - पहला तब जब बांग्लादेश ने उन्हें डायरेक्ट हिट से रन आउट करने का मौका गंवा दिया और फिर जब उनका गलत शॉट सर्कल के ठीक बाहर सुरक्षित रूप से जा गिरा।

तस्कीन अहमद अपने दूसरे ओवर में बेकाबू साबित हुए और उन्होंने तीन वाइड फेंकी और तीन चौके खाए जिससे वेस्टइंडीज को शुरुआत में ही बढ़त मिल गई। सलामी बल्लेबाजों ने 59 रनों की साझेदारी की, लेकिन नौवें ओवर में रिशाद हुसैन की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में अथानाज़े बोल्ड हो गए। वेस्टइंडीज ने अगले दोनों ओवरों में एक-एक छक्का लगाया, जिसके बाद मुस्तफिजुर रहमान ने एक कड़ा ओवर फेंका। इसके बाद मेहमान टीम को दोहरा झटका लगा जब तस्कीन ने 13वें ओवर में लगातार गेंदों पर ब्रैंडन किंग और शेरफेन रदरफोर्ड को आउट कर दिया।

ओलंपियाड की बोली लगाने और विवादास्पद मुद्दों पर चर्चा होगी

चेन्नई, वार्ता। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) की गोवा में होने वाली बहुप्रतीक्षित वार्षिक आम बैठक में कुछ विवादास्पद मुद्दों के अलावा, 2030 शतरंज ओलंपियाड की भारत द्वारा मेजबानी और अन्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों सहित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। आमतौर पर, एआईसीएफ की वार्षिक आम बैठक जून में होती है, लेकिन इस बार यह 30 अक्टूबर को गोवा में होगी, जहां फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। पता चला है कि लेखापरीक्षित खातों को वार्षिक आम बैठक की सूचना और कार्यसूची के साथ सदस्यों को वितरित नहीं किया गया है। कार्यसूची के विषयों में से एक 2030 शतरंज ओलंपियाड और अन्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए रुचि पत्र आमंत्रित करना है।

अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियन बने सुजीत

सर्बिया, वार्ता। भारतीय पहलवानों ने सर्बिया के नोवी साद में अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में एक शानदार अभियान का समापन किया और कुल नौ पदक - एक स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य - जीते। पुरुष और महिला फ्रीस्टाइल तथा ग्रीको-रोमन कुश्ती में 10-10 भार वर्गों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिसमें भारत ने पुरुषों के फ्रीस्टाइल 125 किग्रा को छोड़कर प्रत्येक वर्ग में एक एथलीट को शामिल किया। दुनिया भर के लगभग 700 पहलवानों ने सर्बियाई शहर में प्रतिस्पर्धा की। सुजीत कलकल ने कल पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को विजयी अंत दिलाया। सुजीत ने अंतिम मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव, जो सीनियर विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और पूर्व अंडर-20 चैंपियन हैं, पर 10-0 से जीत हासिल की। उनकी जीत अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के आठ संस्करणों के इतिहास में भारत का चौथा स्वर्ण पदक है। अमन सेहरावत (पुरुष 57 किग्रा) ने 2022 में पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि 2023 में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के ध्वज तले प्रतिस्पर्धा करने वाली रीतिका हुड्डा ने 2023 संस्करण में महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। पिछले साल अल्बानिया के तिराना में आयोजित चैंपियनशिप में चिराग चिक्कारा ने पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था। इस वर्ष के संस्करण में कुल मिलाकर, भारतीय पहलवानों ने एक स्वर्ण, एक रजत और सात कांस्य पदक हासिल किए। इससे पहले, विश्वजीत मोरे ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में ग्रीको-रोमन 55 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत का खाता खोला। यह अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में उनका लगातार दूसरा कांस्य पदक है, इससे पहले उन्होंने 2024 में भी ऐसा ही किया था। पूर्व अंडर-20 विश्व चैंपियन प्रिया मलिक ने 76 किग्रा वर्ग में महिलाओं का पहला फ्रीस्टाइल पदक-एक कांस्य-जीता। एशियाई अंडर-20 चैंपियन नेहा शर्मा ने भी महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में अपना तीसरा पदक अपने नाम किया।

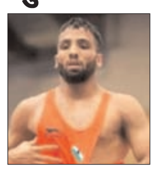

- **सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को विजयी अंत दिलाया**

इंग्लैंड को सेमीफाइनल से पहले सोफी के ठीक होने की उम्मीद

गुवाहाटी, वार्ता। इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन के एमआरआई स्कैन से पता चला है कि उनके कॉलर बोन के पास के जोड़ में मामूली चोट लगी है। बुधवार (29 अक्टूबर) को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप सेमीफाइनल से पहले उनकी स्थिति का आकलन किया जाएगा। इस झटके के बावजूद, इंग्लैंड क्रिकेट टीम को उम्मीद है कि वह समय पर फिट हो जाएंगी और मैच में खेलेंगी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के बयान में कहा गया है कि सोफी एक्लेस्टोन के बाएं कंधे के एमआरआई स्कैन के नतीजों से पता चला है कि उनकी कॉलर बोन के पास के जोड़ में मामूली चोट लगी है। बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप सेमीफाइनल से पहले उनकी स्थिति का आकलन जारी रहेगा। एक्लेस्टोन ने इंग्लैंड के सेमीफाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने 6 मैचों में 3-98 की इकॉनमी से 12 विकेट लिए हैं और इस टूर्नामेंट में अपनी साथी लिसे स्मिथ के साथ संयुक्त रूप से पांचवीं सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। इंग्लैंड 11 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा, उसने पांच मैच जीते और एक मैच बारिश के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अंक साझा किए।

भारत क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में सुधार करे: सूर्या

- **ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1 बनाम 2 टी-20 सीरीज से पहले, कैनबरा में भारत के वैकल्पिक सत्र में यह उत्साह फिर से दिखाई दिया**

कैनबरा, वार्ता। भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ज़ोर देकर कहा है कि भारत को क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में सुधार करना चाहिए। इन दिनों भारत के क्षेत्ररक्षण अभ्यासों में एक खास तरह का उत्साह दिखाई देता है। इस अभ्यास में कि माहौलष शब्द का इस्तेमाल अक्सर, और हमेशा एक खास उद्देश्य के साथ किया जाता है। इसका उद्देश्य एक ऐसी ऊर्जा का निर्माण करना है जो इतनी संक्रामक हो कि वह टीम को खेल के सबसे नीरस दौर से भी उबार सके। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ '1 बनाम 2' टी-20 सीरीज़ से पहले, कैनबरा में भारत के वैकल्पिक सत्र में यह उत्साह फिर से स्पष्ट दिखाई दिया। क्षेत्ररक्षण, खासकर कैचिंग, उन कुछ क्षेत्रों में से एक रहा है जहां भारत टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अपनी सर्वोच्च रैंकिंग की बराबरी करने के लिए संघर्ष करता रहा है। हाल ही में हुए एशिया कप के दौरान भी, जहां उन्होंने बिना कोई मैच हारे जीत हासिल की, क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। इसका एक कारण दुबई में रिंग-ऑफ-फायर लाइट्स भी हो सकता है, लेकिन 12 कैच छूटने - जो किसी भी टीम द्वारा सबसे ज्यादा हैं। ने एक अन्यथा प्रभावशाली अभियान पर एक दाग लगा दिया। 2025 की शुरुआत से, भारत की कैचिंग दक्षता 82.7प्रतिशत है और पूर्ण सदस्यों में यह केवल पांचवां स्थान है। कप्तान सूर्यकुमार यादव इस संख्या में सुधार करने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि उनकी टीम अगले साल अपने टी20 विश्व कप खिताब की रक्षा करने की तैयारी कर रही है। सूर्यकुमार ने मंगलवार को कहा कि मेरे हिसाब से, कैच छूटेंगे ही। अगर आप फील्डर हैं, तो कैच लेने की कोशिश करेंगे, कैच छूटेगा ही। ठीक वैसे ही जैसे अगर आप बल्लेबाज हैं, तो आउट होंगे। या अगर आप गेंदबाज हैं, तो आप सही जगह पर गेंद डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन विकेट नहीं ले पाएंगे। ये सब खेल का हिस्सा हैं। लेकिन मेरे हिसाब से, उसके बाद आप क्या करते हैं, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। आज एक वैकल्पिक सत्र था। लेकिन आज सभी फील्डिंग करने आए। इसका मतलब है कि टीम वाकई कुछ खास करने की दिशा में काम कर रही है। और यह एक ऐसा विभाग है जिसके बारे में मैंने कहा है कि अगर हमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ फील्डिंग इकाई बनना है, तो हमें कड़ी मेहनत करनी होगी। आप देखिए कि कितनी टीमें अच्छे कैच पकड़ती हैं, अच्छी फील्डिंग करती हैं, फील्डिंग के दम पर मैच जीतती हैं। तो अगर बल्लेबाजी हल्की हो या गेंदबाजी थोड़ी-बहुत हो, लेकिन फील्डिंग में, अगर आप एक चीज सही करते हैं।

श्रेयस अय्यर की हालत स्थिर

- **डॉक्टरों ने पुष्टि की है कि अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें आईसीयू से बाहर कर दिया**

सिडनी, वार्ता। भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार के संकेत मिले हैं। डॉक्टरों ने आज पुष्टि की है कि अब उनकी हालत स्थिर है और उन्हें सिडनी के एक अस्पताल के आईसीयू से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान मैदान पर लगी गंभीर चोट के कारण आंतरिक रक्तस्त्राव के बाद 30 वर्षीय श्रेयस अय्यर को अस्पताल ले जाया गया था।

अय्यर को यह चोट फील्डिंग के दौरान लगी थी जब उन्होंने एलेक्स कैरी का शानदार कैच लेने के लिए पीछे की ओर डाइव लगाई थी। इस चोट के कारण उनकी बाईं पसली के नीचे गंभीर चोट आई, जिससे आंतरिक रक्तस्राव हुआ और शरीर के महत्वपूर्ण अंगों के काफी करीब चोट लगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर के महत्वपूर्ण मापदंडों में उतार-चढ़ाव के बाद तुरंत कार्रवाई की और उन्हें पास के एक अस्पताल ले जाया गया। बीसीसीआई ने कल एक बयान जारी कर अय्यर की चोट की प्रकृति और गंभीरता की पुष्टि की। बयान में कहा गया है। श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर 2025 को सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाईं पसली के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। उन्हें आगे की जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। स्कैन से पता चला है कि उनकी तिल्ली में कट लग गया है। उनका इलाज चल रहा है, उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। बोर्ड ने यह भी पुष्टि की है कि भारतीय टीम के डॉक्टर अय्यर की दैनिक प्रगति पर नजर रखने के लिए सिडनी में उनके साथ रहेंगे।

उगते सूरज को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा सम्पन्न

घाटों पर जुटी भारी भीड़, कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता ने किया चाय पकौड़ी का प्रसाद वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 4 दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद संपन्न हो गया। छठ व्रतियों ने गंगा घाटों पर उगते सूर्य की उपासना की। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास भी खत्म हुआ।

जानकारी के अनुसार चार दिनों तक चलने वाले छठ महापर्व उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद संपन्न हो गया। रुड़की में आज सुबह चार बजे से ही सभी घाटों पर छठ पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। महिलाओं ने गंगा के पानी में खड़े होकर छठ मैया की आराधना की और उनसे संतान की दीर्घायु और जीवन में नई ऊर्जा की कामना की। गाय के दूध और जल से भगवान सूर्य नारायण को अर्घ्य दिया वहीं फलों आदि से भोग अर्पित किया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी

भी की गई। वहीं पूर्वांचल एकता समिति ने लक्ष्मी नारायण और संत रविदास घाट पर विशेष इंतजाम किए पूजा के बाद श्रद्धालुओं को उनकी प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर जेपी उपाध्याय, अभय पांडेय,वीरेंद्र शुक्ला,सुभाष सरीन, हर्ष प्रकाश काला, सुशील उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता ने बांटा प्रसाद.. छठ पूजा में सुबह सुबह घाटों पर पहुंचे श्रद्धालुओं को कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता ने चाय पकौड़ी का प्रसाद वितरित किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से आस्था का यह सैलाब गंगा के घाटों पर उमड़ा है यह हमारे देश की सनातन संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कामना की कि छठ मैया का आशीर्वाद शहरवासियों पर बना रहे। इस दौरान मनोज गोयल (सोनू),दीपक अरोड़ा आदि मौजूद रहे। **बाल्मीकि घाट पर की पूजा..** ढंडेरा से नगर पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़े रवि राणा ने श्रद्धालुओं के साथ छठ पूजा में भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा नेत्री किरण सिंह एवं अन्य क्षेत्र के लोगों ने छठ पूजा कर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया।

धारदार हथियारों से हमले का आरोप, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की ब्लॉक के नगला कुबड़ा निवासी एक व्यक्ति ने ग्राम प्रधान एवं उसके साथी पर गली गलौज एवं धारदार हथियारों से हमले का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी तहरीर में शाहबाज पुत्र मुज्जमिल हसन निवासी ग्राम नगला कुबडा ने बताया कि वह अपने ग्राम नगला कुबडा से ग्राम सिरचंदी जा रहा था तभी ग्राम रुहाल्की में जोहड के पास पहुंचते ही ग्राम नगला कुबडा के प्रधान सदाकत पुत्र शराफत एवं असजद पुत्र जानआलम ने उसके साथ मारपीट एवं माँ-बहन की गाली-गलौच एवं धारदार हथियारो से जान से मारने की नियत से हमला किया। शिकायतकर्ता के अनुसार जैसे-तैसे उसने उनसे अपनी जान बचाई। शिकायतकर्ता ने मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वही पुलिस ने तहरीर के आधार पर ग्राम प्रधान एवं उसके साथी के खिलाफ संबोधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लंढौरा में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से आमजन हुए परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। कस्बे में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से आमजन परेशान है। नगर पंचायत द्वारा कस्बे की नालियों में कीटनाशक व फॉगिंग नहीं कराने से कस्बे के लोगों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियां का डर सताने लगा है। लोगों ने मच्छरों के बढ़ते प्रकोप की रोकथाम के लिए कस्बे में कीटनाशक दवाइयों व फॉगिंग कराने की मांग की है।

लंढौरा इन दिनों बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से कस्बे के लोग परेशान है। शाम होते ही मच्छरों की फौज लोगों दुकानदारों का खून चूसना शुरू कर देती हैं। मच्छरों की संख्या में बढ़ोतरी होने से लोग रात में सुकून की नींद नहीं सो पा रहे हैं। कस्बे के शीशपाल कश्यप, अमित गिरी, असलम, तौसिफ, रविकान्त, रिजवान, संदीप आदि लोगों का कहना है कि कस्बे में नालो और नालियों में जमा गंदगी के कारण मच्छरों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। जिस कारण वह ठीक से सो भी नहीं पा रहे हैं। शाम होते ही मच्छरों का झुंड परेशान करना शुरू कर देता है। लोगों का कहना है कि नगर पंचायत द्वारा अभी तक ना तो कस्बे में कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव किया गया है। ओर ना ही फॉगिंग मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। लोगों में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियां फैलने का भय भी बना हुआ है। लोगों ने मच्छरों के पनपते लार्वा की रोकथाम को लेकर नगर पंचायत प्रशासन से नालों,नालियों व कूड़े वाले स्थानों में दवा और डीडीटी छिड़काव व फॉगिंग के इस्तेमाल की मांग की है। अधिशासी अधिकारी हेमंत गुप्ता का कहना है कि सफाई नायकों व कर्मचारियों को नालों,नालियों तथा वार्डों में साफ सफाई रखने तथा कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

मोहम्मदपुर पांडा गांव के जंगल में विद्युत लाइन

काट रहा चोर करंट लगने से झुलसा , साथी फरार

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर पांडा गांव के जंगल में सोमवार की रात चोरों ने ऊर्जा निगम की इमलीखेड़ा फीडर की ।। केवी बिजली लाइन को काटकर करीब डेढ़ सौ मीटर तार चोरी कर लिया। चोर दो तार पहले ही काट चुके थे। तीसरे तार को काटने के दौरान एक युवक करंट की चपेट में आ गया। और पोल पर ही चिपक गया।

ऊर्जा निगम के उपखंड अधिकारी अनिता सैनी ने बताया कि देर रात क्षेत्र में अचानक बिजली की ट्रिपिंग हुई। कर्मचारियों ने फॉल्ट खोजने के बाद दोबारा लाइन चालू करने की कोशिश की तो फिर से ट्रिपिंग हो गई।इसी तरह तीन बार ट्रिपिंग हुई। इस पर निगम के लाइनमैनो की टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची।जब टीम मोहम्मदपुर पांडा गांव के जंगल में पहुंची तो एक पोल पर एक युवक करंट से झुलसा हुआ पोल से चिपक रहा था। मौके पर ।। केवी लाइन के दो तार कटे हुए पाए गए। तीसरे तार को काटने के दौरान युवक को करंट लग गया।मामले की सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।ऊर्जा निगम के कर्मचारियों और पुलिस

ने हाइड्रा क्रेन से झुलसे युवक को नीचे उतारा। झुलसे युवक को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया।दूसरे युवक को पुलिस के हवाले किया गया। उपखंड अधिकारी अनिता ने बताया कि मोहम्मदपुर पांडा गांव के जंगल से ।। केवी के करीब डेड सौ मीटर तार चोरी हुआ है।करीब पौने दो घँटे बिजली आपूर्ति बाधित रही।इस समय क्षेत्र में चोर सक्रिय है।कई जगहों पर चोरों ने नलकूपों के ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त कर उनके उपकरण चोरी कर चुके है। इससे पहले भी मार्च में मोहम्मदपुर पांडा में लाइन को काटने का प्रयास किया था।ऊर्जा निगम की ओर से जेई गोपाल सैनी, और फैजल की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है।एसएसआई बीएस चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

पुलिस ने नकदी समेत एक सटोरिया दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रूडकी पुलिस द्वारा स्ट्टे की खाईबाडी करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही की गयी जिसमें एक अभियुक्त को स्ट्टे की खाई बाड़ी करते धर दबोचा है। जिसके कब्जे से स्ट्टा कॉपी, पेन, व 1020/ रू0 नगदी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को अवैध शराब, स्मैक, चरस, गांजा पीने/बेचने/जुआ/स्ट्टा खाई बाड़ी करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये थे । जिसके क्रम मे प्रभारी निरीक्षक मनीष उपाध्याय कोतवाली रूडकी द्वारा कोतवाली क्षेत्रांतर्गत कार्यवाही हेतु सभी हल्का व बीट कर्मीयो को निर्देशित किया गया था जिसके क्रम मे एक अभियुक्त को स्ट्टे की खाईबाडी करते हुये ग्रीन पार्क कालोनी रूडकी से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से स्ट्टा कॉपी,पेन व नगदी 1020/रू0 बरामद हुयी है । अभियुक्त के विरुद्ध थाना हाजा पर मुकदमा अपराध संख्या 384/2025 धारा 13 जुआ अधिनियम पंजीकृत किया गया है। 'नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त-अहसान पुत्र अनवर निवासी ग्रीन पार्क कालोनी कोतवाली रूडकी जनपद हरिद्वार। उससे स्ट्टा कॉपी, पेन, व नगदी 1020 रू0 बरामद किय है। पुलिस टीम में हेकानि0 विपिन कोतवाली रूडकी कानि0 सुरेश तोमर, हेकानि0 संदीप कुमार कोतवाली रूडकी शामिल रहे।

शांति व्यवस्था भंग करने पर एक युवक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने पर 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। बाद को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार चेतक कांस्टेबल प्रेम बल्लभ होमगार्ड योगेंद्र के देखरेख क्षेत्र शांति एवं कानून व्यवस्था रोकथाम जुर्म जरायम अंदर इलाका थाना हाजा क्षेत्र में रवाना थे, जब हम कर्मचारी गण गस्त करते हुए सलेमपुर पहुंचे तो वहां पर काफी भीड़ इकट्ठा थी जाकर देखा तो एक व्यक्ति विकास पुत्र राजेंद्र निवासी सलेमपुर रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार अपनी पत्नी नीलम के साथ आमदा फसाद हो रहा था जिसे हम पुलिस कर्मचारी गणों द्वारा काफी समझाया गया किंतु नहीं माना और उत्तेजित होने लगा। शांति व्यवस्था भंग होने के दृष्टिगत उक्त व्यक्ति को उसके जुर्म धारा से अवगत कराते हुए धारा 170 से अवगत कराते हुए गिरफ्तार किया गया। बाद आवश्यक कार्यवाही अभियुक्त विकास उपरोक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

गिरफ्तार अभि0 विकास पुत्र राजेंद्र निवासी सलेमपुर रुड़की कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार उम्र 40 वर्ष का पकडने वाली पुलिस टीम' में उप निरीक्षक प्रवीण बिष्ट-कांस्टेबल प्रेम बल्लभ-होमगार्ड योगेंद्र आदि शामिल रहे।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस का हंटर, तीन गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लक्सर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रात चेकिंग के दौरान तीन व्यक्तियों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुये गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार उच्चाधिकारियों के आदेशों का पालन करते हुए, लक्सर पुलिस की अलग-अलग टीमों ने थाना क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान में शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात के अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर फोकस किया गया।रात्रि चेकिंग के दौरान, लक्सर पुलिस ने धारा 185/207 मोटर वाहन अधिनियम के तहत तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जो शराब के नशे में वाहन चला रहे थे। पुलिस ने न सिर्फ उन्हें गिरफ्तार किया, बल्कि उनके वाहनों को भी मौके पर सीज कर दिया गया है। इसके साथ ही, इन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) को रद्द करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, यातायात के नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य चालकों के विरुद्ध भी मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किए गए। मोटर वाहन अधिनियम में की गई कार्यवाही: 3 चालान 185 एमवी एक्ट: ड्रंकन ड्राइव शराब पीकर गाड़ी चलाना 9 चालानों से 4500/- संयोजन शुल्क वसूला गया। गिरफ्तार व्यक्तियों का विवरण धारा 185/207 एमवी एक्टअमन पुत्र निनेन्द्र उर्फ नरेन्द्र, निवासी दरगाहपुर, मुकर्रम पुत्र मनवर अली, निवासी ग्राम नेन्दपुर सुठारी संजय पुत्र बीरम सिंह, निवासी टाण्डा मेहतोली, कोतवाली लक्सर।यह कार्रवाई दर्शाती है कि लक्सर पुलिस सड़कों पर सुरक्षा बनाए रखने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती बरतने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस टीम में उप-निरीक्षक नरेंद्र सिंह और बीरेंद्र नेगी के साथ कांस्टेबल अरविंद चौहान, अमित रावत, मदन वर्मा और बीरेंद्र शामिल थे पकड़े गए तीनों व्यक्तियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

शांति व्यवस्था भंग करने पर तीन आरोपी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने पर 03 अभियुक्त को धारा 170 में किया गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें न्यायालय पेश किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार दिनांक 27.10.2025 को पुलिस पार्टी ढण्डेरा क्षेत्र में मामूर थे कि कंट्रोल रूम 112 द्वारा पुलिस को सूचना मिली कि दो पक्षों में ढण्डेरा में सड़क सरेआम शोर शराबा व आपस में लड़ाई झगड़ा कर रहे हैं सूचना पर पुलिस पार्टी मौके पर पहुंचे तो दोनों पक्ष आपस में लड़ झगड़ रहे थे जिनको पुलिस गस्त पार्टी द्वारा समझने का प्रयास किया गया लेकिन नहीं माने एवं और उत्तेजित होकर आपस में मरने मरने पर उतारू हो गए कोई और चारा ना देख अंतर्गत धारा 170 में गिरफ्तार किया गया जिन्हें न्यायालय पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त 1.सोहेल पुत्र रियासत निवासी ग्राम ढण्डेरा कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार 2. मुजम्मिल उर्फ सोनू पुत्र यासीन निवासी ग्राम ढण्डेरा थाना कोतवाली रूडकी जनपद हरिद्वार 3.रूद्र पुत्र स्व0 राजकुमार निवासी ग्राम ढण्डेरा कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार है। पुलिस टीम में उ0नि0 ध्वजवीर सिंह पंवार, हेड कांस्टेबल तेजेन्द्र सिंह चौहान, कांस्टेबल अनिल चौहान, होमगार्ड ईश्वर सिंह आदि शामिल रहे।

विजिलेंस टीम की छापेमारी, विद्युत चोर पकड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। ऊर्जा निगम की टीम विजिलेंस टीम ने क्षेत्र के गांव में छापामारी करते हुए एक विद्युत उपभोक्ता को विद्युत चोरी करते रहेंगे हाथ पकड़ लिया इसके खिलाफ पुलिस में तहरीर देकर विद्युत चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

अवर अभियंता शिमायला ने बताया कि देहरादून से आई विजिलेंस टीम तथा ऊर्जा निगम टीम द्वारा संयुक्त रूप से क्षेत्र के गांव बूडपुर नूरपुर में विद्युत चोरी रोकने के लिए छापेमारी की गई ऊर्जा निगम की टीम द्वारा छापेमारी के दौरान गांव निवासी सुंदर सिंह निवासी पाल बस्ती बुडपुर नूरपुर विद्युत सर्विस लाइन पर अतिरिक्त केबल डालकर घरेलू उपयोग के लिए विद्युत चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया विद्युत चोरी करने वाले उपभोक्ता के चोरी करने वाले केबल को जप्त कर लिया गया तथा पुलिस को मामले की तहरीर देकर विद्युत चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया है थाना अध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि ऊर्जा निगम अधिकारी की ओर से मिली तहरीर के आधार पर विद्युत चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने एक वारंटी दबोचा

झबरेड़ा। पुलिस ने न्यायालय से वांछित चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कार्यालय के समक्ष पेश किया है। झबरेड़ा थाना अध्यक्ष अजय शाह ने बताया कि न्यायालय से प्राप्त गैर जमानती वारंटी की धर पकड़ के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के आदेश पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा न्यायालय से वांछित चल रहे वारंटी विशाल पुंडीर निवासी सायलाखुर्द थाना देवबंद जिला सहारनपुर उत्तर प्रदेश को । दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

खोया-पाया सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरी शिक्षा राज इंटर कॉलेज रामनगर सुल्तानपुर कुन्हारी हरिद्वार उत्तराखंड 10 अक्टूबर 2004 छात्र रजिस्टर व स्थानांतरण प्रमाण-पत्र संख्या 10060 वास्तव में कहीं खो गई है जिसका प्रयोग किसी अन्य को अवैध होगा। अक्षय कुमार पुत्र नौबहार नि. ग्राम-फूलगढ़, पोस्ट-सुल्तानपुर, जिला हरिद्वार।

राज्यमंत्री देशराज ने झबरेड़ा विस क्षेत्र में शिविर लगाकर सुनीं जनसमस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। देशराज कर्णवाल उपाध्यक्ष, समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति, राज्य मंत्री स्तर के नेतृत्व में प्बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण बहुउद्देशीय शिविर॰ का विधानसभा झबरेड़ा, ब्लॉक नारसन के 3 गांवो में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे शोभाराम प्रजापति उपाध्यक्ष माटी कला बोर्ड राज्य मंत्री स्तर उत्तराखंड सरकार व प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अनीश गौड भी शिविर कार्यक्रम उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कुल 55 शिकायत इस प्रकार प्राप्त हुई है-रामनगर-15 मखदूमपुर-19 सढ़ौला माजरा-21 शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की जनसमस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान करना तथा समाज कल्याण व अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना रहा। शिविर में तीनो गांवो के समस्त सम्मानित लोगों ने पानी की टंकी व गांव की चारो और साफ सफाई की मूल समस्या का प्रस्ताव रखा जिसको जल्द ही शासन प्रशासन को प्रेषित किया जायेगा। शिविर में क्षेत्रीय नागरिकों ने सैकड़ो सैकड़ो की संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक अपनी समस्याएं संबंधित कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं। इनमें कई समस्या एक जैसी थी जैसे किसान सम्मान निधि, सफेद

व पीला राशन कार्ड, आवास योजना, आधार कार्ड, छात्रवृत्ति, दिव्यांग पेंशन, वृद्धा पेंशन व विधवा पेंशन, पुलिया व शौचालय आदि जैसी कई समस्या सामने आयी, जिसमे से 20 समस्याओं का समाधान शिविर स्थल पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा निस्तारित किया गया, जबकि कुछ जिला स्तर की समस्याएं थीं जिन्हें समाधान हेतु जिलाधिकारी महोदय व शासन को प्रेषित किया जाएगा।

गन्ने के खेत में मिला 16 फुट लंबा अजगर

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर के रायपुर क्षेत्र से आगे एक किसान के गन्ने के खेत में 16 फुट लंबा विशालकाय अजगर मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अजगर को देखते ही गन्ना छील रहे किसानों और आस-पास के लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस लीवन रेंज अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्हें किसान के गन्ने के खेत में एक बहुत बड़े अजगर के पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना की गंभीरता को देखते हुए, तुरंत ही वन विभाग की टीम को रवाना किया गया।

रेंज अधिकारी ने बताया कि वन विभाग की टीम ने जान पर खेलकर और घंटों कड़ी मशक्कत करते हुए इस करीब 16 फुट लंबे अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। टीम के इस साहसी प्रयास के बाद ही गन्ना छील रहे किसान और अन्य ग्रामीण चैन की सांस ले पाए। रेस्क्यू किए गए अजगर को बाद में वन विभाग की टीम द्वारा सुरक्षित स्थान पथरी जंगल में छोड़ दिया गयास्थानीय सभासद अंकुर चौधरी (वार्ड नंबर 8) ने बताया कि गांव के किसान के खेत में अजगर होने की सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई थी। उन्होंने वन विभाग की टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने बिना देर किए लगभग 16

फुट लंबे अजगर का रेस्क्यू कर लिया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले शाम को खानपुर में खाटू श्याम मंदिर के पास से भी वन विभाग की टीम ने एक और विशाल अजगर का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया था।लक्सर में अजगर मिलने की यह लगातार दूसरी घटना है, जो इस बात का संकेत देती है कि बरसात के बाद ये वन्यजीव रिहायशी इलाकों के करीब आ रहे हैं। इस सफल रेस्क्यू में वन विभाग की टीम में शिवकुमार गुप्ता, भोपाल सिंह, रोहित सैनी और गुरजंट सिंह शामिल रहे।

खेत में पड़ा मिला 18 वर्षीय युवक का शव

गर्दन रेत कर की गई हत्या, पुलिस जांच में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। 18 वर्षीय युवक का शव दो हिस्सों में कटा मिला है। युवक बीती शाम से लापता था। परिजन उसकी तलाश में जुटे थे। वहीं हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुटी रही वहीं पुलिस के आला अधिकारियों ने भी घटना स्थल पर पहुँचकर जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार 18 वर्षीय आशु पुत्र इसरार निवासी रामपुर ऋषिकेश में फर्नीचर का काम करता है। फिलहाल वह अपने घर आया हुआ था कल शाम संदिग्ध परिस्थितियों में युवक घर से लापता हो गया परिजन उसकी तलाश में जुटे थे आज शाम रामपुर के समीप स्थित पेट्रोल पंप के पीछे खेतों में किसी ने एक युवक का शव पड़ा देखा जिसकी गर्दन रेती हुई थी सूचना परिजनों को दी गई। इसके साथ ही सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। वहीं घटना की जानकारी पाकर काफी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर इकट्ठे हो गए। वारदात के बाद रुड़की सीओ नरेंद्र पंत एवं एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल भी मौके पर पहुंचे और मामले में जानकारी

ली। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेने के साथ पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी और मामले की जांच भी शुरू कर दी है।

सम्पादकीय

बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

इजरायल से रक्षा डील

समय की मांग के अनुसार भारत अपनी जल, थल, वायु, सुरक्षा को पूरी तरह सुरक्षित रखने के लिए गंभीर दिखाई दे रहा है और इसके लिए उसने प्रयास भी कर रखे हैं। जो रंग लाते भी दिखाई दे रहे हैं। भारतीय नोसैना का स्वदेश निर्मित सर्वेक्षण पोत इक्षक 6 नवंबर 2025 को कोच्चि के नोसैना अड्डे पर कमीशन किया जाएगा, तो वहीं इंडियन एयरफोर्स ने 6 नए मिड एयर रीफ्यूलिंग (हवाई ईंधन भरने वाले) विमान शामिल करने के लिए इजरायल की कंपनी से 8 हजार करोड़ की डील अंतिम दौर में है। यह कंपनी इजरायल सरकार के स्वामित्व वाली इजरायल एयरक्राफ्ट इंडस्ट्रीज (आईएआई) है। बताया जा रहा है कि इस डील के लिए रूस और यूरोप की कंपनियां भी दौड़ में थी, लेकिन बाजी भारत के हाथ लगी। क्योंकि वह तकनीकी शर्तें और मैक इन इंडिया नियम पूरे नहीं कर पाईं। आईएआई ने ऑफसेट नीति के तहत लगभग 30 फीसदी मैक इन इंडिया सामग्री शामिल करने पर सहमति जताई है। डील के तहत पुराने बोइंग 767 कमीशन विमानों में बदलाव कर उन्हें टेंकर विमानों में बदला जाएगा। इतना ही नहीं नई डील बताती है कि बोइंग 767 विमान को मिड एयर रिफ्यूलिंग विमान में कनवर्ट किया जाना है। यह सौदा बताता है कि भारत इजरायल एक-दूसरे की जरूरत को ध्यान में रखते हुए रक्षा सौदों में आगे बढ़ रहे हैं और उनके बीच अच्छी समझ बन रही है। यह डील भी उसी का परिणाम है। यहां ध्यान देने की बात यह भी है कि भारत सरकार पिछले 15 सालों में कई बार नए टैंकर विमान खरीदने के प्रयास कर चुकी है, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से सौदा अधूरा रह जाता है। वायु सेना अपने पुराने विमानों को धीरे-धीरे हटा रही है। इंडियन आर्मी और एयरफोर्स अपने पुराने चेतक और चीता हेलिकॉप्टरों को हटाकर 200 नए हेलिकॉप्टर खरीदने की तैयारी कर रही है। इनमें 120 हेलिकॉप्टर भारतीय सेना और 80 हेलिकॉप्टर वायु सेना को दिए जाएंगे। ये हेलिकॉप्टर दिन और रात दोनों समय में काम कर सकेंगे। और कई इसी तरह के रक्षा सौदे होने हैं इनमें भारतीय कंपनियों को शामिल करने की बात कही जा रही है। हेलिकॉप्टर सौदे में भी भारतीय कंपनियों को शामिल किया जाएगा जो विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी कर हेलिकॉप्टर बना सकें। मोदी सरकार पर यह आरोप बराबर लगता रहा है कि वह इजरायल के प्रति उदार रही है। यह सब इसलिए है कि वह इजरायल के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने में लगी है। गाजा जैसे संवेदनशील मामले में भी वह चुप्पी साधे है। हजारों करोड़ रुपये की यह डील बताती है कि भारत के इजरायल से रिश्ते अब नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। इजरायल रक्षा सौदों में हाल के वर्षों में बड़े सहयोगी देश के रूप में सामने आया है। सिंदूर ऑपरेशन के समय में भी उसकी भागेदारी की बात सामने आई थी, जो आपसी मित्रता की मजबूती को दर्शाती है।

नफरत, वैमनस्य और अराजकता फैलाने वाले बयान

मुस्लिम लड़की लाओ, नौकरी पाओ जैसे संकीर्ण और घृणित बयान समाज में नफरत, वैमनस्य और अराज. कता फैलाने वाले हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार को सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए, यूपी और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और इस तरह के भड़काऊ नारों के नाम पर कानून को अपने हाथ में लेकर साम्प्रदायिक और जातीय द्वेष फैलाने वाले तत्वों की हरकतें भी अति-निंदनीय हैं, ऐसे असामाजिक व आपराधिक कृत्य संवैधानिक सरकार के लिए खुली चुनौती और खतरा हैं।

-सुश्री मायावती, अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी

देश के विकास को गति देने के लिए न्यायिक सुधार आवश्यक

विजय शंकर पांडेय

अगर हम विश्व के अन्य विकसित देशों की विकास के पथ पर की गई यात्रा पर दृष्टिपात करें तो हम पाएंगे कि इन सभी राष्ट्रों ने सबसे पहले न्याय व्यवस्था, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य को पुख्ता करने का काम किया लेकिन इनमें से भी सबसे पहले न्याय व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त किए बिना यह देश शायद ही अपना वांछित लक्ष्य प्राप्त करने में सफल हो पाते , यह स्पष्ट है।

पिछले सप्ताह ही एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने निचले न्यायालयों में मामलों के निस्तारण में वर्षों का समय लगने पर गम्भीर चिंता व्यक्त की और कहा कि जहां मामले के निस्तारण होने में सालों लग जाते हैं वहीं निर्णयों को लागू कराने के लिए दाखिल किए गए एक्सेक्यूशन प्रार्थना पत्रों में भी सालों का समय लग रहा और आठ लाख से ज्यादा इस तरह के प्रार्थना पत्र वर्षों से लोअर कोर्ट्स में लम्बित हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले की ही तरह इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्थिति अत्यंत गम्भीर है जो स्पष्ट करता है कि हमारी न्यायिक व्यवस्था की स्थिति शोचनीय है और तत्काल आवश्यक सुधरात्मक कदम उठाए जाने बहुत जरूरी हैं। इससे पहले देश की संसद भी कई बार देश की न्यायिक व्यवस्था की लचर हालत पर चिंता व्यक्त करती रही है और स्थिति को सुधारने की मांग उठाती रही है लेकिन दुर्भाग्य से स्थिति में बदलाव लाने के लिए कोई भी ठोस कदम कभी भी सरकारों ने उठाया हो , ऐसा नहीं लगता।

हमारे देश ने वर्ष 2047 यानी स्वतंत्रता प्राप्ति के सौ वर्ष के अंदर पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त किया जा सकता है और इसको प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं आनी चाहिए ऐसा मैं अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर कह सकता हूं। लेकिन पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने के लिए कई जरूरी कदम शीघ्रातिशीघ्र उठने होंगे क्योंकि वर्ष 2047 अब ज्यादा दूर नहीं है। अगर हम विश्व के अन्य विकसित देशों की विकास के पथ पर की गई यात्रा पर दृष्टिपात करें तो हम पाएंगे कि इन सभी राष्ट्रों ने सबसे पहले न्याय व्यवस्था, कानून व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य को पुखद्ता करने का काम किया लेकिन इनमें से भी सबसे पहले न्याय व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त किए बिना यह देश शायद ही अपना वांछित लक्ष्य प्राप्त करने में सफल हो पाते, यह स्पष्ट है। स्पष्ट है कि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति का मूल आधार ही संविदा यानी कांट्रैक्ट कानूनों का शीघ्र और प्रभावी ढंग से अनुपालन होता है क्योंकि सभी आर्थिक गतिविधियों का प्रारम्भ और अंत संविदा से ही होता है और जब आम जन को लगता है कि देश की न्याय व्यवस्था सभी संविदाओं के न्यायपूर्ण ढंग से अनुपालन कराने में सक्षम है तो लोग निवेश करने और उद्योग धंधों, व्यापार आदि गतिविधियों को प्रारम्भ करने के लिए नि:संकोच आगे आते है। इसी तरह सुदृढ़ न्याय व्यवस्था के बिना कघनून व्यवस्था को कभी भी मजबूत नहीं किया जा सकता, यह भी स्पष्ट है। न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता और उसका ईमानदार और प्रभावी होना भी इस बात को सुनिश्चहित करता है कि आम लोगों और खास कर कारोबार से जुड़े लोग बिना किसी कठिनाई के अपने अपने धंधे में निश्चिंत हो कर कार्य कर सकते हैं। सामान्यत: इसी स्थिति को ईज ओफ डूइंग बिजनेस का नाम दिया जाता है और इन परिस्थितियों को स्थापित किए बिना कोई भी देश आज तक विकसित नहीं हो पाया, इतिहास इसका गवाह है। जब हम इस दृष्टि से अपने देश की स्थितियों का परीक्षण करते है तो हमें एक अत्यंत निराशाजनक स्थिति परिलक्षित होती है क्योंकि आज भी हमारा देश ईज ओफ डूइंग बिजनेस यानी व्यापार करने की अनुकूल स्थितियों के मामले में विश्वभर में बहुत ही निचली पायदान पर खड़ा हमको मिलता है। इन्ही स्थितियों के चलते आज हमारा देश विदेशी निवेश के मामले में छोटे-छोटे देशों की तुलना में भी काफी पीछे खड़ा मिलता है। सबसे दु:खद स्थिति तो यह है कि हर साल हजारों की संख्या में करोड़पति भारतीय नागरिक देश छोड़ कर विदेश में बसने के लिए जा रहे हैं, ऐसी खबर पिछले कई वर्षों से देश के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रही है। यह सोचने की बात है कि जब खुद हमारे करोड़पति देश छोड़ रहे तो कोई विदेशी क्यों यहां निवेश करने को सोंचेगा। यह प्रश्न निश्चित रूप से देश की सरकारों के लिए एक गम्भीर चिंता का विषय होना चाहिए और स्थिति को सुधारने के लिए आज तत्परता से कदम उठाया जाना आज की महती आवश्यकता है, लेकिन दु:ख की बात तो यह है कि ऐसा होता हुआ बिल्कुल भी नहीं दिख रहा। आखिर न्याय व्यवस्था को चुस्त और दुरुस्त करने में क्या कठिनाई है इस पर कोई भी गम्भीर चर्चा देश में आज भी नहीं हो रही है, यह साफ है। इस विषय पर पूर्व में भी जब भी विश्लेषण किया गया तो सबसे पहले न्यायालयों की कमी का ही रोना रोया जाता रहा है। इस में कोई विवाद नहीं कि देश में प्रति दस हजार की जनसंख्या पर केवल दो न्यायिक अधिकारी नियुक्त हैं जबकि विकसित देशों में यह संख्या 6-10 प्रति दस हजार जनसंख्या के बीच में है, जिसमें सुधार लाया जाना अति आवश्यक है और बिना किसी विलम्ब के देश में न्यायालयों की संख्या में कम से कम तीन गुनी की बढ़ोतरी की जानी चाहिए और इसके लिए आवश्यक अवस्थापन सुविधाओं को स्थापित किया जाना चाहिए। इसी के साथ यह भी तो देखा जाना चाहिए की आज स्थापित न्यायालय भी मानकों के अनुसार कार्य कर रहे या नहीं और भारतीय न्यायालयों में तारीख पर तारीख दिए जाने का जो चलन चल पड़ा है उसके लिए कौन जिम्मेदार है। अपने सेवा काल के दौरान न्यायालयों की कार्यप्रणाली में पीठासीन अधिकारी के रूप में भाग लेने एवं उनके पर्यवेक्षण करने के दौरान मैंने पाया कि वर्तमान स्थितियों में भी न्यायालयों की कार्यप्रणाली में कुछ कदम उठा कर बहुत बड़ा सुधार लाया जा सकता। सबसे पहले पूर्णत: झूठे तथ्यों पर आधारित मुकदमे दाखिल करने पर गम्भीर दंड जैसे कम से कम पांच साल की सजा का प्रावधान किया जाना इस सुधार की प्रक्रिया की शुरुआत हो क्योंकि आज हमारी अदालतें नीचे से ऊपर तक , फर्जी मुकदमों के बोझ तले दबी हैं और यह भार रोज बढ़ता जा रहा है। कारण यह है कि झूट बोलने और गलत शपथ पत्र देने के लिए कभी भी कोई दण्डित नहीं होता इसलिए झूंठे मुकघ्दमे दाखिल करके दूसरे पक्ष को वर्षों तक परेशान करने की प्रथा ने हमारी न्याय व्यवस्था को एक प्रकार से पंगु कर रखा है। विश्व के सभी विकसित देशों में गलत बयानी करना एक गम्भीर अपराध है लेकिन हमारे देश में तो लगता है कि जैसे झूंठ बोलना हमारा जन्म सिद्ध अधिकार हो। इसी के साथ पक्षों को नोटिस जारी करने की वर्तमान प्रक्रिया में बदलाव लाकर एक साथ नोटिस, रेजिस्टर्ड डाक , मेसिज , वत्सप्प, मोबाइल फोन पर सूचना और अखघ्बारों में नोटिस मुद्रण की प्रक्रिया निर्धारित की जाए ताकि नोटिस के स्तर पर होने वाले विलम्ब को समाप्त करके शून्य किया जा सके। इसके अतिरिक्त यह भी सुनिश्चहित किया जाना होगा कि न्यायाधीशों को केवल न्यायिक कार्य करने के अलावा न्यायालयों के प्रबंधन आदि से पूर्णत: मुक्त किया जाए और न्यायालयों के प्रबंधन के लिए एक पूर्णत: प्रशिक्षित मैनज्मेंट काडर हो जो मुकदमों के पंजीकरण, तिथि निर्धारण, सामान्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चहित करने का काम करे जैसा कि यूरोप देशों में व्यवस्था है। हमारे देश में अन्य देशों की भांति ही वर्तमान में लागू कघनूनी व्यवस्था के तहत मुकघ्दमे की पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही निर्णय दिया जा सकता है , उससे इतर नहीं,इस लिए पक्षों पर बाध्यता हो कि वह मामले से सम्बंधित सभी साक्ष्य मामले में वाद पत्र दायर करने के साथ ही न्यायालय में दाखिल करें और इसी प्रकार प्रतिवादी भी अपने उत्तर के साथ सभी साक्ष्य आदि एक साथ दाखिल करे और इसके लिए कोई भी अतिरिक्त समय ना दिया जाए। अधिकांशत: अतिरिक्त साक्ष्य देने के अवसर के नाम पर तारीखघ पर तारीखघ लगती रहती है। इसी प्रकार न्यायालयों में बहस करने के नाम पर मामलों को वर्षों तक खींचा जाता है जिसको समाप्त करने के लिए प्रत्येक मामले में मौखिक बहस के लिए एक तिथि और एक सीमित समय निर्धारित किए जाने की व्यवस्था की जानी होगी जैसा कि सभी विकसित देशों में है जहां मुकदमे में दूसरी तारीख यानी अजर्नमेंट की व्यवस्था लगभग शून्य है।

(लेखक रिटायर आईएएस हैं ये लेखक के निजी विचार हैं)

भारत की आर्थिक यात्रा: गुलामी का साया!

वाहिद नसीम

पूरा विश्व इस समय नए वैश्विक गठजोड़ में अपनी यात्रा का मार्ग तय करने में जुटा हुआ हैं, हर राष्ट्र अपनी किस्मत की सड़क पर चलता बढ़ता चला जा रहा है , वहीं भारत आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है जहां चारों दिशाएं गहन विचार करने पर विवश करती हैं। जैसे कोई यात्री उकसाया हुआ पहाड़ की चोटी पर चढ़ जाए और फिर नीचे झांक कर देखे कि आगे का रास्ता नीचे की ओर ही जाएगा और बादलों से ढकी चोटियां ऊपर से सूरज की रौशनी मचमक और नीचे चारों ओर अंधेरा, वैसे ही हमारी अर्थव्यवस्था के सामने प्रश्न खड़े हैं। क्या हम स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहे हैं या अनजाने में नई जंजीरों में बंध रहे हैं?

पिछले ग्यारह वर्षों (2014 से 2025 तक) की कूटनीति ने हमें यहां पहुंचाया है। एक ऐसा मोड़ जहां पश्चिमी शक्तियों से व्यापार सरप्लस हमें मजबूत बनाता है, लेकिन एशियाई और यूरेशियन देशों के साथ बढ़ता घाटा हमें कमजोर कर सकता है। विचार करें, भारत का व्यापार सरप्लस मुख्यत: अमेरिका और यूरोपीय संघ से आता है। 2024-25 में अमेरिका के साथ कुल व्यापार 132 अरब डॉलर का रहा, जिसमें हमारे निर्यात 86 अरब डॉलर थे। एक सकारात्मक संतुलन। यूरोप के साथ भी यही कहानी है, लेकिन अगर हम इनसे व्यापार बंद कर दें? तब एशिया और यूरेशिया की ओर देखें, जहां हम घाटे में हैं। चीन के साथ 99 अरब डॉलर का घाटा, रूस से 67 अरब डॉलर के आयात (मुख्यत: तेल), संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 100 अरब डॉलर का व्यापार (तेल और अन्य वस्तुओं से घाटा), सऊदी अरब से 42 अरब डॉलर, ये आंकड़े बताते हैं कि हम इन देशों से तेल, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे और मशीनरी मंगाते हैं, लेकिन बदले में निर्यात करने लायक कुछ खास नहीं। क्या हमारे पास ऐसी कोई वस्तु है जो इन घाटों को पाट सके? अभी दूर तक नजर नहीं आती। जैसे कोई नदी का पानी समुद्र में बहता जाता है, वैसे ही हमारा धन इन देशों की जेब में जाता है।

अब रुपये में कारोबार की बात

विशेष रूपी वोस्त्रो अकाउंट्स SRVA के माध्यम से रूस, चीन, सऊदी और यूएई जैसे देश हमारे सरप्लस रूपए को भारत में ही निवेश करते हैं, सरकारी बॉन्ड्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और निजी कंपनियों में। 2023-25 में कुल FDI 177 अरब डॉलर से अधिक आई, जिसमें UAE से 7 अरब डॉलर (अदानी ग्रुप और रिलायंस में), सऊदी से 1.5 अरब डॉलर (रिलायंस जामनगर रिफाइनरी में), रूस से 0.05 अरब डॉलर (ONGC और TCS में) और चीन से 0.8 अरब डॉलर (Vivo और Xiaomi जैसी कंपनियों में) A SRVA से इन निवेशों का 10-60 प्रतिशत हिस्सा सेटल होता है, जैसे रूस में 50-60 प्रतिशत, UAE में 30-40 प्रतिशत। यह हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। भारत सरकार को यह रुपये सीधे देने नहीं पड़ते वोस्त्रो अकॉउंट में डाले जाते हैं, लेकिन मेरी महीन दृष्टि से सोचें-क्या यह साझेदारी है या धीमी गुलामी? एक दिन तो आएगा जब यह सभी देश मुनाफा निकालना चाहेंगे। तब क्या वे अपनी हिस्सेदारी यूरोपीय निवेशकों को बेचेंगे या पुराने विदेशी बैंकिंग माफिया को बेचेंगे या फिर भारत से सोना खरीदकर ले जाएंगे? यह बिना प्लानिंग की कुछ ऐसी बेखुदी लगती है, जैसे कोई मेहमान घर में रहकर कुछ पैसे रोज घर में खर्च को देता जाए और फिर एक दिन पूरा हिसाब मांगले और लौटने की क्षमता न होने के कारण घर का मालिक बन जाए, वैसे ही क्या हमारी अर्थव्यवस्था की कमान इनके हाथों में नहीं चली जाएगी? चिंतन गहरा होता है जब हम देखते हैं कि तेल और पुर्जे मंगाकर हम रुपये देते हैं, जो भारत में ही सेटल होते हैं। हिस्सेदारी के रूप में। यह देश सरप्लस कमा रहे हैं, हम घाटे में। गुजरते समय के साथ, क्या भारत इनकी आर्थिक गुलामी में नहीं फंस जाएगा? जैसे पुराने जमाने में ईस्ट इंडिया कंपनी ने व्यापार के नाम पर देश को खरीद लिया था, वैसे ही क्या हमारी नीतियां बड़े व्यापारियों (जैसे रिलायंस और अदानी) को सफल बनाने के चक्कर में कुटीर उद्योगों को कुचल नहीं रही हैं ? कुटीर उद्योग-छोटे कारोबारी, किसान, कारीगर.यदि पनपते नहीं, तो अर्थव्यवस्था कंपनियों के हाथों बिक जाएगी। स्मरण रहे संतुलन ही जीवन है। अगर बड़े को बढ़ावा देकर छोटे को भूल गए, तो असंतुलन आएगा। गरीबी, बेरोजगारी और विदेशी निर्भरता। इस स्थिति से बचने के लिए क्या पश्चिमी ताकतों के साथ मिलकर काम करना मजबूरी नहीं बन चुका है? पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएं-अमेरिका और यूरोप हमें सरप्लस देती हैं, लेकिन क्या यह टेम्परेरी राहत मात्र है? वे हमें सेवाओं, तकनीक और निवेश देते हैं, लेकिन उनकी अपनी समस्याएं हैं। मुद्रास्फीति, कर्ज। फिर भी, संतु. लित कूटनीति में इन्हें शामिल करना जरूरी लगता है। सभी संगठनों में हिस्सेदारी के बावजूद, ना हम उत्पादन में आत्मनिर्भर हो सके,और ना ही रक्षा के क्षेत्र में। चारों तरफ गंभीरता से विचार करें तो भारत सिर्फ एक कंज्यूमर बाजार यानी उपभोक्ता मात्र नजर आता है, जिसका दोहन करने के लिए हर कोई झपटना चाहता है। चुनाव हमारे हाथ में है। अगर हम कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दें, स्वदेशी तकनीक विकसित करें और कूटनीति में संतुलन रखें, तो चौराहे की खाई से बच सकते हैं। अन्यथा, नई ईस्ट इंडिया कंपनियां चाहे एशियाई हों या पश्चिमी हमें गुलाम बना लेंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक, सामाजिक विषयों के विश्लेषक है, ये उनके निजी विचार हैं)

जामिया मिल्लिया: विचार की चिंगारी से प्रगति की लो तक

माहे आलम

जब हम जामिया मिल्लिया इस्लामिया का नाम उच्चारित करते हैं, तो यह केवल एक विश्वविद्यालय या शिक्षण-संस्थान का स्मरण नहीं कराता, बल्कि यह नाम एक सम्पूर्ण विचार-जगत को उद्घाटित करता है। यह एक ऐसे स्वप्न का प्रतीक है जिसमें भारत की आत्मा अपने सबसे पवित्र स्वरूप में प्रकट होती है। स्वतंत्रता, मानवता, समरसता और नैतिकता के रूप में। जामिया का अर्थ केवल ईंट और पत्थरों की संरचना नहीं, बल्कि उस जीवंत चेतना से है जिसने भारतीय समाज को यह विश्वास दिलाया कि शिक्षा केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मा के उत्कर्ष का पथ है। यह विश्वविद्यालय एक ऐसी परंपरा का प्रतीक बन चुका है जिसमें ज्ञान, कर्म, संस्कृति और सेवा एकाकार हो जाते हैं। बीसवीं शताब्दी का तीसरा दशक भारतीय इतिहास का उथल-पुथल भरा काल था। एक ओर विदेशी शासन की कठोरता थी, दूसरी ओर स्वाधीनता की ज्वाला प्रज्ज्वलित हो रही। ब्रिटिश शासन द्वारा थौंपी गई शिक्षा-प्रणाली भारतीय मस्तिष्क को अनुशासित दास में परिवर्तित कर रही थी। महात्मा गांधी ने इसे 'गुलामी का उपकरण' कहा था और देशवासियों से आह्वान किया था कि वे ऐसी शिक्षा का त्याग करें जो आत्मा को पराधीन बनाती है। इन्हीं विचारों के आलोक में कुछ साहसी शिक्षकों और छात्रों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्व. विद्यालय से अलग होकर 29 अक्टूबर 1920 को 'जामिया मिल्लिया इस्लामिया' की स्थापना की। इस स्थापना के साथ ही भारतीय शिक्षा को एक नवीन दिशा मिली। ऐसी दिशा जो आत्मनिर्भरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति से संपृक्त थी। यह केवल एक संस्था की उत्पत्ति नहीं थी, बल्कि भारतीय आत्मा की पुन:स्थापना का आरम्भ था। जामिया की स्थापना के तत्काल बाद आर्थिक संकटों ने इस नवजात संस्था की परीक्षा ली, लेकिन संस्थापकों ने इसे केवल एक भवन नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य समझा। मौलाना मुहम्मद अली जौहर, हकीम अजमल खघान और डॉ। मुख्तार अहमद अंसारी जैसे महान नेताओं ने त्याग और तपस्या से इसे जीवित रखा। सरोजिनी नायडू ने कहा था कि जामिया की प्रत्येक ईंट में बलिदान की गंध है। यह वाक्य केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि उस युग की आत्मा का साक्ष्य है जिसमें लोग व्यक्तिगत सुख त्यागकर राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता का सपना साकार कर रहे थे। 1926 में जब डॉ. जाकिर हुसैन ने कुलपति का दायित्व संभाला, तब जामिया संकटग्रस्त थी। वित्तीय, संस्थागत और बौद्धिक दृष्टि से। डॉ. हुसैन ने इसे मात्र एक विश्व. विद्यालय नहीं, बल्कि अपने जीवन का तपस्थल माना। उनका शिक्षा-दर्शन गांधीजी की 'नई तालीम' से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल बुद्धि-विकास नहीं, बल्कि चरित्र-निर्माण और सामा. जिक चेतना का प्रस्फुटन है। उनके अनुसार, शिक्षा वही है जो व्यक्ति को समाज की सेवा के योग्य बनाए। जामिया में उन्होंने श्रम को प्रतिष्ठा दी। विद्यार्थियों को हस्तकला, कृषि और सेवा-कार्य में सम्मिलित किया ताकि शिक्षा केवल वाक्पटुता या ज्ञान-संग्रह न रह जाए, बल्कि जीवन के प्रत्एक कर्म में उतर आए। यह विचार कि शिक्षा व्यक्ति को उपयोगी नागरिक के साथ-साथ संवेदनशील मनुष्य बनाती है, आज भी उतना ही प्रासंगिक है। जााकिर हुसैन का यह दृष्टिकोण उस समय के लिए अत्यन्त प्रगतिशील था जब शिक्षा का अर्थ केवल रोजगार प्राप्त करना माना जाता था। उन्होंने स्पष्ट कहा था शिक्षा वह शस्त्र है जो राष्ट्र के नैतिक पुनरुत्थान का माध्यम बन सकती है। आज जब शिक्षा एक व्यावसायिक उपक्रम में रूपांतरित हो रही है, तब यह स्मरण कराना आवश्यक है कि जामिया का उद्देश्य कभी आर्थिक लाभ नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक उन्नति रहा है। जामिया का सांस्कृतिक स्वरूप उसकी सबसे अद्वितीय पहचान है। यह वह स्थल रहा जहां भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति अपने सबसे स्वाभाविक रूप में जीवित रही। यहां विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के विद्यार्थी एक साथ शिक्षा ग्रहण करते रहे। उर्दू की मिठास और हिन्दी की सहजता ने मिलकर एक ऐसा वातावरण रचा जिसमें संवाद विभाजन पर विजई रहा। इस परिसर में विविधता केवल सह-अस्तित्व नहीं, बल्कि सौहार्द का सक्रिय प्रयोग रही। इसी कारण जर्मनी से आई एक यहूदी शिक्षिका गेर्डा फिलिप्सबोर्न, जिन्हें 'आपा जान' कहा जाता था, ने नाजीी अत्याचार से बचकर इस संस्थान को अपना आश्रय बनाया। यह घटना दर्शाती है कि जामिया का विचार सीमाओं से परे है। यह वह भूमि है जहां मानवता धर्म और जाति से ऊपर प्रतिष्ठित होती है। वर्तमान समय में जब समाज धार्मिक और वैचारिक ध्रुवीकरण की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तब जामिया की यह परंपरा और भी आवश्यक प्रतीत होती है। यह हमें सिखाती है कि सच्चा राष्ट्रवाद विभाजन में नहीं, एकता में निहित है। शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को संकीर्ण पहचान से मुक्त कर वैश्विक मानवता से जोड़ना है। जामिया ने अपने आचरण से सिद्ध किया कि शिक्षा वही है जो संवाद को जन्म दे, और विचारों के टकराव को सहिष्णुता में रूपांतरित करे। पिछले कुछ वर्षों में जामिया का परिसर अनेक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों का केंद्र बना। छात्रों ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा में आवाज उठाई, और अपने विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से व्यक्त किया। दुर्भाग्यवश, कभी-कभी इन आंदोलनों को गलत अर्थों में प्रस्तुत किया गया, परन्तु यह समझना आवश्यक है कि असहमति लोकतंत्र का हृदय है। विश्वविद्यालय वही होता है जहां

(लेखक उप निदेशक (माय भारत), युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पूर्व छात्र, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए विख्याात हैं, ये लेखक के निजी विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र शांति सेना ने इजरायली ड्रोन मार गिराया

बेरूत। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ने एक इजरायली ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इजरायली सेना ने कहा कि ड्रोन 'नियमित खुफिया जानकारी इकट्ठा करने की गतिविधि' कर रहा था। प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल नदाव शोशानी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि पास में तैनात यूनिफिल बलों ने जानबूझकर ड्रोन पर गोलीबारी की और उसे गिरा दिया। ड्रोन की गतिविधि से यूनिफिल बलों को कोई खतरा नहीं था। उन्होंने कहा कि बाद में इजरायली बलों ने उस क्षेत्र की ओर एक ग्रेनेड गिराया जहां ड्रोन गिरा था।

ब्रिटिश पत्रकार सैमी हम्दी अमेरिका में गिरफ्तार

लंदन। इजरायल के मुखर आलोचक ब्रिटिश पत्रकार सैमी हम्दी को अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने गिरफ्तार कर लिया है। गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने रविवार को एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अमेरिका में एक भाषण दौरे पर गए हम्दी को हिरासत में ले लिया गया और उनका वीजा रद्द कर दिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि हम्दी देश से निकाले जाने तक आईसीई की हिरासत में रहेंगे।

बंगलादेश में डेंगू के 983 नए मामले, छह और मरीजों की मौतें

ढाका। बंगलादेश में पिछले 24 घंटों में डेंगू के 983 नए मामले सामने आए और छह और लोगों की मौत हुई है। देश भर के विभिन्न अस्पतालों में लगभग 2,800 डेंगू के मरीज इलाज करा रहे हैं। इस साल अब तक डेंगू के कुल मामलों की संख्या 66423 और मृतकों की संख्या 269 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य सेवा महा. निदेशालय (डीजीएचएस) ने यह जानकारी दी है।

ऑस्ट्रेलिया में खदान विस्फोट में दो लोगों की मौत, एक घायल

सिडनी। दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में मंगलवार तड़के एक भूमिगत खदान में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने एक बयान में कहा कि ब्रोकन हिल से लगभग 450 किलोमीटर पूर्व में कोबार स्थित एंडेवर माइन रोड स्थित खदान में विस्फोट की घटना में दो लोगों के गंभीर रूप से घायल होने के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें बताया गया कि एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। दो महिलाओं को खदान से बाहर लाया गया। हालांकि उनमें से एक की तब तक मृत्यु हो चुकी थी।

नई दिल्ली। एनसीआर में वायु गुणवत्ता में गिरावट के बाद राष्ट्रपति भवन में धूंध की एक परत छा गई।

तुर्की के पश्चिमी बालिकेसिर प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया

इस्तांबुल। तुर्की के पश्चिमी प्रांत बालिकेसिर में सोमवार देर रात 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे चारो ओर दहशत फैल गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तुर्की के आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी (एएफएडी), जो आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन के लिए जम्मिेदार राष्ट्रीय एजेंसी है ने 'एक्स' पर बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 10:48 बजे सिंदिरगी जलि में आया। एनटीवी द्वारा प्रसारित फुटेज में भूकंप के झटके महसूस होने पर निवासी सड़कों पर दौड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

फलस्तीन में सैनिक भेजेगा पाकिस्तान!

इस्लामाबाद मिशन में भाग लेना चाहता है, सरकार व सेना के बीच चर्चा प्रगति के अंतरिम चरण में

इस्लामाबाद। पाकिस्तान जल्द यह घोषणा कर सकता है कि वह गाजा के लिए बनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय स्थिरीकरण बल (आईएसएफ) में अपने सैनिक भेजेगा या नहीं। अधिकारियों ने संकेत दिया कि सरकार इस मिशन में हिस्सा लेने के पक्ष में है। अधिक. ारियों ने इस मामले की संवेदनशीलता के कारण अपने नामों को सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन कहा कि सरकार सेना के बीच इस मुद्दे पर चर्चा प्रगति के अंतिम चरण में है।

उनकी बातों से लगता है कि इस्लामाबाद इस मिशन में भाग लेना चाहता है। अमेरिका की मध्यस्थता में किए गए गाजा शांति समझौते में एक मुख्य बिंदु आईएसएफ की स्थापना भी है। आईएसएफ की स्थापना इस्लामी देशों के सैनिकों से की जाएगी। इस बल का काम आंत. रिक सुरक्षा बनाए रखना, हमास को निरस्त्र करना, सीमा शुल्क पर नियंत्रण करना और फलस्तीनी प्रशासन के तहत मानवीय राहत व पुनर्निर्माण में मदद करना होगा। ट्रम्प प्रशासन ने

■ आईएसएफ की स्थापना इस्लामी देशों के सैनिकों से की जाएगी

गाजा में अमेरिकी सैनिक भेजने से इनकार किया। हालांकि, वह इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मिस्र, कतर, तुर्की और अजरबैजान से इस बहुराष्ट्रीय बल में शामिल होने के लिए बातचीत कर रहा है। हालांकि, सोमवार को इजरायलके विदेश मंत्री गिदोन सार ने तुर्की के इस बल में शामिल होने का विरोध किया, क्योंकि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन का इजरायलके प्रति 'शत्रुतापूर्ण' रुख है। इजरायलके प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश तय करेगा कि कौन-कौन सी विदेशी सेनाएं गाजा में आ सकती हैं और उन्होंने तुर्की के सुरक्षा बलों की किसी भी भूमिका का कड़ा विरोध किया। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट के मुता. बिक, इजरायलके संसद के विदेश मामलों और रक्षा समितियों के सदस्यों को पिछले हफ्ते एक बंद बैठक में बताया गया कि आईएसएफ में इंडोनेशिया, अजरबैजान और पाकिस्तान के सैनिक होंगे। यह खबर ऐसे समय आई है जब पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर मिस्र और जोर्डन का दौरा कर रहे हैं, जो गाजा में शांति के लिए प्रयासों में शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना ने बताया कि उनके दौरे का मकसद रक्षा संबंधों को मजबूत करना है। लेकिन सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 20-बिंदु की गाजा शांति योजना के कमजोर क्रियान्वयन पर चर्चा उनकी बातचीत का मुख्य विषय है।

पाक ने बांग्लादेश को कराची पोर्ट इस्तेमाल का ऑफर दिया

20 साल बाद आर्थिक मुद्दों पर बातचीत, भारत ने बांग्लादेश की ट्रांजिट सुविधा रोकी थी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को अपने कराची पोर्ट का इस्तेमाल करने की पेशकश की है। यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच सोमवार को ढाका में हुई पाकिस्तान-बांग्लादेश जाइंट इकोनामिक कमीशन (जेईसी) की 9वीं बैठक में रखा गया। यह बैठक करीब 20 साल बाद हुई थी। पाकिस्तान का कहना है कि कराची पोर्ट का इस्तेमाल बांग्लादेश को चीन, खाड़ी देशों और सेंट्रल एशिया के बाजारों तक आसान पहुंच दिला सकता है।

भारत सरकार ने 8 अप्रैल, 2025 को एक सर्कुलर जारी करके बांग्लादेश को तीसरे देश-निर्यात के लिए भारत की जमीन से सामान गुजारने (ट्रांस-शिपमेंट) की सुविधा खत्म कर दी थी। इस फैसले के तहत, बांग्लादेशी माल अब भारत के लैंड कस्टम स्टेशनों (एलसीएस) से होकर, भारत के किसी बंदरगाह या एयरपोर्ट से तीसरे देश नहीं जा सकता था। पाकिस्तान और बांग्लादेश ने सीधी हवाई और समुद्री कनेक्टिविटी बढ़ाने, लाजिस्टिक सहयोग, और हलाल उत्पादों के मानकीकरण जैसे मुद्दों पर भी सहमति जताई। बैठक में पाकिस्तान ने बांग्लादेश से जूट इंपोर्ट करने में इंट्रेस्ट दिखाया है। फिलहाल भारत बांग्लादेश का सबसे बड़ा जूट खरीदार है। भारत ने 2023 में करीब 95 मिलियन डालर का जूट आयात किया था। हालांकि भारत ने अगस्त में बांग्लादेशी जूट उत्पादों के बंद. रगाहों से आने पर पाबंदी लगा दी थी। भारत ने कहा था कि बांग्लादेश की सब्सिडी से भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है। इसके बाद जुलाई 2025 में बांग्लादेश के जूट निर्यात की कमाई घटकर 12.9 मिलियन डालर से सिर्फ 3.4 मिलियन डालर रह गई। इसके जवाब में बांग्लादेश ने भारत से धागा (यार्न) इंपोर्ट बंद कर दिया और कई लैंड पोर्ट जैसे बेनापोल, भोमरा, सोनामसजिद, बंगलबंधा, बुरीमारी से इंपोर्ट रोक दिया। बैठक में पाकिस्तान ने प्रस्ताव रखा कि बांग्लादेश अपने जूट उत्पादों के निर्यात के लिए कराची बंदरगाह का इस्तेमाल कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने बांग्लादेशी कारोबा. रियों के लिए 500 स्कालरशिप और तकनीकी प्रशिक्षण सीटें बढ़ाने की भी घोषणा की है। दोनों देशों ने इन प्रस्तावों पर आगे काम करने के लिए एक जाइंट वर्किंग ग्रुप बनाने का फैसला लिया है। कई एक्सपर्ट्स इस प्रस्ताव को दक्षिण एशिया में बदलते क्षेत्रीय समीकरणों से जोड़कर देख रहे हैं। भारत-बांग्लादेश के बीच हाल के महीनों में कुछ व्यापारिक मतभेद सामने आए हैं। ऐसे में पाकिस्तान का यह कदम अपने लिए एक नया आर्थिक और कूटनीतिक अवसर बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

इजरायल का समर्थन करने पर हुई पाकिस्तानी पत्रकार की बेरहमी से हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान कट्टरपंथ की चपेट में इस कदर आ चुका है कि वहां अब जनभावना के विपरीत बात करना भी जानलेवा हो गया है। पाकिस्तान में एक पत्रकार को इजरायलके समर्थन में बात करने के लिए ही जान से हाथ धोना पड़ गया। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के गृह मंत्री ने खुलासा करते हुए बताया कि, बीते हफ्ते कराची में हुई एक पत्रकार की हत्या एक चरमपंथी

■ कट्टरपंथियों ने गोलियों से भूना

इस्लामी ग्रुप के सदस्यों ने कर थी, क्योंकि उसने अपने टेलीविजन चौनल पर इजरायलके समर्थन में टिप्पणी कर दी थी। सिंध प्रांत के गृह मंत्री जियाउल हसन ने दावा किया कि पत्रकार और एंकर इम्तियाज मीर की हत्या के आरोप में चार संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

बोलीविया: बस पहाड़ी सड़क से नीचे गिरी 16 लोगों की मौत

ला पाज। बोलीविया के केंद्रीय कोचाबम्बा विभाग में सोमवार को एक अंतर-प्रांतीय बस के एक खड़ी पहाड़ी सड़क से 600 मीटर से जयादा नीचे गिर जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 36 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। क्षेत्रीय पुलिस कमांडर रोजर कोस्टास ने पुष्टि की कि 23 वर्षीय चालक सहित घायलों को क्विलाकोलो के अस्पतालों में ले जाया गया है। बोलीविया के राष्ट्रीय यातायात प्रमुख उमर जेगाडा के अनुसार, यह वाहन उस मार्ग पर एक तीखे मोड़ पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जो अपनी संकरी सड़कों और कम दृश्यता के लिए जाना जाता है।

ऊर्जा व्यापार लगातार सिकुड़ रहा

कुआलालंपुर। भारतीय विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने सोमवार को आसियान सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में ऊर्जा क्षेत्र के लगातार सिकुड़ने पर चिंता जाहिर की। एस जयशंकर का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका और भारत के संबंधों में थोड़ा रूखापन आया हुआ है और अमेरिका द्वारा भारत पर रूस से तेल न खरीदने के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

इस दबाव के तहत अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। बीते हफ्ते ट्रम्प ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बैन लगा दिया, जिससे भारत को ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। आसियान सम्मेलन के दौरान भारतीय विद. ेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने अपने बयान में बाजारों तक

■ ट्रम्प के टैरिफ के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने जताई चिंता

पहुंच, सप्लाई चेन की दिक्कतों को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया को आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनानी चाहिए और गाजा और यूक्रेन जैसे संघर्षों को सुलझाने की कोशिशें तेज करनी चाहिए क्योंकि इन संघर्षों की वजह से खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति खतरे में पड़ गई है। जयशंकर ने कहा कि ऊर्जा व्यापार पर लगातार रोक लगाई जा रही है, जिससे तेल बाजार में गड़बड़ी हो रही है। सिद्धांतों को चुनिंदा तरीके से लागू किया जा रहा है। अमेरिका की व्यापार नीति का जिक्र किए बिना जयशंकर ने कहा कि सप्लाई चेन की विश्वसनीयता और बाजार पहुंच चिंता बढ़ा रही है।

शहबाज चापलूसी के ओलंपिक में अव्वल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफों ने देश के अंदर और बाहर एक नई बहस को जन्म दे दिया है।

पूर्व पाक राजदूत हुसैन हक्कानी ने इस पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि शरीफ अब भी ट्रम्प की चापलूसी के ओलंपिक खेल में स्वर्ण पदक जीतने की दौड़ में सबसे आगे हैं। दरअसल, हाल ही में शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स 'एक्स' पर एक पोस्ट में ट्रम्प की जमकर

■ ट्रम्प की तारीफ पर पाकिस्तान के पूर्व पाक राजदूत हुसैन हक्कानी ने इस पर तीखा तंज कसा

तारीफ की थी। उन्होंने लिखा मेरा गहरा आभार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रति, जिन्होंने केएल समझौते, गाजा शांति योजना और मध्य पूर्व तथा दक्षिण एशिया में शांति के लिए असाधारण भूमिका निभाई है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हुसैन हक्कानी ने लिखा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अब भी उस खेल में स्वर्ण पदक की दौड़ में आगे हैं, जिसे फरीद जकारिया ने ट्रम्प की चापलूसी का ओलंपिक खेल बताया था। हक्कानी की यह पोस्ट कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी रीपोस्ट की और उनकी बात का समर्थन जताया।

बंधक के शव को लेकर हमास की 'धोखेबाजी' पर नेतन्याहू सख्त

तेल अवीव। अमेरिका की मध्यस्थता के बाद इजरायलऔर गाजा में फलस्तीनी संगठन हमास के बीच शांति समझौते का पहला चरण जारी है। ऐसे में हमास ने सोमवार (27 अक्टूबर) को एक बंधक का शव इजरायलको सौंपा।

लेकिन अब बंधक के शव को लेकर इजरायल प्रधानमंत्री बेंजा. मिन नेतन्याहू ने हमास पर बड़ा बयान दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार (28 अक्तूबर) को कहा कि हमास की ओर से रात में लौटाए गए एक बंधक के अवशेष लगभग दो साल पहले गाजा में इजरायलसैनिकों द्वारा बरामद किए गए एक बंधक के शरीर के अंग हैं। सोमवार को गाजा

■ बताया शांति समझौते का स्पष्ट उल्लंघन

में युद्धविराम के बीच हमास ने एक बंधक का शव इजरायलको सौंपा था। इजरायल प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यकाल के अनुसार सेना को एक ताबूत प्राप्त हुआ, जिसमें 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान अगवा किए गए 28 में से 16वें बंधक का शव था।

पूर्व ब्राजील राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने सजा के खिलाफ की अपील

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने सोमवार को सुप्रीम फेडरल कोर्ट में अपील दायर की। जिसमें 2023 में एक असफल तख्तापलट के प्रयास में उनकी भूमिका के लिए उन्हें मिली 27 साल और 3 महीने की जेल की सजा की समीक्षा और उसे कम करने का अनुरोध किया गया। बोल्सोनारो की कानूनी टीम ने तर्क दिया कि मुकदमे में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है, जिसमें उचित बचाव का अभाव और एक त्रुटिपूर्ण और विरोधाभासी दलील सौदेबाजी गवाही पर भरोसा शामिल है। उन्होंने आरोपों को लागू करने के तरीके में कानूनी त्रुटियों का भी हवाला दिया।

भारत-अमेरिका की नौसेनाओं ने किया संयुक्त युद्ध अभ्यास

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका ने पनडुब्बी-रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) और समुद्री क्षेत्र में जागरूकता पर केंद्रित संयुक्त युद्ध अभ्यास किया, ताकि दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी तालमेल और क्षमता को मजबूत किया जा सके। अमेरिका के सातवें बेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अमेरिका और भारत की नौसेनाएं साथ उड़ान भर रही हैं।

डिएगो गार्सिया के पास संयुक्त पी-8 प्रशिक्षण ने पनडुब्बी-रोधी युद्ध कौशल और समुद्री क्षेत्र की जागरूकता को निखारा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की हमारी सामूहिक क्षमता को बढ़ाया। रक्षा दृश्य सूचना वितरण सेवा (डीवीआईडीएस) ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि कमांडर टास्क फोर्स 72 (सीटीएफ) के

मजबूत हुआ आपसी तालमेल और क्षमता

मिशन में समुद्री गश्ती और टोही विमान (एमपीआरए) पी-8ए पोसाइडन ने भारतीय नौसेना के एमपीआरए पी-8आई के साथ डिएगो गार्सिया और हिंद महासागर के पास संयुक्त अभ्यास में भाग लिया। यह अभ्यास 22 से 28 अक्तूबर के बीच आयोजित किया गया था। पी-8आई के डिएगो गार्सिया पहुंचने के बाद अमेरिकी और भारतीय चालक दल ने अभ्यास के लिए संचालन योजना पर मिलकर काम किया, जिससे समुद्री में सूचना साझा करने और सहयोग की नींव रखी गई। इस तट आधारित चरण को संयुक्त उड़ान और द्विपक्षी पनडुब्बी-रोधी और संचार अभ्यास के साथ पूरा किया गया।

ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट करेगा जापान

टोक्यो। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को जापान की नई प्रधानमंत्री साने तकाइची से टोक्यो के अकासाका पैलेस मुलाकात की। इस दौरान ट्रम्प ने जापान को अमेरिका का सबसे मजबूत सहयोगी बताया। साथ ही जापान की हर संभव मदद का ऐलान किया। तकाइची हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। दोनों के बीच बैठक में ट्रेड और सिक्योरिटी के मुद्दे पर बात हुई। तकाइची ने घोषणा की कि जापान, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर अगले साल 250 चेरी के पेड़ भेंट करेगा। साथ ही ट्रम्प को अगले साल नोबेल पीस प्राइज के लिए नामिनेट भी करेगा। ट्रम्प सोमवार को जापान पहुंचे थे, जहां उन्होंने सम्राट नारुहितो से मुलाकात की। ट्रम्प आज दोपहर तकाइची के साथ योकोसुका नौसैनिक अड्डे का दौरा करेंगे। यहां अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस जार्ज वाशिंगटन तैनात है।

ईरान में बंधक बनाए गए 4 गुजराती भारत लौटे

6 अभी भी फंसे, डंकी रूट से ऑस्ट्रेलिया जाते समय तेहरान में हुआ था अपहरण

गांधीनगर। ईरान में बंधक बनाए गए गुजरातियों के बारे में एक नया खुलासा हुआ है। चार नहीं, बल्कि कुल 13 लोग इलीगल तरीके से आस्ट्रेलिया और यूरोप में घुसपैठ करने के लिए निकले थे। जिन्हें फिरौती के लिए ईरान के तेहरान में बंधक बना लिया गया था। इनमें से तीन पहले ही गुजरात लौट आए थे, जबकि चार की आज सोमवार सुबह वतन वापसी हो गई। हालांकि, अभी भी 6 लोग वहां फंसे हुए हैं।

13 गुजरातियों को बैंकाक ले जाया गया था हरियाणा के दो एजेंट्स 16 अक्टूबर को 13 गुजरातियों को लेकर आस्ट्रेलिया और यूरोप के लिए रवाना हुए थे। सभी लोग थाई एयर एशिया की फ्लाइट संख्या एफडी145 से बैंकाक पहुंचे थे। यहां कुछ दिन रुकने के बाद उन्हें कतर और कतर से ईरान भेज दिया गया था। इनमें से 4 को तेहरान के मरकजी

■ सभी लोग थाई एयर एशिया की फ्लाइट संख्या एफडी145 से बैंकाक पहुंचे थे

ईरान नाम की होटल में बंधक बनाया गया था। बाकी लोगों को अलग-अलग होटलों में रखा गया था। एक शख्स ने इन चारों के परिवार को फोन करके 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। परिवार को एक वीडियो भेजा गया था, जिसमें अपहृत लोगों को न्यूड कर के जमीन पर औंधे मुंह लिटाकर पीटा जा रहा था। अपहृत लोगों में एक महिला और तीन युवक शामिल थे, जिनमें से तीन गांधीनगर जिले के मानसा तालुका के बापूपुरा और एक बड़पुरा का रहने वाला है। विधायक जेएस पटेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मदद की गुहार लगाई थी। 16 अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए थे गांव के करीबी सूत्रों ने बताया कि गांव के ही एक एजेंट ने पिछले दिनों दो-तीन यात्रियों को डंकी रूट से अमेरिका भेजा था। यह एजेंट आस्ट्रेलिया में घुसपैठ कराने के लिए भी काम कर रहा था। यह बात मालूम होते ही बापूपुरा और एक बड़पुरा गांव के एक दंपत्ति समेत चार लोगों ने आस्ट्रेलिया जाने के लिए इसी एजेंट के संपर्क में आए थे। इन चारों के साथ गुजरात के अलग-अलग शहरों के 9 और लोग भी शामिल थे। प्लान के मुता. बिक, सभी 16 अक्टूबर को आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए थे। सभी पहले बैंकाक पहुंचे थे। यहां कुछ दिन रुकने के बाद उन्हें कतर और कतर से ईरान भेज दिया गया था। जहां सभी लोगों को बंधक बना लिया गया था। गौरतलब है कि इससे पहले भी डंकी रूट से विदेश जाने वालों की किडनैपिंग और फिरौती की मांग के मामले सामने आए है।

जमैका से टकराएगा 2025 का सबसे ताकतवर तूफान मेलिसा

किंग्सटन/वाशिंगटन। हरिकेन मेलिसा 2025 का सबसे ताकतवर तूफान बन गया है। यह कैरेबियाई देश जमैका की ओर बढ़ रहा है। इससे पहले यह हैती और डोमिनिकन रिपब्लिकन में तबाही मचा चुका है। मेलिसा से जमैका में 3, हैती में 3 और डोमिनिकन रिपब्लिक में 1 व्यक्ति की मौत हो गई है।

अमेरिकी मौसम वैज्ञानिकों ने चेता. वनी दी है कि यह तूफान विनाशकारी और जानलेवा साबित हो सकता है। मेलिसा की रफ्तार 175 मील प्रति घंटा यानी लगभग 282 किमी/घंटा तक पहुंच गई है। इससे यह कैटेगरी-5 हरिकेन बन गया है। यह तूफानों की सबसे खतरनाक श्रेणी है। मौसम विभाग के मुताबिक यह तूफान मंगलवार शाम (भारतीय समय के मुताबिक) जमैका के तट से टकरा सकता है। क्यूबा में 6 लाख और जमैका में

■ हवा की रफ्तार 282 kmph छह लाख से ज्यादा लोग ऊंची जगहों पर भेजे गए

28000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। अमेरिकी वायुसेना रिजर्व के 403वें विंग के 'हरिक. ेन हंटर्स' ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें तूफान मेलिसा का बिल्कुल बीच का हिस्सा दिख रहा है। यह वीडियो उस समय शूट किया गया था, जब तूफान रविवार को जमैका की ओर बढ़ रहा था।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

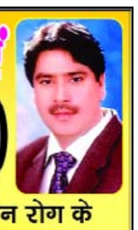

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108